# HRCI का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 10, 1976 (पौष 20, 1897)

No. 21

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 10, 1976 (PAUSA 20, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दीं जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० ए० 32014/1/75 प्रणा० 1 — सघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड-I) श्री एम० सी० खुराना की, राष्ट्रपति द्वारा 1-12-75 से 15-1-76 तक 46 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० सेवा का चयन ग्रेड) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्चार० एम० श्रह्लूबालिया, श्रवर मचिव, संघ लोक मेवा श्रायोग

मित्रमङ्ल सिचवालय (कार्मिक तथा प्रणासिनक सुधार विभाग) केन्द्रीय स्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

सं० टी०-2/69-प्रशासन-5.—-राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से महाराष्ट्र सवर्ग (1957) के भारतीय पुलिस सेवा श्रधिकारी थी। 406 GI/75 टी० ग्रार० वरदराजन को दिनाक 2-12-75 के पूर्वाह्न से अगले ग्रादेश तक के लिए स्थानापन्न पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण क्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० के० पुरी, उप निदेशक (प्रशा०), केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

स० ए० 20023/5/75 प्रणा०-5:—उप निदेशक (प्रशा-मन), केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो एव पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, महाराष्ट्रं राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति श्री एस० बी० पलनीतकर को दिनाक 10 नवस्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रमले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में लोक-श्रमियोजक नियुक्त करते हैं।

> गुलजारी लाल अग्रवाल, प्रणासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी कृते उप-निदेशक (प्रणासन)

(229)

# नई दिल्ली, दिनाक 5 विशम्बर 1975

सं ० ए०-19036/14/75-प्रशा०-5.---(दनाक 26-11-75 के समसख्यक अधिसूचना के अधिकराण में, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेपण ब्युरो तथा पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा मध्य प्रदेश पूलिस विभाग से प्रतिनियक्त पूलिसनिरीक्षक श्री श्रार० एम० शक्ला को दिनाक 15-11-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-भधीक्षक नियुक्त करते हैं।

#### दिनाक 15 दिसम्बर 1975

मं० ए०-35018/15/75प्रशासन-1 :--पुलिस उप-महा निरीक्षक, विशेष पूलिस स्थापना, एतदुद्वारा, पश्चिम बंगाल राज्य मे प्रतिनियक्ति पुलिस निरीक्षक श्री प्रमल कुमार भट्टाचार्जी को दिनांक 25 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्युरो के दिल्ली विशेष पुलिस रथापना प्रभाग की कलकत्ता शाखा में प्रस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त भरते हैं।

> गुलजारी लाल अग्रवाल प्रशासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो ।

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० पी० एफ०/एम०-68/66-प्रशासन-5:---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० डी० ग्रधारकर, पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय म्रान्वेषण बयुरो, सामान्य प्रपराध स्कध, बम्बई को प्रोन्नति पर दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से श्रगले ग्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सामान्य श्रपराध स्कध, बम्बई में ग्रस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस भ्रधीक्षक नियमत करते

श्री एम० डी० श्रधारकर ने दिनाक 1 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म में पुलिस उप-श्रधीक्षक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्युरो, सामान्य अपराध स्कध, बम्बई के कार्यभार को त्याग दिया।

जी० एल० ग्रग्रवाल, प्रशासन प्रधिकारी (लेखा) केरद्रीय ग्रन्बेषण बगरो।

नई दिल्ली, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

सं० एम०-11/74-प्रशासन-5 ---श्री मदन लाल कालरा, कार्यकारी-अभियंता, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो ने दिनाक 26-11-75 के ग्रपराह्न से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में कार्यकारी श्रभियता के पद का कार्य-भार त्याग दिया। दिनांक 26-11-75 के अपराह्म से उनकी सेवाएं प्रमुख इंजीनियर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली को वापस सौप दी गई है।

> विजय पाल पाण्डे, प्रशासन श्रधिकारी (स्था०), केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

## गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 दिसम्बर 1975 सं० एफ०-2/33/75-ईस्ट० (सी० भ्राग्० पी० एफ०):---राष्ट्रपति श्री एस० पी० गरेला उप पुलिस प्रधीक्षक (कम्पनी कमाण्डर/क्यार्टर मास्टर) को उसकी तदर्थ पदोक्षति के फलस्वरूप श्रागामी श्रादेश जारो होने तक केन्द्रीय रिजर्व पूलिस दल में सहायक कमान्डेट के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं ।

2 श्री एरा० पी० गरेला ने उनकी तदर्थ पदोन्नित के फल-स्वरूप केन्द्रीय रिजर्ब पूलिस की 56वी बटालियन में सहायक कमान्डेट के पद का कार्यभार 30 श्रक्तुबर, 1975 के श्रपराह्न से सम्भाला ।

स० O-II-1013/75-स्थापना.--महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर मतोरंजन दाम की तदर्थ रूप में केन्द्रीय रिजर्य पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर उनको 30-6-75 पूर्वाझ से नियुक्त करते हैं।

 डाक्टर मनोरजन दास को सैंकंड बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

## दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० ग्रो० दो०-1245/75-स्थापना:---राष्ट्रपति, श्री राकेश मोहन भर्मा उप पुलिस श्रधीक्षक, 22वी बटालियन केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल का त्याग पत्र 27-10-1975 के पूर्वाह्म से स्वीकार करते हैं ।

# दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० O-[[-38/71-ईस्ट०:---ले० कर्नल बी० के० राज ने श्राम्नी में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 18 नवम्बर, 1975 के श्रपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के ग्रुप सेन्टर, श्रवादी (मद्रास) में कमान्डेट के पद का कार्य-भार छोड़ा।

#### दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० श्रो० दो०-429/69 स्थापना:--श्री दयाल सिंह, उप पुलिस प्रधीक्षक 12वी बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने निवर्तन की ग्रायु गर पहुंचने के परिणाम फलस्वरूप उन्होने ग्रपने पद का कार्यभार 5-11-75 के भ्रपराह्न से छोड़ दिया।

> ए० के० बन्दोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

# महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 दिसम्बर, 1975

सं० ६०-32015(2)/7/74 प्रशा०-1:---राष्ट्रपति, निम्न-लिखित कार्मिको (सीधी भर्ती) को प्रत्येक के सामने दिखाई गई तारीख (खो) से स्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय स्रौद्योगिक मरक्षा बल में स्थानापन्न रूप से पूलिस उपाधीक्षक नियुक्त करने है। उनका मुख्यालय प्रशिक्षण कालेज हैदराबाद मे होगा।

(क) श्री हर्षवर्धन चतुर्वेदी **1-10-75 (पूर्वाह्म)** 

(ख) श्री नरिन्दर कुमार खज्रिया

--यथोक्त------यथोवत---

(ग) श्री रणबीर रत्तन भारद्वाज

--यथोक्त---

(घ) श्री हरविन्दरजीत मिह

(ङ) श्री दीवान मिह बडवल

14-10-75 (पूर्वाह्म)

एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

### भारत के महापजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 दिसम्बर 1975

स० 11/13/75 ए० डी० I.—राष्ट्रपति, श्री एच० पी० राइम्बाइ को, जो असम श्रमंतिक सेवा I के अधिकारी हैं, दिनाक 6 श्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश प्रेषित होने तक, मेघालय के सहायक जनगणना निदेशक के पद पर श्रस्थाई रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्रो राइम्बाइ का मुख्य कार्यालय शिलाग में होगा।

बद्वी नाथ, भारत के उपमहापजीकार एव पदेन उपसचिव भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा निभाग महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व का कार्यालय नई दिल्ली-110001, दिनाक 9 दिसम्बर 1975

स ० प्रशासन-I/कार्यालय आदेश 692/पी० एफ०/जी० एस० जुनेजा/3138—एफ० आर० 56 (के०) के अन्तर्गत 50 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के उपरान्त सेवा से निवृत्त होने के लिए श्री जी० एस० जुनेजा द्वारा इस कार्यालय को दिए गए नोटिस के समाप्त होने तथा इसके अनुसरण मे, श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने श्री जुनेजा को 30-11-75 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने के लिए अनुमति दी है।

श्री जुनेजा की जन्म तिथि 13-4-1925 है।

एच० एग० रामान, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

# नई दिल्ली-110001, दिनाक 2 दिसम्बर 1975

स० प्रशा०  $1/\pi$ ार्या० श्रादेश 70.5/5-8/70-7.6/3.153--महालेखाकार, ने श्रागामी श्रादेश होने तक एफ०श्रार०-30(1)की दूसरी परन्तुक के श्रन्तर्गत कार्यालय के निम्नाकित स्रनुभाग श्रिकारियो/नियद्धक महालेखापरीक्षक के कार्यालय के सहायक सुपरिन्टेन्डेन्ट--(इस कार्यालय को प्रोफार्मा श्रावटित) को लेखा श्रीधकारी की श्रेणी में उनके समक्ष लिखी तिथि से भूतलक्षी प्रभावी रूप में सामयिक-वेतनमान 840-1200 में प्रोफार्मा पदोन्नति के श्रादेश किए हैं।

नाम		_		लेखा ग्रधिकारी के रूप में प्रोफार्मा पदोन्नति की तिथि	टिप्पण 1
<ol> <li>श्री जे ० एन० बहल, प्रनुभागाधिकारी</li> <li>श्री जी० एस० जुनेजा, ग्रनुभागाधिकारी</li> </ol>				26-6-73 (पूर्वाह्न) 1-1-74 (पूर्वाह्न)	
3. श्री क्रज भूषण श्रनुभागाधिकारी .	•	•	•	17-1-74 (पूर्वाह्म)	श्री म्रज भूषण के मामले में यह ग्रिधसूचना क्रमाक प्रशासन-1 5-8/70-74/2846 दिनांक 15-2-74 की ग्रिधसूचना के ग्रितिकम में है।
<ol> <li>श्री एस० ग्रार० चावला (नियत्नक महालेख सहायक सूपरिन्टेन्डेन्ट।</li> </ol>	⊓परीक्षक <sup>्</sup>	के क(र्यालय	<b>क</b> )	17-1-74 (पूर्वाह्न)	_
<ol> <li>श्री पी० सी० गुप्ता, श्रनुभागाधिकारी</li> </ol>				25-1-74 (पूर्वाह्म)	
$6$ . श्री ग्रमर नाथ $-\mathbf{I}$ , श्रनुभागाधिकारी		•		31-1-74 (पूर्वाह्न)	
7. श्री श्रमर नाथ-II, श्रनुभागाधिकारी		•		2-5-74 (पूर्वाह्न)	
8. श्री के० एन० बाली, स्रनुभागाधिकारी	<u> </u>			24-6-74 (पूर्वाह्न)	- <b> </b>
					हॅं० अपठनीय वरिष्ठ उप-महालेखाकार, (प्रशासन)

महालेखाकार, श्रान्ध्र प्रदेश-I का कार्यालय हैदराबाद-500004, दिनाक 27 नवम्बर 1975 स० ई० बी०-I/8-312/74-75/341:—महालेखाकार, श्रांध्र प्रदेश, हैंदराबाद कार्यालय के श्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य थी बी० दुर्गा प्रसाद राव को महालेखाकार प्रान्ध्र प्रदेश,

हैदराबाद द्वारा वेतन मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय मं स्थानापन्न लेखा ऋधिकारी के पद पर 26-11-75 के अपराह्म से तब तक आगे आदेश न दिये जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे विराध सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नही है।

## दिनांक दिसम्बर 1975

सं० ई० बी० 1/8-312/74-76/344--महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैंदराबाद कार्यालय के ग्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जी० ग्रार० विद्यासागर की महालेखाकार, श्रान्ध्र प्रदेश, हैंदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000-ई० बी० 40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर 28-11-75 के पूर्वाह्म से जब तक श्रागे श्रादेश न दिये जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० श्रार० मुखर्जी, प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार,वाणिज्य,निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० एडमन I/2(4)/|V|/9007-15—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली ने श्री एच० एन०

कौलास्कर, अनुभाग अधिकारी की वरिष्ठ उप-महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, बस्बई के कार्यालय में 24-11-1975 (पूर्वाह्न) से लेखा अधिकारी के पद पर अगले आदेशों तक अस्थाई रूप से पदोन्नति कर दी है।

## दिनाक 16 दिसम्बर 1975

सं० एडमन-1/2(4)/ /9117-27—महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली, कुमारी सुजाता गुप्ता, श्रनुभाग श्रिधकारी, की वरिष्ठ उप-महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, कलकत्ता के कार्यालय में 24-11-75 (पूर्वाह्म) से लेखा ग्रिधकारी के पद पर, ग्रगले ग्रादेश तक, ग्रस्थायी एवं ग्रनन्तिम रूप से सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

बी० बी० देब राय, वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रणासन)

#### रक्षा लेखा विभाग

# कार्यालय, रक्षा लेखा महानियतक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 29 दिसम्बर 1975

स० 23012(1)/75-प्रशा० ए० (जिल्द- $\Pi$ )--रक्षा लेखा महा नियंत्रक एतद्द्वारा निम्नलिखित स्थाई श्रनुभाग श्रिधिकारियो (लेखा) को प्रत्येक के सामने लिखी हुई तारीखों के पूर्वाह्न से मुल पद्धारी लेखा अधिकारियों के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं० नाम						संगठन जिसमें सेवारत हैं ।	प्रभावी तारीख
 सर्वश्री				<u></u>			
<ol> <li>एम० कृष्णामूर्ति</li> </ol>	•	٠				रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-2-75
2. बी० जी० कृष्ण	ामूर्ति .					रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-2-75
3. भगत राम बिश्र	ाला .	•		•		रक्षा लेखा नियसक (फैक्ट्रीज), कलकता	1-2-75
<ol> <li>मार०वी० बा</li> </ol>	गासुन्दरम	•				रक्षा लेखा नियन्नक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-2-75
5. हरबंस लाल ग्रा	नंद .					रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-2-75
<ol> <li>म्रार० सुब्रह्मान्यग्</li> </ol>	τ.		•			रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-2-75
7. सत्य प्रकाश बहर	त.					रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु मेना), देहरादून	1-2-75
8. गुलाब सिंह वर्मा						रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	27-2 <b>-</b> 75
9. एम० हरिहर सुक	ह्मन्यन .					रक्षा लेखा नियंत्रक, (श्रन्य रैक), दक्षिण, मद्रास	28-2-75
10. पुरुषोत्तम दास	नक्काइ					रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन), इलाहाबाद	1-3-75
11. संतपाल सहगल	•	•		•	٠.	रक्षा लेखा नियत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-75
12. ए० बी० प्रकाश	म .	•				रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, मेरठ	1-3-75

एस० के० सुन्दरम, रक्षा लेखा श्रपर महा नियंत्रक, (प्रशासन)

श्रम मन्नालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था जगजीवन नगर,दिनांक दिसम्बर 1975

सं ०-पी ० 8(9)/67--- कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष नियमाधली 1949 के नियम 5 के अन्तर्गत उप-नियम (1) (बी) में दिये गए अधिकारो का प्रयोग कर, कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष सलाहकार समिति एतद्द्वारा उप-क्षेत्रीय प्रबंधक, हब बेली सब-एरिया, म्रोरियन्ट कोलियरी, पोस्ट-ब्रजराज नगर, जिला सम्बलपुर, उड़ीसा को श्री एस० के० मुखर्जी, उप-क्षेत्रीय प्रबन्धक, सम्बलपुर, उड़ीसा के स्थान पर नियोक्ता प्रतिनिधि मनोनीत करती है, जिसका गठन अधिसूचना स० पी० 8(9)/67 दिनांक 12-1-1973 तथा बाद में सम संख्या के संशोधित

धनबाद।

अधिसूचना तारीख 7-2-1974 में उल्लिखित है तथा कथित ग्रधि-सूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है:--

"क्रम संख्या-4—श्री एस० के० मुखर्जी, उप क्षेत्रीय प्रबधक मम्बलपुर उड़ीमा" **के स्थान पर** "क्रम संख्या-1-उप-क्षेत्रीय प्रबंधक, इब वैली सब एरिया, म्रोरियन्ट कोलियरी, पोस्ट ब्रजराज नगर, जिला सम्बलपुर, उड़ीसा" **प्रतिस्थापित किया जाए** । स्रार० पी० सिन्हा, कोयला खान कल्याण स्रायुक्त,

श्रम मंत्रालय श्रम ब्यूरो

शिमला, दिनाक 2 जनवरी 1976

सं० 23/3/75-सी० पी० म्राई०—-नवम्बर, 1975 में भ्रौद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकाक (श्राधार 1960-100) अक्तूबर, 1975 के स्तर से एक ग्रक घट कर 315 (तीन सौ पन्द्रह) रहा । नवम्बर, 1975 माह का सूचकाक 1949 स्राधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 383 (तीन सौ तेरासी) म्राता है।

के० के० भाटिया, निदेशक

## वाणिज्य मत्नालय

#### वस्त्र ग्रायुक्त कार्यालय

वम्बई-400020, दिनाक 9 दिसम्बर 1975

स० सी० ई० ग्रार०/6/75—सूती वस्त्र (नियत्रण) श्रादेण, 1948 के खड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रौर केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से, मैं एतद्द्वारा वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना स० टी० सी० (4)/58, दिनाक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित श्रितिरिक्त संशोधन करता हूं, श्रर्थात् :——

उक्त ग्रधिसूचना के सलग्न सारणी के स्तभ 2 मे, ऋ० स० 4 के सामने मद (28) के बाद निम्नलिखित प्रविष्टिया जोड़ दी जाएगी, प्रशीत:-

- ( 29) संयुक्त निदेशक, हाथकरघा, वस्त्र (प्रशासन), 'नागपुर'।
- (30) सयुक्त निदेशक, हाथकरधा, (टेक्नीकल), नागपुर।
- (31) क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथकरघा, वस्त्र निदेशालय, नागपुर ।
- ( 32) क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथकरघा, वस्त्र निदेशालय, बम्बई ।
- ( 33) क्षेत्रीय उप-निदेशक, हाथकरघा, वस्त्र निदेशालय, शोलापुर ।

शक्तिचलित करघा श्रौर सहकारी शक्तिचलित करघा श्रौर सहकारी वस्त्र शक्तिचलित करघा श्रौर सहकारी शक्तिचलित करघा श्रौर सहकारी शक्तिचलित करघा श्रौर सहकारी

गौरी शंकर भार्गव, सयुक्त वस्त्र स्नायुक्त

## बम्बई-400020, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

स० ई० एम० टी० 1-2(635) — वस्त्र श्रायुक्त, बुनकर सेवा केन्द्र बम्बई के श्रधीक्षक श्री विलयम परेग को 21 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से, श्रन्य श्रादेश होने तक, वस्त्र श्रायुक्त के बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय में सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान टेक्नीकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वीरेन्द्र बहादुर वर्मा, निदेशक

## पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली-1, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

स०प्र० 6/247(580)/67—भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-II की धातुकर्म शाखा से पदावनित होने पर श्री एस० के० पांडे ने दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1975 के श्रपराह्म से धातुकर्म निरीक्षणालय, जमशेदपुर मे उन निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) का पद भार छोड़ दिया तथा 1-11-1975 के पूर्वाह्म से उसी निरीक्षणालय मे राउरकेला मे सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) का पदभार संभाल लिया।

## दिनाक 12 दिसम्बर 1975

सं० ए-17011 (94) / 75-प्र०-6— महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्यालय में महायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री सबलेन्द्र दास को दिनाक 21-11-75 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक बर्नपुर निरीक्षण मंडल में सहायक निदेशक (धातु रसायन) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री दास ने 10-11-75 के श्रयराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के मुख्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनाक 21-11-75 (पूर्वाह्न ) में बर्नेपुर निरीक्षण मंडल में सहायक निदेशक (धातु रसायन) का पदभार संभाल लिया।

स०प्र०-6/247(220)—भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-II की वस्त्र शाखा में स्थायी उप निदेशक निरीक्षण ग्रौर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के ग्रधीन उत्तरी निरीक्षण मडल नई दिल्ली में भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-I में स्थानापन्न निरीक्षण निदेशाक श्री बी० पी० सेन गुष्त, दिनांक 30-11-75 के श्रपराह्न से निवर्तन ग्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

यूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) **कृ**ते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० 760 4 बी / 12 / 72 (एस० एस० डी०) / 19-ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक लागत-लेखा अधिकारी श्री सोहन लाल दूगर ने अपनी सेवाओं का कार्यभार, इस्तीके पर, 16 नवम्बर, 1973 के अपराह्म से त्याग दिया ।

> बी० के० एस० वरदन महानिदेशक

# भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 9 नवम्बर 1975

सं०ए०/19012(44)/71-स्था०-ए०—श्री एम० व्ही०-व्ही० पेरी शास्त्री, मिनीस्ट्री ग्राफ एनर्जी, कोयला विभाग से प्रत्यार्वीतत होने पर भारतीय खिन विभाग में 8 जुलाई, 1975 के पूर्वीह्न से खिनज ग्रिधिकारी (सांख्यिकी) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

#### दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० ए०/19011(68)/75-स्था०-ए--श्री एस०एल० राय, उप खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना), यूनाइटेड नेगन्स टेकनिकल असिस्टैन्टस रीकुटमेट सर्विमेस से प्रत्यार्वातत होने पर 23 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से उपखनिज अर्थशास्त्री (श्रासूचना) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिये।

ए० के० राघवाचारी वरिष्ठ प्रणासन प्रधिकारी **कृते** नियन्सक

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० सी०5029/594—श्री सुरेस्वर वोस, तकनीकी सहायक, मानचित्र चित्रोत्पादन (सलेक्शन ग्रेड), श्रेणी-III डिवीजन-1 सेवा, को सं० 102 (पी० एल० डो०) मुद्रण वर्ग (पू० स०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता मे सहायक प्रबन्धक, मानचित्र चित्रोत्पादन (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 14 नवम्बर, 1975 से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5030/718-ए--श्री एस० डी० करारिया, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षण का कार्यालय, को मानचित्र अभिलेख एवं निर्गम कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II) के पद पर थी वी० आए० पन्त स्थापना एवं लेखा अधिकारी जो सेवाकाल समाप्ति पर सेवा निवृत्त हो चुके हैं के स्थान पर

स्थानापन्न रूप में 840 रु० प्रतिमाह बेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 पूर्वाह्म से तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5031/718-ए—-श्री श्रार० एन० शर्मा स्थाना-पन्न श्रधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय को मानचित्र प्रकाशन कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून में स्थापना एवं लेखा-श्रधिकारी (सामान्य सेवा श्रेणी-II) के पद पर श्री एच० बनर्जी, स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी जो श्रवकाश पर चले गये हैं के स्थान पर स्थानापन्न रूप में 840 ४० प्रति माह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतन मान में श्रव्य-कालिक श्रवकाश रिक्ति पर दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

> हरी नारायण भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

# विज्ञान ग्रीर प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-700019, दिनांक 12 दिसम्बर 1975 स० 35-2/75-स्था०---विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री सुदर्शन मुखर्जी स्थायी क्षेत्र ग्रधिकारी को राष्ट्रीय एटलस सस्था मे वैज्ञानिक श्रधिकारी के पद पर दिनांक 10-12-75 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से पदोन्नति की जाती है।

> एस० पी० दासगुप्त निदेशक

सूचना श्रौर प्रसारण मलालय विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनाक 6 दिसम्बर 1975

स० ए० 19012-7-75-स्थापना-1—विज्ञापन ग्रौर दश्य प्रचार निदेशक बी० जी० कोच, यूनिट, मद्रास मे क्षतीय प्रदर्शनी श्रधिकारी, श्री एम० एस० शान्ताराम को इस निदेशालय मे 29 अक्तूबर, 1975 (पूर्वाह्म) से अगले श्रादेश होने तक सहायक मुद्रण प्रबन्धक के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सर्वथा तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते ह।

> रोशन लाल जैन उप निदेशक (प्रशासन) विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक की ग्रोर से

# त्राकाशवाणी महानिदेशालय नईदिल्ली, दिनांक 9दिसम्बर, 1975

सं० 4(9)/75-एस-एक- महानिदेशक , आक्राणवाणी एतद्दारा श्री जी० एस० हिरण्यप्पा को 30 श्रक्तूबर, 1975 से श्रग्नेतर आदेशों तक, आकाणवाणी बंगलौर में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादन के पद परनियुक्त करते हैं। शान्ति लाल

प्रशासन उप निदेशक कर्ने महानिदेशक नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० 2/12/75-एस० तीन—सहानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री डी० मुभेन्द्ररात्र, बरिष्ठ इजीनियरी सहायक, श्राकाशवाणी, परभाणी, को दूरदर्शन केन्द्र श्राकाशवाणी, बम्बई में 15 नवम्बर, 1975 से अग्रेतर श्रादेशों तक, तदर्थ श्राधार पर सहायक इजीनियरी के संवर्ग में स्थानापन्त रूप में कार्य करने को नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा प्रशासन उप निदेशक

नर्ड दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 4(115)/75-एस-एक---महानिदेशका, श्राकाशवाणी एतदद्द्वारा श्री डी० मी० कचारी को 15 प्रक्तूबर, 1975 से श्रग्रेतर श्रादेशों तक, श्राकाशवाणी गोहाटी में अस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> प्रेम कुमार मिन्हा प्रशासन उप निदेशक **कृते** महानिदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

स० 20/6(2)/75-सी० जी० एच०एस०-1—अपना त्याग-पस्न मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० विनोद कुमार, कनिष्ठ, चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) ने 29 अक्तूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से जी० डी० श्रो० ग्रेड 2 (कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

#### दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं०एफ० 9-33/75-सी० जी० एच० एम०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) ए० एम० जोशी को 27 अक्तूबर 1975 के पूर्वाह्म से श्रगामी श्रादेशों तक इस निदेशालय के श्रधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में पूर्णतया तदर्थ श्राधारपरश्रायुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

> के० वेणुगोपाल उप निदेशक, प्रशासन

## नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1975

सं० 11-3/74 एडिमन 1(भाग-2)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के श्रनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी श्रधिकारी श्री जी० पंचापकेसन को निम्नलिखित श्रविधयो के लिये केन्द्रीय सिचवालय सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं:—

- (1) 13 सितम्बर, 1975 पूर्वीह्न से 20 सितम्बर, 1975 भ्रपराह्न तक।
- (2) 25 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्म से 12 नवम्बर, 1975 श्रपराह्म तक।

2 राष्ट्रपति श्री जी० पंचापकेसन की इस निदेशालय में उपनिदेशक (प्रशासन) के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

> अगुरतीन सृरीन उप विदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

सं० 17-8/75-भंडाप-1—संप्रकारी सेवा से रिटायर होने पर चिकित्सा सामग्री भंडार संगठन के सहायक डिपो प्रबन्धक श्री एस० राजशेखरन ने 30-11-75 (ग्रपराह्न) को चिकित्सा सामग्री भन्डार डिपो बम्बई में उक्त पद का कार्यभाग्छोड़ दिया

> संगत सिंह उप निदेशक प्रणासन

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय (प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, एन० एच०-4, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

मं० फाइल 4-6(20)/74-प्रणा०-1----व्यापार मंत्रालय के स्रधीन पणजी में स्रायात स्रौर निर्यात नियन्त्रक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने परश्री ग्रार० पी० ढोडियाल, का दिनांक 4-5-75 के स्रपराह्म से इस निदेशालय में सहायक विषणन ग्रिधकारी, के ग्रपने पद से त्यागपत्र समझा जाय।

ई० एस० पार्थसारथी कृषि विपणन, सलाहकार

# परमाणु ऊर्जा विभाग

# तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र-401504, दिनांक 19 नवम्बर 1975

सं० टी०ए०पी०एस०/प्रशासन/634-III /1354--परमाणु कर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजली घर के मुख्य प्रधीक्षक, सर्वश्री हरिनाथ सिंह गौड़ श्रौर पी० के० चोपड़ा को 19 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेश तक के लिये तारापुर परमाणु विजलीघर में श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/ इंजीनियरग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

### दिनाक 27 नवम्बर 1975

सं० टी० ए० पी० पी०/ए० डी०एम०/735 ए-1364--परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य
प्रधीक्षक, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र के अस्थायी वरिष्ठ
प्राशुलिपिक श्री एस० ह्यम्बकनाथ को, उनकी तैनाती संवर्ग
प्राधिकरण द्वारा की जाने पर, 20 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्र
से श्रागामी श्रादेश तक के लिये तारापुर परमाणु बिजलीघर में
ग्रस्थायी रूप से सहायक कामिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाघवन मुख्य प्रशासन श्रधिकारी

# विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग (नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना)

बम्बई-400005, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1975

 श्री वाली नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना में प्रणासन प्रधिकारी-II के पद का कार्यभार श्रागामी श्रादेश तक संभाले रहेंगे।

# दिनांक 5 दिसम्बर 1975

सं० पी० पी० ई० डी०/3(236)/75 प्रशासन/13223-1362—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, प्रभाग के अस्थायी विज्ञान-सहायक 'बी' श्री ग्रार० श्रार० सावे को 1 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश तक के लिये उसी प्रभाग में ग्रस्थायी रूप से विज्ञान श्रिधकारी/इजीनियर-ग्रेड 'एस०बी'०', नियुक्त करते हैं।

सं० पी० पी० ई०डी०/3(236)/75-प्रशासन-13224-1363---विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतद्द्वारा इस प्रभाग के श्रस्थायी विज्ञान-सहायक 'सी' श्री एन० राजगोपाल राव को 1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक के लिये उसी प्रभाग में श्रस्थायी रूप से विज्ञान श्रिधिकारी/ इंजीनियर-ग्रेड 'एम० बी' नियुक्त करते हैं।

> एन० जी० पेरुलेकर प्रशासन श्रक्षिकारी कृते निदेशक

# (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं ० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री शुभान्कर दत्त को 19 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से लेकर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री दिलीप हरीपंत जोशी को 11 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से लेकर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थान (पन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

> एस० रंगनाथन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

# रिऐक्टर प्रनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० श्राण्ण श्राण्ण-सी-IJ-1(26)/72-24387-1353— रिणेक्टर श्रनुसधान केन्द्र के निदेशक केन्द्र के स्थानापन्न सहायक श्री पोरुथपक्कम वेणुगोपालाचारी सुन्दरराजन को श्रीणसण्याण्ण साम्बश्चिन, महायक प्रशासन श्रधिकारी जिन्हे वरिष्ठ श्राणुलिपिक के पद पर प्रत्यावतित कर दिया गया है, के स्थान पर 4 श्रक्तूबर, 1975 से 15 नवम्बर, 1975 तक की श्रवधि के लिये स्थाना-पन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर महायक प्रशासन श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

# पर्यटन श्रोर नागर विमानन मंत्रालय (भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० ई(1)05853—विधशालाश्रो के महानिदेशक मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री टी० वी० वैद्यानाथन को अब्रातालीस दिन की श्रवधि के लिये 28-10-1975 के पूर्वाह्म से 14-12-1975 तक स्थानापन्न रूप में महायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्रीटी० वी०वैद्यनाथन, मद्राम प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(1)05131—विधशालाश्रो के महानिदेशक मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एस० बी० सेशाद्री को तैंतीस दिन की श्रवधि के लिये 17-11-1975 के पूर्वीह्न से 29-12-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषक्ष नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्त महायक मौसम विशेषज्ञ,श्री सेशाद्री मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

#### दिनांक 15 दिसम्बर 1975

मं० ई(1)04267--विधणालाश्चों के महानिदेशक पूना के विधणालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री पी० के० ई० राजा को बासठ दिन की ग्रविध के लिये 17-11-1975 के पूर्वाह्न से 17-1-1976 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री राजा 17-11-75 के पूर्वाह्न सेपूना उपकरण केनिदेशक केकार्यालय मेंस्थाना-न्तरित करदिये गये हैं।

> एम० ग्रार० एन० मनियन मौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाश्रों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनाक 9 दिसम्बर 1975

स० ए०-31014/1/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० सरकार को 1 जनवरी, 1975 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक सचार सगठन में सहायक सचार प्रधिकारी केपद परस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

हरबस लाल कोहली उप-निदेशक (प्रशासन) क्रसे महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० ए०-32013/5/73-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने श्री एल० पी० सैमुश्रल, महायक तकनीकी श्रधिकारी, वैमानिक सचार स्टेशन, बम्बर्ष को 8-9-1975 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश होने तक तदर्थ ग्राधार पर तक्नीकी श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संवार स्टेशन, कल कत्ता में तैनान किया है।

विश्व विनोद जीहरी सहायक निदेशक (प्रशासन) इसे महानिदेशक नागर विमानन

नई बिल्ली, दिनाक 9 दिसम्बर 1975

सं० ए०-32013/2/74-ई० ए०---राष्ट्रपति ने श्री के० बी० पी० ग्रायंगर, विमानक्षेत्र अधिकारी को 24 नवम्बर, 1975 (अपराह्म) से तथा ग्रगले ग्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। श्री ग्रायंगर को मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास में तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक, (प्रणासन)

नई दिल्ली, दिनाक 9 दिसम्बर 1975

स० ए०-31013/4/75-ई० एच०---राष्ट्रपति ने श्री बी० एस० राव, स्थानापन्न उप-निदेशक, उडान कर्मीदल मानक, नागर विमानन विभाग को 27 ग्रगस्त, 1975 से उसी ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन सहायक निदेशक (प्रशासन)

### विदेश सचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

मं० 1/394/75-स्था०—-श्री कपूर सिंह गुलिश्रानी को 14 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक स्विचिंग काम्पलैक्स, बम्बई में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रभियन्ता नियक्त किया जाता है।

2-406 GI/75

स० 1/395/75-स्था०--श्री जसबीर सिंह सादना को 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेशो तक बम्बई शाखा में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रभियन्ता नियुक्त किया जाता है।

#### दिनाक 10 दिसम्बर 1975

सं ० 1/396/75-स्था०-श्री ए० ग्रार० सुन्नमोनिया ग्रय्यर को 24 नवस्त्रर, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रौर श्रागामी ग्रादेशो तक वस्वई शाखा में ग्रस्थायी रूप से सहायक ग्रभियन्ता नियुक्त किया जाता है।

म० 1/381/75-स्था०—श्री वाई० पी० माराभाई, स्थायी निरीक्षक, सी० ग्रार० पी० एफ० महानिदेशालय, नई दिल्ली को पहली दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशो तक प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर मुख्य कार्यालय, वम्बर्ड में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा ग्राधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले महानिदेशक

# बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1975

स० 1/246/75-स्था० - महानिदेशक, विदेश संचार सेवा ने श्री जी० बी० तिवारी, स्थायिवत् सहायक ग्रिभियन्ना, स्विचिग काम्पर्लवस, बम्बई का सरकारी सेवा से त्यागपत्र दिनांक 24 नवम्बर, 1975 के श्रपराह्म से स्थीकार कर लिया है ।

> पा० कि० गो० नायर उप-निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

# केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय (सीमाशुल्क सिब्बन्दी)

कलकत्ता, दिनाक 12 नवम्बर 1975

सं० 1/75---कस्टम हाउस, कलकत्ता के कार्यालय ग्रधिक्षक श्री रणजित सेन की पदोन्नति दिनाक 21-12-73 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न प्रशासन ग्रधिकारी के रूप में की गई है।

सं० 2/75— कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक श्रधिकारी ग्रेड-I श्री ए० बी० मुदालियर की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरी-क्षक के रूप में की गई हैं।

सं० 3/75—-कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक ग्रिधिकारी ग्रेड-1 श्री जी० ग्रार० सिन्हा की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरी-क्षक के रूप दी गई है।

स० 4/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक ग्रिधिकारी ग्रेड-] श्री ए० जी० जेवियर की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्म) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरी-क्षक के रूप में की गई हैं। सं० 5/75---कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक श्रिधकारी ग्रेंड-I श्री सी० वी० स्टफेंस की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्म)से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 6/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक श्रिधकारी ग्रेड-I श्री जे० टी० क्रेनेनवार्ग की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्म)से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरी-क्षक के रूप में की गई है।

सं० 7/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न मूल्य निरूपक श्री एन० सी० दत्ता की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्म)से कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 8/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक श्रधिकारी ग्रेड-1 श्री बि० सि० साहा की पदोक्षति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) में कस्टम हाउस, कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

स० 9/75—-कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक श्रिधिकारी ग्रेड-I श्री ई० टोप्पो की पदोन्निति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है ।

सं010/75--- कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक ग्रीधकारी ग्रेड-1 श्री पी० के० राय लस्कर की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्म) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है। सं० 1 1/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के नियारक श्रिधिकारी ग्रेड-I श्री डी० सी० राय की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के नियारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं ० 1 2/75 — कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक ग्रधिकारी ग्रेड- 1 श्री एन० एन० मन्डल की पदोन्नति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्म)से कस्टम हाउस, कलकत्ता से निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं 013/75——कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक श्रधिकारी ग्रेड-1 श्री एच 0 सी 0 मजुमदार की पदोक्षति दिनांक 8-11-74 (पूर्वाह्म) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं014/75—कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक ग्रिधकारी ग्रेड-I श्री डी० श्रार० बनर्जी की पदोन्नति दिनांक 23-12-74 (पूर्वाह्म)से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं०15/75—-कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक ग्रिधिकारी ग्रेड-I श्री एस० के० सेन की पदोन्नति दिनांक 28-1-75 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस, कलकत्ता के निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

> देवकी नन्दन लाल सीमा गुल्क समाहर्ता, कलकत्ता

# बंगलौर, दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 14/75— केन्द्रीय उत्पादन मुल्क के निम्नलिखित स्थायी श्रोर स्थानापन्न (प्रवरण ग्रेड) निरीक्षकों को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के समयमान स्थानापन्न श्रधीक्षक, श्रेणी II के रूप में पदोन्नत किया गया है श्रोर उनके नामों के सामने दिए गए कार्यालयों मे तैनात किया गया है :—

酒	» श्रधिकारी <del>का</del> नाम						कार्यालय जिसमें तैनात किए गया है	कार्यभार संभालने
सं	) 							की तिथि
	सर्वश्री							
1.	एन० डी० ठाकुर		-	•	•	-	बहुपदीय ग्रधिकरी रेंज, शिमोगा	4-8-75
2.	पी० एन० डण्डी	•		•		-	बहुपदीय स्रधिकारी रेंज-IX बंगलौर-1, प्रभाग	8-8-75
							<del></del>	

### दिनांक 15 श्रक्तूबर 1975

सं० 16/75—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षको को 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के समय-मान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, श्रेणी-II के रूप में पदोन्नत किया गया है। उन्होंने उनके नामों के सामने बताए गए कार्यालयों में प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी का कार्य भार संभाल लिया है:--

क∘ सं∘	श्रधिकारी का नाम	Γ					कार्यालय जहां तैनात किया गया	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2						3	4
	सर्वश्री म० के० रामचन्द्र				•		प्रशासन म्रधिकारी, समेकित प्रभागीय कार्यालय निपानी ।	- 0 2 73
2. र्स	ी० एल० श्रज्जैगोडा	•	•	·	•	•	प्रशासन भ्रधिकारी, समेकित प्रभागीय कार्यालय वंगलौर–II प्रभाग	14-8-75 भ्रपराह्र

1	2						3	4
- सर्व								
3.	के० एस० सूसैमनिकम्	•				•	सहायक मुख्य लेखा श्रधिकारी प्रधान कार्यालय, बगलौर।	13-8-75
4.	बी० भार० फ्टाटे	•	•	-			प्रणासन प्रधिकारी, समेकित प्रभागीय कार्यालय मगलौर, सीमाशुल्क प्रभाग ।	11-9-75
5.	वी० के० बागलवाडी		٠	٠	٠	٠	प्रशासन अधिकारी, समेकित प्रभागीय कार्यालय, मंगलौर, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क प्रभाग।	12-9-75

एस० वेकटराम भ्रय्यर समाहर्ता

# नारकोटिक्स विभाग

## ग्वालियर, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

सं० 36—-श्री एम० एस० बंसल, श्रासूचना श्रिष्ठकारी, नारकोटिक्स ग्रासूचना ब्यूरो, कार्यालय, भारत का नारकोटिक्स श्रायुक्त, ग्वालियर को 1 ग्रक्तूबर, 1974 से ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, ६० 1000.00 के चरण पर दक्षतारोध पार करने की श्रनुमति दी जाती है।

स० 37—श्री गोरख नाथ, श्रधीक्षक (कार्यपालक), गाजीपुर को 1 मई, 1975 से ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ६० 810.00 के चरणपर दक्षतारोध पार करने की श्रनुमति दी जाती है।

सं० 38—श्री एस० के० घोषाल, जिला अफीम श्रिधिकारी, नीमच-V प्रभाग को, 1 फरवरी, 1974 में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 के चरण पर दक्षतारोध पार करने की श्रनुमति दी जाती है।

> ग्रभिलाष शकर भारत का नारकोटिक्स श्रायुक्त

#### केन्द्रीय जल स्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

सं० क-19012/217/75-प्रणा०- 5—प्रपने मूल विभाग भर्थात् भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, लोदी रोड, नई दिल्ली में वापसी परावर्तन पर श्री जे० के० खन्ना ने दस नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय जल आयोग मे श्रतिरिक्त महायक निदेशक (जल-विज्ञान) के पद के कार्यभार का त्याग कर दिया है।

सं० क-19012/471/74-प्रशा०-5---इस प्रायोग की समसंख्यक श्रिध्स्चना दिनांक 26-8-75 के अनुश्रम में प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्डारा श्री एस० एल० ग्रहलूवालिया को जल ग्रीर विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में विशष प्रधिकारी (प्रलेखन) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 29-2-76 तक की आगामी अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से भरा जाएगा, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 12 दिसम्बर 1975

## शुद्धिपत्न

सं० क-19012/514/74-प्रशा०-5---इस प्रायोग की प्रधि-सूचना सं० क-19012/514/74-प्रशा०-5 दिनांक 23-7-75 में सूचित की गई तारीख 14-12-1974 के स्थान पर "10 बिसम्बर, 1794" रखी जाय।

> कें० पी० बीं० मेनन अवर सचिव इते भ्रष्यक्ष, केन्द्रीय जल भ्रायोग

# नई दिल्ली-22, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० क-19012/544/75-प्रशा०-5—संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा चयन किए जाने के परिणामस्वरूप श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्रपने प्रसाद से श्री उल्हास विश्वाधपुरांडारे को केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत् श्रनुसंघानशाला, पूना, केन्द्रीय जल श्रायोग में सहायक श्रनुसंघानशाला, पूना, केन्द्रीय जल श्रायोग में सहायक श्रनुसंघान श्रिधकारी (इजीनियरी सिविल) के पद पर 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200 रु० के वेतनमान में 15 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

श्री यू० बी० पुरांडारे उपर्युक्त तारीख तथा समय से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगे

> कें० पी० बी० मेनन भ्रवर सचिव केन्द्रीय जल भ्रायोग

# केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद-121001, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

मं० 3-374/75-सी० एच० (ई०)—संघ लोक सेवा भायोग की चयन के फलस्वरूप श्री के० वी० एस० सास्त्री को सहायक जल भू विज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के ग्रन्तर्गत ग्रस्थाई ग्राधार पर उनके मुख्यालय भोपाल के साथ दिनांक 10-11-75 (पूर्वाह्र) से ग्रगले ग्रादेश तक नियुक्त किया जाता है।

स० 3-412/75-सी० एच० (ई०)—श्वी जे० एन० राय को सहायक जल भूविज्ञानी वर्ग-II (राजपित्त) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० वी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई श्राधार पर उनके मुख्यालय नागपुर के साथ दिनाक 14-11-75 (पूर्वाह्न) से श्रगले आदेश तक नियक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख मुख्य जल भूविज्ञानी

## फरीदाबाद-121001, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

सं० 3-424/75-ईस्ट—श्री मन मोहन सिंह ढीलो को दिनांक 7-5-1973 (श्रपराह्म) में संग्रह श्रिधकारी वर्ग-II (राजपित्रत) के पद पर केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड नर्मदा प्रोजेक्ट में उनके मुख्यावास भोपाल के साथ वेतनमान 750-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के श्रन्तर्गत श्रस्थाई व तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है। किन्तु श्री मन मोहन सिंह ढीलो को सग्रह श्रिधकारी का वेतनमान जिस दिन से पद भार लिया है उसी दिन यानी 1-9-75 से मिलेगा।

देवता पाण्डेय श्रधीक्षक श्रभियन्ता

# प्रमुख इजीनियर कार्यालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 5/6/75-ई० सी०-I—-राष्ट्रपति, 1974 में हुई इजी-नियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के श्राधार पर निम्नलिखित उम्मीद-वारों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा, श्रेणी-I/केन्द्रीय विद्युत् इजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्य-पालक इजीनियरी (सिविल)/सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्) के श्रस्थायी पदों पर उनके नाम के श्रागे दी हुई तिथि से परिवीक्षाधीन नियुक्त करते हैं:——

केन्द्रीय इजीनियरी सेवा श्रेणी-I

#### सर्वश्री

••	
1. जगदीश चन्द्र वासन	19-11-75
2. सुशान्त बालिगा	2 0-1 1-7 5
3. लेखराज सिह	24-11-75
केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी	श्रेणी-I
1. म्रनिल कुमार जैन	20-11-75
	एस० एस० पी० राश्रो
	प्रशासन उप-निदेशक

# कम्पनी कार्यविभाग

रजिस्ट्रार श्राफ कम्पनीज का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के श्रधीन सूचना और मेसर्स मकसूदपुर रेफरिजेरेशन इडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में पटना-1, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

स० (425) लिक्यिडिशन/4613 — कम्पनी श्रर्जी सं० 2/1975 में पटना स्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 31-10-75 के श्रादेश द्वारा में मर्भ मकसूदपुर रेफरिजेरेशन इन्डस्ट्रीज प्रार्थिट लिमिटेड के परिसमापन का श्रादेश दिया गया है।

स० प्र० तायल कम्पनी निबंधक, बिहार पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स घी ईस्टर्न जालावाड मोटर ट्रासपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्रहमदाबाद, दिनाक 6 दिसम्बर 1975

सं० 560/648—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर मेसर्स घी ईस्टर्न जालावांड मोटर ट्रासपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रसिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा प्रमडल पजीयक, गुजरात राज्य श्रहमदाबाद

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956की धारा 445(2) के श्रधीन सूचना ग्रौर रायपुर मटल प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड, रायपुर के संबंध में

ग्वालियर-474001, दिनांक 9 दिसम्बर1975 स० 906/लिक्विडेणन/1863---कम्पनी श्रिधिनियम की धारा 445(2) के श्रन्तर्गत सूचित किया जाता है कि रायपुर मेंटल प्रोडकट्स प्राईवेट लिमिटेड, रायपुर को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के श्रादेश दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1975 के द्वारा परिसमापन करने का श्रादेश दिया है तथा शासकीय समापक इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियक्त किया है।

> महेश प्रसाद कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, खालियर

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 जेसवाल टूरिस्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

सं० 1281 टी(560)—कम्पनी श्रधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्क्रारा सूचना दी जाती है कि जेसवाल टूरिस्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> श्रोम प्रकाश जैन कम्पनी रजिस्ट्रार श्रोध प्रदेश, हैदराबाद।

# कम्पनी ग्रधिनियम 1913 ग्रीर नेशनल स्टील कारपोरेशन लि० (इन लिकी)

स० एल०/10898/डी-738---पतः नेश्नल स्टील कारपो रेणन लि० (इन लिकी) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय कलकत्ता मे है, का समापन किया जा रहा है।

भ्रोर यतः भ्रधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्तियुक्त हेतुक है कि कम्पनी के कामकाज का पूरी तौर से समापन कर दिया गया है, भ्रौर यह कि स्टेटमेट भ्राफ एकाउन्ट्स जो समापक द्वारा दिये जाने के लिए भ्रपेक्षित है, छह कमवर्ती मास के लिए नहीं दी गई है,

ग्रतः ग्रव कम्पनी ग्रिधिनियम, 1913 की धारा 247 की उपधारा (4) के उपवधों के प्रनुसरण में, एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारिख से तीन माम के ग्रवसान पर नेम्नल स्टील कारपोरेशन लिमिटेड (इन लिंकी) का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दिशत नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगी भीर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० एन० मौलिक कम्पनियो का सहायक रजिस्ट्रार

# कार्यालय ग्रायकर ग्रेपील ग्रधिकरण बम्बई-400020, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० एफ० 48-ए डी- (एटी) / 75-पी II---श्री एम० एम० प्रसाद, ग्रधीक्षक, श्रायकर श्रपील ग्रधिकरण, बम्बई, न्यायपीठ बम्बई जिन्हें तदर्थ ग्राधार पर श्रम्थायी क्षमता में श्रायकर अपील ग्रधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में सहायक रिजस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप से 30-9-1975 (ग्रपराह्न) तक कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की गयी थी (देखिये – कार्यालय की समसब्यक ग्रधिसूचना दिनांक 31 जुलाई, 1975) उन्हें उसी क्षमता में तदर्थ ग्राधार पर श्रायकर ग्रपील ग्रधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में महायक रिजस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप से श्रीर छह महीने के लिए ग्रर्थात् 1-10-1975 में 31-3-1976 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद होतु संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति की नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शी घतर हो, कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

हरनाम शंकर ग्रध्यक्ष

# प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

म्पर्जन रेंज III दिल्ली- 1

4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली।

दिनाक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस श्रारव III/जून/ 314(10)/75-76--- यत:, मुझे, एस० सी० परोजा षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है **भीर** जिस की सं० जायदाद नं० 15/2358 का 1/2 भाग है, जो चुना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 9-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रहत्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरको) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए

(क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण

लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः **प्रब** उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अज्ञीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राम नाथ ग्रान्नद, सुपुत्र श्री ठाकुर दास ग्रान्नद, 17, बाबर रोड़ नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरीन्दर सिंह, सुपुत्र श्री घेरा सिंह, 2657/8, चूना मण्डी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

(3) श्री प्रेम नाथ सूरजभान (2) श्री हरी किशन ग्राफ वधवा मैडिकल स्टोर (3) मै० पोल्सन ड्राई क्लीन (सभी निवासी 15/2358, चूना मण्डी, पहाड़गंज,

नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी मन्य व्यक्ति, द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त **ग्र**धिनियम के भ्रध्याय परिभाषित हैं, वही मर्च होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जायदाद नं ० 15/2358 का 1/2 भाग जोकि लेनहोल्ड प्लाट को भूमि पर बना हुन्ना है जिसका क्षेत्रफल 417 वर्ग गज है तथा जोकि चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं :

पूर्व: श्री परस राम तथा सुखा का मकान पश्चिम: राजगुरु रोड़ तथा चूना मण्डी उत्तरः श्री राम नाथ तथा भोला का मकान दक्षिण : जायदाद नं० 15/2358 का बाकी बचा भाग

> एस० सी० परोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मायुक्स (निरीक्षण)

तारीख: 17 दिसम्बर, 1975

मोहर:

मर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

प्रकप आई• टी• एन• एस•----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के प्रधीस सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

म्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, ग्रासफ भली रोड़, नई दिल्ली। दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निदश सं० आई० ए० सी०/एनयु०/II/2039/971/75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर ग्राधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- द० से भिष्ठक है और जिस की सं० 1853 पर तीन दूकाने हैं, जो बिस्सोमल कालोनी भागीरथ पैलेस, चादनी चौक, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 21-5-1975 को को पूर्णिकत सम्पत्ति के उचित

को पूर्शकत सम्पति के उचित

बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मून्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक इप से कथित नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए धा, ख्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के धर्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्थात्:--- (1) श्रीमती गिन्दो बाई, पक्ष्मी स्वर्गीय श्री विशम्बर नाण निवास 1808, बिस्सोमल कालौनी, भागीरण पैलस, चांदनी जौक, दिल्ली

(ब्रन्तरक)

(2) श्री सत्या पाल बन्सल, सुपुन्न श्री जगदीग राय, एडबोकेट, निवासी बी-15, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों को जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनुसूची

तीन दुकाने जो कि ग्राउन्ड फ्लोर पर बनी हुई है जिसका माईस ग्रन्दर की तरफ 28 फुट 10 इन्च बाई 25 फुट ग्रीर ऊंचाई 15 फुट है, मिनजुमले ग्रहाता जायदाद नं 1853 वाकय बिस्सोमल कालौनी, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, इलाका न 2 दिल्ली-6 जिसकी सीमाए इस प्रकार से हैं:—

पूर्व : वीवार मुशतारका व बाकी जायदाद विकेता
पश्चिम : दीवार मुशतारमा व दुकान श्रीमती कृष्णा कुमारी
छावडा

उत्तर : रास्ता भ्रामदोरफ्त मिलकीयत विक्रेता दक्षिण : दीवार मुरसारका व आयदाद विक्रेता

> एस० एन० एल० भ्रम्नवाल सक्षम प्राप्तिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज--2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

मोहर:--

है :---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली।

दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्वेश सं ० आई० ए० मी०/एक्यू ०/11/1962/972/75-76 ---यतः मझे, एस० एन० एस० श्रग्रवाल ग्रायकर ग्र**धिनियम 1961 (1961 का 43)** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, छह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है भ्रीर जिसकी सं ० 1853 पर तीन दुकाने हैं, जो बिस्सामल कालौनी, भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 9-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (भ्रन्तरको) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त

(क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर

ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के भनुसरण मे मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग की उपधारा (1) ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियो ग्रथीत्:~ (1) श्रीमती गिदो बाई, पत्नी स्वर्गीय श्री बिशाम्भर नाथ, निवासी 1808, बिस्सोमल कालौनी, भागीरथ पैलेस, वांदनी सौक, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यापाल व सल, सुपुत्र श्री जगदीश राय, एडबोर्केट निवासी बी-15, ग्रटर कैलाश-1, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क मे परि-भाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

तीन दुकाने जोकि ग्राउण्ड फ्लोर पर हैं जिसकी पैमाईश 29 फुट 9 इंच बाई 25 फुट और ऊचाई 15 फुट हैं, मिनजुमल ग्रहाता जायदाद न० 1853 वाकया बिस्सामल कालौनी, भागीरथ पलेस, चादनी चौक इलाका न० 2 दिल्ली-6 जिसकी सीमाए इस प्रकार हैं:——

पूर्व : दीवार भुशतरका व बाकी जायदाद विकेता पश्चिम : दीवार मुशतरका व बाकी जायदाद विकेता उत्तर : रास्ता ग्रामदोरफ्त मिलकीयत विकेता दक्षिण : दीवार मुशतरका व जायदाद विकेता

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज---2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 विसम्बर 1975

श्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, ग्रासफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली।

दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1915(973)/ 75-75--यतः, मुझे, एस० एन० एल० भ्रम्भवाल ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं ० दुकान नं ० 27 है, जो गोखले मार्किट, (सामने)तीस हजारी कोर्ट के, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रप्रैल 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ्र प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत् :-- (1) श्री हरबन्स लाल, सुपुत्र श्री लक्षम्मन दास, सी-3/17, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरदेवी, पत्नी एस० जगत सिंह कोहली, 5293, बसंत रोड़, पहाड़गंज, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं० 27 जोकि गोखले मार्किट, तीस हजारी के सामने, दिल्ली में बनी है, इसका क्षेत्रफल 563 वर्ग फुट हैं जिसमें 2/3 ग्राउण्ड फ्लोर पर तथा 1/3 पहली मंजिल है।

> एस एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज---2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 17 दिसम्बर 1975 मोहर:

3---406GI/75

किया गया है:---

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निर्देण सं० म्राई० ए० सीं०/एक्यु०/11/1920/974/75-76—यत:, मुझे, एस० एन० एल० प्रप्रवाल (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है म्रीर जिस की सं० 6161 (म्राउण्ड फ्लोर) है, जो पक्की गली, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है (मौर इससे उपाबद म्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन 18-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए श्रन्तिरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर
श्रन्तिरिती (श्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित
में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनयम' के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः--- (1) श्री हरनाम सिंह, मुपुत्र एस० सुन्दर मिंह, डी-131-ए/ 9, माडल टाउन, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम धारी श्रग्नवाल, सुपुत्र श्री जय लाल श्रग्नवाल, 3613, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली-6

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के ऋध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर जायदाद का नं० 6668-69 (पुराना) तथा 5 तथा 6161 (नया), वार्ड नं० 13 है तथा जोकि पक्की बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में फीहोल्ड प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 91 वर्ग गज है निम्न प्रकार से घिरा है:---

पूर्व : जायदाद न० 6160 पश्चिम : जायदाद नं० 6162 उत्तर : गली तथा स्नाम रास्ता दक्षिण : बहादूरगढ़ रोड़

> एस० एन० एल० भ्रग्नवाल, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-~2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 19 दिसम्बर 1975 मोहर : प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ज्ञायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज−2, दिल्ली**−**1 4/14ए, ग्रासफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1921(975)/ 75-76--यतः मझे, एस० एन० एन० ग्रग्रवाल, श्रिधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 2 6 9- घ के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 6161 (पहली मंजिल) है, जो पक्की गली, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 18-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर ग्रस्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धनया ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रन-सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों ग्रर्थात :---

- (1) हरनाम सिंह, सुपुत्र एम० इन्द्र सिंह, डी-13II19, माडल टाउन, दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री विषणु भगवान, सुपुत्र श्री रामधारी ग्रग्नवाल, 3613, बारा हिन्दू राव, दिल्ली-6

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी **ग्रवधि बाद में समा**प्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में **यथा-**परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जायदाद की पहली मंजिल जिसका नं० 6668-69 (पुराना) तथा 6161 वार्ड नं० 13 है तथा जोकि पक्की गली, बारा हिन्दु राव, दिल्ली में फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल वर्ग गज है सीमाएं तथा जिसकी निम्न प्रकार से हैं:--

पूर्व: जायदाद नं० 6160 पश्चिम: जायदाद नं० 6162 उत्तर: गली तथा श्राम रास्ता दक्षिण: बहादुरगढ़ रोड़

> एस० एन० एल० अप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 19 दिसम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज--2, दिल्ली-14/14-ए, म्रासफ म्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/316(976)/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० ए-7/54 है जो कृष्ण नगर, दिल्ली-5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, 15-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1)के श्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- (1) श्रीमती देवकी देवी मंगा, पत्नी श्री देवी दास मंगा, ए-7/54, लाल मकान, मैंन रोड़, क्रुष्णनगर, दिल्ली-5 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बिमला रानी, पत्नी श्री भ्रमर नाग, 160, तेलीवाड़ा, शाहदरा, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक बनी हुई जायदाद जिसका म्युनिसिपल नं० 11/284 (पुराना) तथा ए-7/54 (नया) है जोकि प्लाट नं० ए-7/54 के हिस्से पर बन हुई है भ्रोर क्षेत्रफल 66 1/2 वर्ग गज है तथा जोकि कृष्ण नगर, दिल्ली -51 में निम्न सीमाश्रों से घरा है:——

पूर्व : मैल लाल क्वाटर

पश्चिम : रोड़

उत्तर : जायदाद का बाकी भाग दक्षिण : जायदाद का बाकी भाग

> एस० एन० एल० श्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 दिसम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ध्रायक्षर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेज—2, दिल्ली—1
4/14ए, श्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली

दिनाक 7 दिसम्बर 1975

निर्देश स० म्राई० ए० स०/एक्यु०/ /350/977/75-76—यत, मुझे, एस० एन० एल० प्रप्रवाल मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-६० से प्रधिक है भौर जिसकी स०जी-30 है, जो राधेपुर, शाहदरा इलाका, दिल्ली-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध-अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस् करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरको) शौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 वा 11), या 'उक्त श्रधिनियम,' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गियान सिंह, सुपुत्र श्री खुणिया सिंह, एच-5/22, कृष्ण नगर, दिल्ली-5

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण, सुपुत्र श्री हरबस लाल, (2) श्री एव० ए० मेघजी, सुपुत्र श्री ए० एम० मेघजी, निवासी ए-7/22, कृष्ण नगर, दिल्ली-5

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियो में से किसी ब्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य ब्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्वष्टीकरण.--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ढोई मजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर बना हुआ है क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है (दक्षिणी भाग का क्षेत्रफल 200 वर्ग गज) तथा जोकि जी-40, राधेपुरी, खुरेजी खास गाव, शाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है ——

पूर्व घ्रन्य भूमि
पिष्चम रोड़ 20 फुट
उत्तर जो-40प्लाटकाभाग
दक्षिण. प्लाट न० जी-39

एस० एन० एल० अग्नयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज---2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

# प्ररूप आई० टी• एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड नई दिल्ली। तारीख 17 दिसम्बर 1975

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1953/978/75-76—यत, मुझे, एस० एन० एल० श्रुग्रवाल श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी स० 51 है, जो गन्दी गली, फतेहपुरी, दिल्ली-6 मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री पुरारे लाल कपूर, सुपुन्न श्री राम सारूप कपूर, 58, वैदवाडा स्ट्रीट, मेरठ राजधानी (यृ० पी०) (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नारेन्दर कुमार खुराना, तथा श्री चन्द्र मोहन खुराना, सुपुत्र श्री देस राज, निवासी 51, गन्दी गली, फतेहपुरी, दिल्ली-6 (श्रन्तरिती)
- (3) सदाना मोहन (2) दाऊ दयाल (3) नारीन्द्र खुराना (4) शान्ती स्वरूप बैजाल, निवासी 51, गन्दी गली फतेहपुरी, दिल्ली-6

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुर्माजला मकान जिसका म्युनिसिपल न० 51, वार्ड न० 3 है तथा जोकि गन्दी गली फतेहपुरी, दिल्ली में जिसका क्षेत्रफल 252 वर्ग गज है निम्न प्रकार से घिरा हैं:

पूर्व : लाला हर स्वरूप का मकान पश्चिम : लाला कुरे मल का मकान उत्तर : लाला चन्द स्वरूप का मकान दक्षिण . लाला मुझी लाल का मकान

> एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज--2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आग्य नर अधिनियम, 1961 (1961 का 43%) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, दिल्ली-। 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली तारीख 19 दिसम्बर 1975

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी० /एक्यु०/11/2053/979/ 75-76--यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' भहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिस की स० खसरा न० 159 है, जो धीरपुर गाव, संत निरंकारी कालीनी, दिल्ली-9 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रष्यति:—- (1) श्रीमती म्रवतार कौर, पत्नी एस० भ्रानन्द सिंह, डेफोरट गाव, पोस्ट भ्राफिस मडनोके, जिला भ्रमृतसर, (पंजाब)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बिशन सिंह, सुपुत्र श्री गुरबख्श सिंह, मकान नं० 99, संत निरंकारी कालौनी, दिल्ली-9

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जम के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ष्त स्थावर सम्पत्ति में हित, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जोिक खसरा नं 159 का भाग है तथा जोिक संत निरंकारी कालौनी, दिल्ली-9, धीरपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाओं से थिरा है :---

पूर्व : रोड़ 40' पश्चिम : रोड़ 10'

उत्तर: ग्रमर सिह की भूमि

दक्षिण: गली 10'

एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 19 दिसम्बर 1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  $rak{n} = rac{1}{n} = rac{1}{n} + rac{1}{n} = rac{1}{n} + rac{1}{n} = rac{1}{n} + rac{1}{n} = rac{1}{n} + rac{1}{n} = rac{1}{n} = rac{1}{n} + rac{1}{n} + rac{1}{n} = rac{1}{n} + rac{1}{n} + rac{1}{n} + rac{1}{n} = rac{1}{n} + rac{1}{n} +$ 

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1904/980/ 75-76--यतः मुझे, एस० एन० एल० श्रप्रवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० बी-181 है, जो दो मजलस पार्क, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :--- (1) श्री म्रोम प्रकाश सेठी, पत्नी श्री लाल चन्द सेठी, बी-206, मजलीस पार्क, दिल्ली-33

(भ्रन्तरकः)

(2)श्री मदन लाल श्रान्नद, सुपुत्र श्री माखन लाल, बी-181, मजलीस पार्क, दिल्ली-33

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निये जा मर्कों।

स्वस्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनु सूची

टेड मंजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है प्लाट नं० 181 ब्लाक नं० 'बी' खसरा नं० 6, है तथा जोकि भारोला गांव, मजलीस पार्क की श्रबादी, जी० टी० रोड़ पर, दिल्ली राज्य में निम्न सीमाश्रों से घरा हैं :——

पूर्व : जायदाद नं० बी-180 पश्चिम : जायदाद नं० बी-182

उत्तर : रोड़

दक्षिण : जायदाद नं ० बी-101

एस० एन० एस० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 19 दिसम्बर 1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 11/1946/981/75-76 यत:, मझे, एस० एन० एल० भ्रग्रवाल,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रौर जिस की सं 0 1322, 23 वार्ड न 0 13 है, जो फैंज गंज, बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उमत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निलिखित भ्यक्तियों, अर्थात् :——
4—406G1/75

(1) श्री कोटू मल, सुपुत्र श्री सुन्दर दास, 1321, फैंज गंज, बहादुरगढ़ रोड़, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर, पत्नी एस० तीर्थ सिह, 1322-23, फैंज गंज, बहादुरगढ़ रोड़, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

एक दुमंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 108 वर्ग गज है भौर नं 1322, 23 वार्ड नं 13, गली नं 3 नर बना हुम्रा है तथा जोकि फैज गंज, बहादुरगड़ रोड़, दिल्ली म निम्न प्रकार की सीमाभ्रों से घिरा हैं:--

पूर्व : ग्रन्य जायदाद

पश्चिम : मकान नं० 1324 उत्तर : मकान नं० 756

दक्षिण: दरवाजा

एस० एन० एल० भग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज---2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ख** 19 विसम्बर 1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायक र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, म्रासफ म्रली रोड़, नई विल्ली तारीख 23 दिसम्बर 1975

निर्देश स० भाई० ए० सी०/एक्यु०/11/1882/(997)/75-76—यत, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रिधिक है

श्रोर जिसकी स० प्लाट न० 38, ब्लाक न० 65 है, जो डब्स्यू ई० ए०, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रौर/या
- (ख) ऐगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिपीत्:— (1) श्रीमती गत पाल कौर, पत्नी सुन्दर सिंह, 2382/12, बीदनपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री रानी सहगल, पत्नी श्री के० के० सहगल 5-सी/73, रोहतक रोड, नई दिल्ली-5

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री एस० एम० सिह (2) बी० पी० रमण (3) बी० रामाचन्द्ररा (4) कौणल राय, सभी निवासी 38/65, डब्लू ई० ए०, रोहतक रोड, नई दिल्ली

(बह त्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की साीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक ढाई मजिल मकान जो किनारे के 273 वर्ग गज प्लाट पर बना है भ्रौर जिसका न ० 38, ब्लाक नं० 65, डब्लू ई० ए०, रोहतक रोड़, नई दिल्ली में हैं। यह मकान इस प्रकार स्थित हैं ——

पूर्व . रोड पश्चिम . सर्विस लेन उत्तर. रोड़ दक्षिण . जायदाद नं० 37

> एस० एन० एल० श्रमवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23 विसम्बर 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज----2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली, तारीख 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1995(996)/ 75-76---यतः, मुझे, एस० एन० एस० श्रयवाल, श्रायुक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 2187 वार्ड नं० 9 है, जो गली नलवाली, पहाड़ी भोजला, चीतली कबर, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (स्व) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्तलिखत व्यक्तियों, ग्रथीत्:——

- (1) श्री मोहम्मद इराफर (2) मोहम्मद गृहसन (3) मोहम्मद रिजवन तथा मोहम्मद इकबाल, सुपुत श्री हाजी मोहम्मद उस्मान, सभी निवासी मकान नं ० 9/2186, गली नलवाली, पहाड़ी भेजला, चीतली कबर, जामामस्जिद, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मुस्मात श्रजीस फातमा, पत्नी मोहम्मद श्रणफाक, निवासी 9/1608, श्रंधेरी गली, पहारी भेजला, चीतली कबर, दिल्ली (2) मोहम्मद यूमफ, सुपुत मोहम्मद याकूब, निवासी 9/2187, गली नलवाली, पहारी भेजला, जामामस्जिद, दिल्ली (3) मोहम्मद राफीक, सुपुत्र मोहम्मद मुनीर, निवासी 9/1608 श्रन्धेरा गली, पहारी भेजाला, चीतली कबर, जामामसीजद, दिल्ली (4) श्रहम्मद हीन कुरेशी, सुपुत्र श्री मोहम्मद हीन कूरेशी, निवासी 9/2801, पहारी भजला, चितली कबर, जामा मस्जिद, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपितयों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

एक दुमंजिला मकान जो फीहोल्ड 180 वर्ग गज प्लाट पर बना है। इसका म्युनिसिपल नं० 1321 (पुराना) 218,7 (नया); वार्ड नं० 9 नलवाली गली, पहाड़ी भोजला, चितली कबर, जामा मिस्जिद, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व : ग्रन्य जायदाद की दीवारें पश्चिम : ग्रन्य जायदाद की दीवारें उत्तर : ग्रन्य जायदाद की दीवारें

दक्षिण : दीवार

एस० एन० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23 विसम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज--2, दिल्ली-1

4/14-ए, श्रासफ भ्रमी रोड़, नई दिल्ली दिनाक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1943/995/75-76—यतः, मझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिस की सं० सी-5/20 का 1/2 भाग है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28-4-1975 को

पूर्जोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से श्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण सं हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- (1) श्री तिजोक सिंह, सुपुत्न श्री सरदार ईशर सिंह, ए-1, विशाल इन्कलेव, रजौरी गार्डन के सामने, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दाविन्द्र सिंह कोहली, सुपुत श्री सूरज सिंह कोहली, (2) श्रीमती सम्पूरण कौर, पत्नी एस० भाग सिंह, निवासी डी-10/5, माडल टाउन, दिल्ली(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्धाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 306 वर्ग गज है स्रौर नं० 20 ब्लाक 'सी-5' पर बना है जोकि माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पूर्व : जायदाद न० सी-5/21 पश्चिम : जायदाद नं० सी-5/19

उत्तर : जायदाद नं० वी-6/19 तथा सी-6/20

दक्षिण : रोड़

एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 23 दिसम्बर 1975 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1942/994/75-76—यत:, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, भ्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिष्ठक है भ्रार जिसकी सं० सी-5/20 का 1/2 भाग है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित हैं (भ्रार इममे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-4-1975

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित को धाजार के दृश्यमान प्रतिफल कम लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं म्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

मतः स्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः—

(1) श्री ईशार सिंह, ए-1, विशाल इन्कलेव, रजौरी गार्डन के सामने, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दाविन्द्र सिंह कोहली, सुपुत्र श्री सूरज सिंह कोहली, (2) श्रीमती सम्पूरण कौर, पत्नी एस० भाग सिंह, निवासी डी-10/5, माडल टाउन, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 306 वर्ग गज है और मं॰ 20 ब्लाक 'सी-5' पर बना है जौकि माडल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं :——

पूर्व : जायदाद नं० सी-5/21 पण्चिम : जायदाद नं० सी-5/19

उत्तर : जायदाद नं० बी-6/19 तथा सी-6/20

दक्षिण : रोड

एस० एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख:23 दिसम्बर 1975

# प्ररूप बाई० टी० एन० एस∙--

भायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रोंज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, भ्रासफ भ्राली रोड़, नई दिल्ली
दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1974/893/75-76--यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया पश्चात् 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिंचल बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हौज काजी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बजने में सुविधा के लिए; भीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्नतः अस, समत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिविनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ( 1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ (2) श्री किशोर कुमार (3) ग्रशोक कुमार (4) ग्रनूप कुमार नाबालिंग सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ, इनके पिता श्री ग्रमर नाथ द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ती नगर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
  - (2) श्रीमती प्रभा, पत्नी श्री किणन चंद सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार सीताराम, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट, जिसका क्षेत्रफल 627 वर्गगज है मुन्यसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: भ्रजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पिष्चम : ग्रन्थ जायदाद उत्तर : ग्रन्थ जायदाद दक्षिण : फाटक नमक

> एम०ं एन० एल० प्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23 विसम्बर 1975

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरोंज-2, दिल्ली-1

> 4/14-ए, ग्रासफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1973/992/75-76---यत:, मुझे, एस० एन० एल० श्रप्रवाल, श्रधिनियम, 1961 (1961 昭 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000 (- ६० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है जो हौज काजी, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-4-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्त म्रधिनियम' की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत

- (1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ (2) श्री किणोर कुमार (3) प्रशोक कुमार (4) ग्रनूप कुमार नावालिंग सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ, इनके पिता श्री श्रमर नाथ द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ती नगर, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री किशन सोमानी, सुपुत्र श्री मदन लाल सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार सीता राम, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के भ्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है। अनुसुकी

हुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोिक प्लाट, जिसका क्षेत्र-फल 627 वर्ग गज है मुन्यसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881 2884 तथा 2885) है पर बना हुन्ना है तथा जोिक मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं :——

पूर्व: प्रजमेरी गेट को मुख्य सड़क

पश्चिम : ग्रन्य जायवाव उत्तर : ग्रन्य जायदाद दक्षिण : फाटक नमक

> एस० एन० एल० ध्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

सारीख: 23 दिसम्बर 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यु०/11/1955/991/75-76---यतः, मुझ, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, 1961 (1961 ग्रायकर ग्रधिनियम, (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की **धारा 269-घ के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह** विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है **ग्रौ**र जिस की सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हौज काजी, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 30-4-1975 को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दृश्यमान ग्रन्तरित स्मिए है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति क्षाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे काउचित प्रतिशत से प्रधिक पन्द्रह प्रतिफल द श्यमान और मन्तरिती मन्तरक (भ्रन्तरकों) प्रौर (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के श्रधीन कर देने के श्रम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्राब, उबत अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:-- (1) श्री विनोद कुमार, पुत्र श्री ग्रमर नाथ (2) श्री किशोर कुमार (3) ग्रशोक कुमार (4) श्रनूप कुमार, नाबालिंग सुपुत्र श्री श्रमर नाथ, इनके पिता श्री ग्रमर नाथ के द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ती नगर, दिल्ली

(म्रन्तरक)

(2) श्री म्रनिल कुमार, उर्फ छोटे लाल सुपुत्र श्री किशन सोमानी, 3274, लाल दरबाजा, बाजारसीताराम , दिल्ली-6

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रपल 627 वर्ग गज है म्युनिसिपल न० 4899 से 4904 (नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना हुम्रा है तथा जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न से सिथत हैं :—

पूर्वः प्रजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : श्रन्थ जायदाद उत्तर : श्रन्थ जायदाद दक्षिण : फाटक नमक

एम० एन० एल० स्रभ्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज--1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23 दिसम्बर 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅम रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, श्रासफ ग्रली रोड़, नई विल्ली नई विल्ली, तारीख 23-12-75

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एन्यु०/11/1954/990/75-76---यत., मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

म्रायकर मिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिर्मिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से मधिक है

सौर जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हौज काजी, दिल्ली में स्थित हैं (फ्रीर इससे उपाधन प्रमुख्ती में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन, दिनांक 30-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उपत अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उपत श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भर्षीतः— 5-406 GI/75

- (1) श्री विनोद कुमार, पूल श्री ग्रमर नाथ (2) श्री किणोर कुमार (3) ग्रशोक कुमार, (4) ग्रन्प कुमार, नाबालिंग सुपूल श्री ग्रमर नाथ, इनके पिता श्री ग्रमर नाथ, निवासी 19/2-श्री, शक्ती नगर, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री मिनल कुमार, उर्फ छोटे लाल सुपूत श्री श्री किशन सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बजार सीता राम, दिल्ली-6

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है म्युनिसिपल नं 4899 से 4904 (नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है सथा जोकि मुख्य बाजार, हीज काजी, दिल्ली में निम्न से स्थित है :—

पूर्व: प्रजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : भ्रन्य जायदाद उत्तर : भ्रन्य जायदाद दक्षिण : फाटक नमक

> एस० एन० एल० श्र**ग्रवा**ल सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज---1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख ्23 दिसम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० ए**१० एस०----**

श्रायमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायंकर <mark>ग्रायुक्</mark>त (निरीक्षण)

श्रर्जन रैंज 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली, नारीक 23-12-1975

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1958/989/75-76—यतः, मुसे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन संक्षम अधिकारी को यह विश्वांस करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिस की सं० 4899 से 490 का 1/12 भाग है, जो हीज काजी, बिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण हप से वर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिक्ति के पन्द्रह प्रतिकृत से प्रविक्त है ग्रीर अन्तर्भ (प्रतिकृते) भ्रीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तम्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तर्भ लिए तम्पाया गया प्रतिफल, क्य से क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त ऑग्रिनियम', के अधीन कर देमें के असिरिक के दायित्व में किमी करने या उससे बिचेन में मुर्विधा के पिनए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी बन या जन्य आंस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्क अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियो गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की 'उपियारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अवितः—

- (1) श्री विनोष कुनार, पुत्र श्री अरमर नाथ (2) किशोर कुमार (3) अशोक कुमार (4) अनूप कुमार, नावालिंग सुपुत्र श्री अमर नाथ, इनके पिता श्री अमरनाथ के इंग्रा, निवासी 19/2-बी, अन्सी नगर, दिस्सी (अन्तरक)
- (2) होम लता, पत्नी श्री राम श्रीतर सोमानी, 3274, नाल देंपवाजा, बाजाए सीना शंभ, दिल्ली-6 (श्रन्तरिती)

को यह मूर्चना जारी करके प्योंकन सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपाल में प्रकाशन की सारीजा के 45 दिल की अवधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचमा को ताफील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समें के हीती हों, के बीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस नूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के में 45 दिन के कींग्र उक्त स्वाकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी, अधीत्रस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा संकेंगे।

भिक्तिकरण: --- देसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20का में प्रका-वरिक्षावित हैं, वही अबै हीगा, जो उस अध्याव की दिया गया है।

# अनुसूचा

दुर्मी जाँग नकान का 1/12 भाग जीकि ध्साट पर जिसका के सफल 627 पर्ग गज हैं भ्यूंगिसिपेल नं० 4899 से 4904 (नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बनी हुझा है तथा जीकि मुख्य बाजार, होज कांजी, दिल्ली में निम्न प्रकार मीमाओ ने बिरा, दुझा है:---

पूर्व : पंजमेरी गेंट की मुख्य सड़क

पश्चिम : श्रम्य जायदाद उत्तर : भ्रम्य जायदाद दक्षिण : फाटक नमक

> एस० एन० एस० आवास संक्षम प्राधिकारी बहायक आयकर श्राप्तुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज---1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

सारीखाः ४७ **विसम्बर**ा १७७५

# प्रकार काई : की : हम : एस :---

श्रायकर **प्रक्रि**नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) ने ग्र**धी**न सूचना

भागत सम्कार

सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

ग्रजन रेज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, बासक धली रोड़, तई दिस्ली। नई दिस्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश स० प्राई० ए० सी०/एमयु /11/1949/988/75-76---मतः, मुक्के, एस० एन० एस० प्रश्नकाल.

श्रायकर श्राधिमित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रक्षमात् 'उन्त भित्रमित्रम' कहा गमा है), की धारा 260-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्म 25,000/- कि से श्राधक है भीर जिस की संव 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हीज काजी, दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायक श्रमुक्ची में पूर्ण स्थ से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 30-4-1975 को

- को पूर्वोक्स झम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्यरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत स्थिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितयों) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरस्ण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:——
  - (क) प्रन्तरण से हुई किसी झाम की बाम्रत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन झार देने के भान्तरक के दायित्व में कभी करने या उसले जाकने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुतिधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उन्त अधिनयम को धारा 269-ग क ग्रनुसरण मे, मे, उन्त धिधिनयम को धारा 269-ख की उपग्रारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् ——

- (1) श्री विनोद्ध कुक्षार, पुत्र श्री अमर नाथ (2) किशोर कुमार (3) अशोक कुभार (4) अनूप कुमार, नावालिम मुमुल श्री असर नाथ, इनके पिता श्री असर नाथ के द्वारा, निवासी 19/2-की, शक्ती नगर, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री राम श्रवतार सोमानी, पृत्व श्री मदन लाल सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार मीता राम, दिल्ली-6 (श्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिमा शुरू करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, खो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकह किमी श्रन्म व्यक्ति द्वारा, श्रिप्रोहस्ताकरी के पाम लिखित में किए जा मकीं।

स्पद्धीक्रण---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

हुमंजिला मकान वा 1/12 भाग जोकि प्लाट पर जिसका क्षेत्रफल 727 वर्ग गज हैं म्युनिसिपल ने० 4899 से 4504(नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बनी हुमा है तथा जोकि मुख्य बाजार, ह्यांज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाखों से चित्र हुआ हैं: ---

पूर्व: अजमेरी गेट की मखा सब्द पश्चिम: श्रन्य जामदाद उत्तर: श्च-य जामदाद दक्षिण: फाटक नमक

> 0,4० एन० एल० **ग्रग्नवाल** सक्षम प्राधिकारी भहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज—-1/2, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीखाः 23 विसम्बरः 1975 कोष्टरः प्ररूप भाई० टो० एन० एस०----

श्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

> > 4/14-ए, ग्रासफ ग्रली रोड़, नई विल्ली। नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निदम सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1917/(987)/ 75-76---यतः, मुझे, एस० एन० एस० अग्रवाल, भ्रायकर श्रधिनियम (1961 43) 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो होज काजी, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का के ग्रधीन, दिनांक 16-4-1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) **ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण** के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रव 'उक्त श्रविनियम' की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रविनियम', की घारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत:---

- (1) श्री विनोद कुमार, सुपुक्ष श्री ग्रमर नाथ (2) किशोर लाल (3) ग्रम्रोक कुमार (4) श्रनूप कुमार नावालिग पुत्र श्री ग्रमर नाथ, इनके पिता श्री ग्रमर नाथ के द्वारा, निवासी 19/2बी, शक्ती नगर, दिस्ली (ग्रम्सरक)
- (2)श्री श्रोम प्रकाश सोमानी, सुपुत श्री मदन लाल सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बजार सीताराम, दिल्ली-6 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकेंगे।
- ैस्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यदा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुर्माजला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है स्युनिसिपल नं० 4899 से 4904(नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना हुमा है तथा जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाश्रों से घिरा है:---

पूर्व: अजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिम : श्रन्य जायदाद उत्तर : श्रन्य जायदाद दक्षिण : फाटक नमक

> एस० एन० एल० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 23 दिसम्बर 1975 मोहर: प्ररूप आई०टी०एन० एस०--

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-**1 4/14-ए, श्रासफ ग्रली रोड़, नई दिल्ली नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यु०/11/1916/986/75-76---यतः, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल,

मायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है न्नौर जिस की सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हौज काजी, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रिजस्टीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 16-4-1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृध्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में थास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उमत अधीन देन अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम धचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अ**धिनियम, 19**57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अ**घ, उक्त प्रधिनियम** की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ (2) किशोरी लाल (3) प्रशोक कुमार (4) प्रनूप कुमार नाबालिग पुत्र श्री ग्रमर नाथ, इनके पिता श्री ग्रमर नाथं के ब्रारा, निवासी 10/2-बी, गक्ती नगर, दिल्ली (भ्रन्तरक)
  - (2) श्रीमती तारा देवी, पत्नी श्री श्रोम प्रकार सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बजार सीता राम, दिल्ली-6 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ≁इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है म्युनिसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ। है तथा जोकि मुख्य बाजार, हौज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाग्रों से घिरा हैं:—

पूर्व: श्रजमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिमः श्रन्य जायदाद उत्तर: अन्य जायदाद दक्षिण: फाटक नमक

> एस० एन० एल० अप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23 दिसम्बर 1975

प्ररूप माई०टी ०एन ०एस०--

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 23 विसम्बर 1975

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यु०/11/1911/985/75-76-यतः, मुझे, एस० एन० एल० प्रयंताल चिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के घंघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो होज काजी, दिल्ली, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रिक्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 14-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के लिए ग्रम्सरित की गई हैग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफस का पनद्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (भ्रन्तरितयो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, श्रीर/या
- (म्ब) एसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव उक्त भिधितियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भिधितियम की धारा 269-घ भी लपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित स्पक्तियों अर्थात:——

- (1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ (2) किशोर कुमार (3) ग्रशोक कुमार (4) श्री ग्रनूप कुमार, नाबालिंग सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ, उनके पिता श्री ग्रमर नाथ द्वारा, निवासी 19/2-बी, शक्ती नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पुरशोतम दास सोमानी, सुपुत्र श्री महन साल सोमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार सीता राम, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ्म सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताकारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुमजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट, जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है मुन्यसिपल नं० 4899 से 4904 (नया 2881 2884 तथा 2885) है पर बना हुआ है तथा जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: अअमेरी गेट की मुख्य सड़क

पश्चिन : श्रन्य जायदाद उत्तर : श्रन्य जायदाद दक्षिण: फाटक नमक

> एम० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्रयधकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

**सारीख**: 23 दिसम्बर 1975

मोहरः

प्रस्प भाई० टी० एन० एम०---

भागकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रावकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, भ्रासफ भ्रली रोड़, नई दिल्ली
नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1910/984/75-76---थतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की '26<del>9'व के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का</del> कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ र० से प्रधिक है **भौर जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हो**ज काजी, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, विनोक 14-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक स्म से भिषत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत 'उसत प्रधिनियम,' के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य लास्तियों को, अन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत :----

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री ग्रमर नाय (2) किशोरी कुमार (3) श्रशोक कुमार (4) श्री श्रनूप कुमार, नाआलिंग सुपूत्र श्री श्रमर नाय उनके पिता के द्वारा, निवासी 19-2/बी, शकती नगर, दिस्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुद रानी, परनी श्री पुरशोतम दास सोमानी, 3274, लाल दरजाजा, जाजार सीसा राम, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में श्रकाशन की तहसील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितलद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रक्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अग्निनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुर्गजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट जिसका क्षेत्रफल 627 वर्ग गज है म्युनिसिपल नं० 4899 से 9404(नया 2881, 2884 तथा 2885) है पर बना है सथा जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्व : ब्राजभेरी भेट की मुख्य सहक

पश्चिम : श्रन्थ नायवाद उत्तर : श्रम्थ जायवाद दक्षिण : फाटक नमक

> एस० एन० एल० भ्रम्नवाल प्रक्रम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

्तारीख: 23 दिसम्बर 1,975

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269- घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, दिल्ली-1 4/14-ए, ब्रासफ ब्रली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 23-12-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी ०/एक्यु ०/11/1894/(983)/ 75-76---यतः, मुझे, एस० एन० एल० अप्रवाल श्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का**रण है कि स्थावर** सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है स्रौर जिसकी सं० 4899 से 4904 का 1/12 भाग है, जो हौज काजी, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावश ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक 7-4-1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर यह कि भन्तरक

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर

(ब्रन्तरकों) धौर ब्रन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त

ग्रन्तरण वि<mark>खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं</mark> किया गया है:--

(स) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए।

अत: अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 व की उपघारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री भमर नाथ (2) किशोरी कुमार (3) ग्रशोक कुमार (4) ग्रनूप कुमार, सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ द्वारा ग्रमर नाथ 19-2/बी, शक्ती नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती सोमानी, पत्नी श्री मदन लाल सीमानी, 3274, लाल दरवाजा, बाजार सीताराम, दिल्ली-6

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्वों ग्रौर पदों का, ग्रधिनियम. के श्रध्याय 2 0-क परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुर्माजला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट जिसका क्षेत्र-फल 627 वर्ग गज है जो मयुनिसिपल नं 04899 से 4904 (नमा 2881 2884 तथा 2885) है पर बना है तथा जोकि मुख्य बाजार, होज काजी, दिल्ली में निम्म प्रकार से स्थित है :--

पूर्व: प्रजमेरी गेट की मुख्य रोड़

पश्चिम: प्रन्य जायदाद उत्तर: ग्रन्य जायदाद दक्षिण: फाटक नमक

> एस० एन० एल० भ्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23 दिसम्बर, 1975

मोहर.

प्ररूप---आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली- 1 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1893/982/75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से श्रिधिक है भौर जिम की सं० 4899 से 4904 है, जो हाउज काजी, दिल्ली में न्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 7-4-1975

के उचिप्त पूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित दुश्यमान यह विश्वास करने का श्रौर मुझे कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भौर धन्तरक (धन्तरकों) श्रौर प्रतिशत से प्रधिक है। **प्र**न्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या श्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रधिनियम', या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मुँ, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— 6—496GI/75 (1) र्रश्री विनोद कुमार, सुपुत्र श्री धमर नाथ (2) किशोर कुमार (3) ध्रशोक कुमार (4) श्रिन्प कुमार, सुपुत्र हैं श्री ग्रमर नाथ द्वारा श्रमरनाथ 19-2/बी, शक्ती नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल किशन सोमानी, भुपुत्र श्री मदन लाल सोमानी 3275, लाल दरवाजा, बाजार सीता राम, दिल्ली-6 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों भौर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृची

दुमंजिला मकान का 1/12 भाग जोकि प्लाट जिसका क्षित्रफल 627 वर्ग गज हैं, मुयुन्यसिपल न ० 4899 से 4904 (नया 2881 2884 तथा 2885) है पर बना है तथा जो कि मुख्य बाजार, हाउस काजी, दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाश्रो से घिरा हैं:--

पूर्व: अप्रजमेरी गेट को मुख्य रोड

पश्चिम : भ्रन्य जायदाद उत्तर: भ्रन्य जायदाद दक्षिण : फाटक नमक

> एस० एन० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ता**रीख** 23 दिसम्बर 1975 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन [सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन-रेंज 3, दिल्ली-1
4/14-ए० श्रासफ श्रली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निर्देश स० ग्राई० ए० मी०/एक्यु० 3/एस० ग्रार० 3/जून/308(4) /75-76---यत:, मुझे, एस० सी० परीजा, प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

भ्रौर जिस की सं० 7 विघा 12 विस्था है, जो गांव छत्त रपुर, नई दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रिधिनयम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए ।

धतः; अब उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निक्षित व्यक्तियों ग्रिधीत् :— (1) ब्रिगेडियर श्रार० ग्रार० सूरी पुत्त स्व० श्री एम० डी० सूरी श्रौर श्रीमती राधा सूरी पत्नी ब्रि० श्रार० श्रार० सूरी श्रौर पुत्री श्री तिलोवन दास बेदी दोनों निवासी बी-81 डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० नाहर थियेटरस् प्रा० लि० 9 कर्जन रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के अध्याय 20-क म यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सभी भूमिदारी तथा मालिकाना श्रधिकारों सहित जमीन खसरा नं ० 1339/2, (3 विघा 18 विश्वास ग्रौर 1338/1/2 ग्रौर 1338/2/2 (3 वीघा 14 विश्वा) कुल क्षेत्रफल 7 विघा 12 विश्वा जो कि एक छोटे से कमरे तथा वारवेड सहित है जो कि गाव छत्तरपुर दिल्ली तथा जमीन पर एक कुशां-जिसमें एक 5 हार्स पावर की बिजली की मोटर लगी हुई है ग्रौर एक पम्पिग सेट चालू हालत में भी है।

एस० सी० परीजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख:22 दिसम्बर 1975

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली-1
4/14-ए, श्रामफश्रली रोड, नई दिल्ली-1
नई दिल्ली-1, तारीख 22 दिसम्बर 1975

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु० 3/एस० श्रार० 3/जुलाई/348(II)/75-76—यत:, मुझे, एस० सी० परीजा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रौर जिस की सं० प्लाट नं० 24 है, जो श्री फोर्ट रोड, मस्जिद मौठ-नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत्:—

- (1) श्री डी० ग्रार० गुप्ता पुत्र श्री बलवन्त राये निवासी एन-155 पंचशील पार्क, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) सिगल दीवान प्रोपर्टोस (प्रा०) लि० 11, कम्युनिटि सेन्टर, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

लोज होल्ड प्लाट क्षेस्रफल 400 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी मस्जिद मौठ के इलाके में हैं तथा जिसका प्लाट नं० 24 जो कि निम्न प्रकार से घिरा हैं:—-

पूर्व: मैन रोड

पश्चिम : प्लाट नं० 25

उत्तर : डी० डी० ए० के फ्लेट्स भ्रौर सर्विस लेन

दक्षिणः गांव शाहपुर

एस० सी० परीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 22 दिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज 3, दिल्ली-1
4/14ए श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, तारीख 22 दिसम्बर 1975

निर्वेश स० प्राई० ए० सी०/एक्यु० 3/एस० प्रांर० 3/जून/309/(5)/75-76---यत., मुझे, एस० सी० परीजा प्रायकर प्रिव्रित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उनत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक हैं भ्रौर जिसकी स० ७ वीघा 12 विश्वा हैं, जो गाव छत्तरपुर दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वीणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त द्यधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—

(1) श्री जे० जे० सिह पुत्र श्री जबन्द सिह द्वारा उसके अर्टानी जर्नेल श्रीमती गीता जसवीर सिह निवासी बी-85 डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० नाहर थियेटरस प्रा'० लि० 9 कर्जन रोड, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदो को, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 2 0-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमु सुची

सभी भूमिदारो श्रौर मालिकाना श्रिधकारो सिंहत जमीन खसरा नं० 1332/2, 1602/1, 1602/2/2, 1603/3/2, 1602/4/2 जो कि खसरा नं० 1338/1 श्रौर 1338/2 जिसका क्षेत्रफल 7 विघा 12 विश्वा है जो कि गाव छत्तरपुर नई दिल्ली में हैं।

एस० सी० परीजा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 22 दिसम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज धारवाड़ का कार्यालय

तारीख 19-12-1975

निर्देश सं ० ९ 1/ ७ ५-७ ५/एक्यू ० — यतः, मुझे, पी ० सत्यना रायण राव श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की

धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रिधिक हैं

ग्रौर जिसकी ग्रार० एस० सं० 249/1 है, जो ग्रथणी तालूक के मदभावी ग्राम में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रन्सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रथणी डाक्युमेंट सं० 76 के अन्तर्गत 15-4-1975 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से धधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रशीत:---

- (1) श्री केशव बालकृष्ण कुलकणी (2 श्री शशिकान्त बालकृष्ण कुलकर्णी (3) श्री बालकृष्ण केशव-राव कुलकर्णी, मदभांबी, श्रथणी तालूक (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सत्तेष्पा रायष्पा मगद्रम, मदभांवी, ग्रथणी ताल्क, बेलगांव जिला (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके. पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

#### अनुपूची

श्रार० एस० सं० 249/1 में से 4 एकड़ 16 गुंठा खेती जमीन जो ग्रथणी तालुक के मदभांबी ग्राम में स्थित है।

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, धारवाष्ट्र

तारीख: 19-12-1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, धारवाड

धारवाड, तारीख 19 दिसम्बर 1975

निर्देश स० 92/75-76/एक्यू०---यत , मुझे पी० सत्य-नारायण राव, **प्रायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्रधिक है बाजार भूल्य 25,000/- रु० से भ्रौर जिस की सं० श्रार० एस० स० 249/1 है, जो भदभावी ग्राम, भ्रथणी ताल्क मे स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अथणी डाक्यमेट स० 77 के भ्रन्तर्गत 15-4-1975 के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबर्त, 'उक्त श्रीधिनयम', के अधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

ग्रतः अब 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो ग्राणीतु:—

- (1) श्री केशव बालकृष्ण कुलकर्णी
  - (2) श्री शशिकान्त बालकृष्ण कुलकर्णी
  - (3) श्री बालकृष्ण केशवराय कुलकर्णी, मदभावी, श्रयणी तालूक (अन्तरक)
- (2) श्री केंदारी उर्फ तम्मण्णा रायप्पा, मगदुम, मदभावी, श्रथणी तालूक बेलगाव जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रोर पदो का, जो 'उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रार० एस० स० 249/1 में से 4 एकड़े खेती जमीन जो भ्रथणी तालूक के मदभावी ग्राम में स्थित है।

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज धारवाङ्

तारीख 19-12-1975 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड, तारीख 19 दिसम्बर 1975

निर्देश स० 93/75-76/एक्यु०--यत , मझे, पी० सत्य-नारायण राव, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है ग्रौर जिसकी स० ग्राई० एस० 249/1 है, जो ग्रथणी तालूक के मदभांवी ग्राम में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रथणी डाक्युमेट स० 78 के ग्रन्तर्गत 15-4-1975 के दिन रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर यह कि अन्तरक (भन्तरको) भौर अन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तिगों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: भ्रव, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपभारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :--

- (1) श्री केशव बालकृष्ण कुलकर्णी
  - (2) श्री शशिकान्त बालकृष्ण कुलकर्णी
  - (3) श्री बालकृष्ण केशवराव कुलकर्णी, मदभावी, श्रथणी तालूक

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री रत्नप्पा रायप्पा, मगदुम, मदभावी, श्रथणी तालूक बेलगाव जिला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मर्जेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रश्रायों 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

म्रार० एस० स० 249/1 में से 4 एकड खेती जमीन जो मदभावी ग्राम में श्रथणी तालूक में स्थित हैं।

> पी० सत्यनारायण राव मक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेज, धारवाड़

तारीख 19-12-1975 मोहर:

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, धारवाड कार्यालय

धारवाड, तारीख 19-12-1975

निर्देश सं० 94/75-76/एक्यू०—यत, मुझे, पी० सत्यनारायण राव,

प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से प्रधिक है और जिस की स० सी० स० स० 1083बी है, जो बालवेकर गली, हुबली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली डाक्युमेट सं० 303 के श्रन्तर्गत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिय रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति

विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वाक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त श्रिविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, भर्यात्ः—

- (1) श्री प्रभुदयाल कालू राम शरमा,
- (2) श्री महेश प्रभुदयाल शरमा,
- (3) श्री वीजय प्रभुदयाल गरमा, (4)श्री श्रजय,
- (5) श्री सजय पी० शरमा न० 4 श्रौर 5 एम/जी नं० 1

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेण सातप्पा खोदानपूर, हत्तीकाल साल, हुबली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:— इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उस्त
अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

# अमुसूची

पुराना मकान भ्रौर खुल्ला जागा सि० स० स० 1083-बी मे, वार्ड न० 2, वाडवेकर गल्ली, हुवली में स्थित है। सीमाएें

पूर्व में सि० स० स० 1084 + 85/ए-बी पिष्वम में . सि० स० स० 1083 ग उत्तर में : रोड दक्षिण में सि० स० स० 1083 ए

> पी० सत्यनारायण राव मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेज, धारवाड

तारीख 19-12-1975 मोहर

धारवाड़ तारीख 19-12-1975

निदश सं० 95/75-76/एक्यू०---यतः, मुझे, पी० सत्यनारायण राव. **धायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धार। 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सि० स० सं० 2404, 2405, 2406 और 2403 अ है, जो स्टेशन रोड, हुबली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद स्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूपमे वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हबली डाक्यमेंट सं० 296 के प्रन्तर्गत में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उमत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्यट नहीं विया गया था या किया जामा चाटिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रधीत :----

(1) श्री गोवींदनायक गुरूनायनाथक कलधटगी, ल्यांड लार्ड, दुर्गदबैल, हबली

(भ्रन्तरक)

(2) कर्नाटक श्रग्नीकलचरल् फौन्डेशन सोसाइटी, हुबली, सेक्टेटरी श्री बालकृष्ण एन० कटारे, विश्वेशर नगय, हुबली-22 के जरिये

(ग्रन्तरिती)

(3) मैंस० वेस्ट पेटेंट पेस्स को० (लि०), हुबली (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्हीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

वार्ड सं०	सि० स० सं०	वर्गयार्ड
1	2404	144
1	2405	32
1	2406	39
1	2403 A	19485 7/9

इन में से 18,740 वर्ग थार्ड क्षेत्र जो स्टेशन रोड़, हुबली में स्थित हैं।

> पी० सत्यनारायण राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 19-12-1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, 54 रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, तारीख 22-12-1975

निवेश सं० 303/एक्ररे-III/75-76/कलकशा-⊢श्रतः मुझे, एल० के० बालसूत्रमनियन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 413 है तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रालिपुर, 24 परगणा मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-5-1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—~

- (1) श्रीमती (1) ग्रनिमा गुह मजूमदार (2) बैदय नाथ गुह मजूमदार 413, श्यामा प्रमाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता (ग्रन्तरंक)
- (2) श्री श्यामल कुमार गुह मजुमदार 413, श्यामा प्रणाद मुखार्जी रोड कलकत्ता (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पड्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

करीब 1 कट्ठा 12 घटांक जमीन साथ उस पर बनाया दो तल्ला मकान जो 413, श्यामाप्रसाद मुखर्जी रोड, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ग्रौर जो डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, ग्रालिपुर, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल स० 3972/ 1975 का ग्रनुसार है।

> एल० के० बालसुक्तमिनयन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III 54, रभी श्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

तारीख : 22-12-1975

मोहर '

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई-1

बम्बई, तारीख 9-12-1975

निर्देश सं० थ्राई-1/1160·1/श्रक्रैल/75—√75—-श्रतः, मुझे क्ही श्रार० श्रमीन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० सी० एस० न० 695 फोर्ट है, जो होर्न बे रोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ६५ से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- (1) एच० एच० सुलतान ग्रावड बिन सालेह ग्रोकेटी सुलतान ग्रीर मुकल्ला (श्रन्तरक)
- (2) भ्रब्दुल रशीद सुलेमान उमर (भ्रन्तिरती)
- (3) किराएदार (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में होनं बे रोड़ बम्बई में स्थित परती ग्रीर सावधिक लगान (क्विट ग्रीर ग्राउंड रेंट टेन्युग्नर) की जमीन का तमाम भाग तथा उस पर बनी गृहवाटिकाओं रिहाइशी, या ग्रावासीय मकान सिहत जो कि माप में 349 वर्गगज तथा एक वर्गगज के 920 हिस्सों में से पांच हिस्से हैं या उसके समकक्ष हैं तथा जो भ्राजस्व समाहत्ता (कलक्टर) की नई सं० 5115 तथा नई सर्वेक्षण सं० 8929 के ग्रधीन पंजीकृत हैं, जिसकी फोर्ड डिवीजन की केंड्रेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 695 हैं तथा जिसका निर्धारण म्युनिसिपल दर ग्रीर कर एस्सेसर एवं कलक्टर ने 'ए' वार्ड स० एस 1369 (2) ग्रीर 1429-स्ट्रीट स० 323--325 के ग्रधीन किया है तथा इस प्रकार से घिरा हुमा है कि उत्तर में ग्रथवा उत्तर की ग्रोर एच० ई० बोड़े की प्रापर्टी हैं, दक्षिण में ग्रथवा दक्षिण की ग्रोर सुलेमान हाजी ग्रहमद उमर की प्रापर्टी हैं, पिचन में ग्रथवा पिचन की ग्रोर होने वे रोड़ हैं तथा पूर्व में ग्रथवा पृर्व की ग्रोर सोरावजी मास्टर की ग्रापर्टी हैं।

व्ही ग्रार० श्रमीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई-1

तारीख: 9 दिसम्बर 1975

27-5-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-III, 54 रकी म्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता, तारीख 22-12-1975

निदेश सं० 304/भ्र० रे०-III/75-76/कलकता---भ्रतः

मुहो, एल० के० बालासुन्न मण्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से अधिक है भीर जिस की स० 7/1ए है तथा जो मेंड भीले गार्डन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-

करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

म्रतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निस्तित व्यक्तियों, प्रथीत्:—-

(1) मैसर्स प्राप्टम प्रोडक्टस लि०, 87/8, कोलंपी रोड़, कानपुर, उ०प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गायली देवी झुनझुनवाला (2) सावित्री देवी झुनझुनवाला 7/1 ए, मैंडभीले ग्रार्डन, कलकत्ता । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाशित हैं, वही भ्रषे होगा, जो उस श्रध्याय मे विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 क० 9 छ० 25 वर्गफीट है जिसके साथ एक झंशत वो तल्ला और झंशत तीन तल्ला इमारत है जो 7/1ए, मैंडभीले गार्डन, कलकत्ता, पर स्थित है। दलील सं०—3084 ता० 27-5-75।

एल० के० बालासुब्रमण्यम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 22-12-1975

प्ररूप आई०टी० एन० एस०---

श्रायकर भिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजेन रेंज 60161 एरंडवना, कर्वे रोड पूना-411004

पूना-411004, तारीख 20 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए/5/अप्रैल/75 हवेली II/258/75-76— यतः, मुझे, एच० एस० औलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधितयम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है प्रौर जिसकी सं० सर्वे कमाक 84/2 कतकर रोड, पूना-4 है तथा जो केतकर रोड पूना-4 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना)में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5-4-1975 को

तारीख 5-4-1975 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /ण
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उन्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री ए० व्ही० पाटकर (2) श्री एस० व्ही पाटक 4 गुलिस्तान ल्किह्म लैंड रोड, वरली बम्बई-25 (अन्तरक)
- (2) श्री त्रिदल को-म्रॉपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड चेयरमेन—श्री ए० व्ही० पटवर्धन 118/2/ए केतकर रोड, पूना-4 (ग्रन्तरिती)
- (3) 1. श्री ए० व्ही० पाटकर
  2. श्री एस० व्ही० पाटकर 4 गुलिस्तान ल्किह्व
  लैंड रोड, वरली, बंबई-25
  (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फी होल्ड बगले के साथ प्लाट म्रार० एस० कमांक 118/2/ए० सर्वे कमाक 84/2 केतकर रोड, पूना-4 प्लाट का क्षेत्रफल---9177 वर्ग फीट ग्राउण्ड फ्लोर---1200 वर्ग फीट ग्राउण्ड फ्लोर---1200 वर्ग फीट 1957 में बंधी हुई

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 597 श्रप्रैल 1975 में सब रजिस्ट्रार हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है)

> एच० एस० भ्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-12-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 22 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 217/म्रर्जन/हरीद्वार/75-76/2296---म्रतः, मझे, विजय भागवा,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार हैं तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हरिद्वार मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धारीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रांची :-- (1) श्री गिरीश कुमार पुत्न श्री सुन्दर लाल मुख्तारभ्राम श्री विजय कुमार पुत्न श्री सुन्दर लाल निवासी चौकसा, जिला शाहजहांपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लीला सन्स चैरिटेबल ट्रस्ट श्री गंगानगर द्वारा श्री जगदीश प्रसाद लीला, ट्रस्टी उक्त ट्रस्ट मुपुत्र श्री स्व० लक्ष्मी चन्द निवासी श्री गंगानगर राजस्थान (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदो का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

अवल सम्पत्ति 1/4 भाग एक मकान राज भवन पश्चिम मुहाना जो भीम गोडा रोड हरीद्वार में स्थित है, 17,500 रू० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख । 22-12-1975 मोहर: प्ररूप श्राई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 218/म्रर्जन/ह्रीबार/75-76/2297——म्रतः मुझे, विजय भार्गवा,

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

स्रौर जिस की सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरीद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाए वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ध्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत :--- (1) श्री गिरीण कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल मुखबार श्राम श्रीमती विद्यावती बेवा श्री मुन्दर लाल निवासी चौकसा, शाहजहांनपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लीला सन्स चैरिटेबल ट्रस्ट श्री गंगा नगर द्वारा श्री जगदीश प्रसाद लीला, ट्रस्टी उक्त ट्रस्ट सुपुन्न श्री लक्ष्मी चन्द निवासी श्री गंगा नगर राजस्थान (श्रन्तरिती)

को यह सूघना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओ भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्डीकरण:—इसमें प्रमुक्त सब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### ं अनुसूची

म्रजल सम्पत्ति 1/4 भाग एक मकान राजभवन पश्चिम मुहाना जो भीम गोडा रोड, हरीद्वार में स्थित है 17,500 रु० मूस्य में हस्तान्तरित किया गया है ।

विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-12-1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपर, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 219/श्रर्जन/हरीद्वार/75-76/2298—-श्रतः मुझे, विजय भागव,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं श्रमुसूची के श्रमुमार है तथा जो श्रमुसूची के श्रमुमार में स्थित है (और इससे उपावड श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हरी द्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-4-1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: श्रब उक्त श्रांधनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :-- (1) श्रो गिरीण कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल ग्रग्रवाल निवासी चौकसा, शाहजहांपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लीला मन्स चैरिटेबल ट्रस्ट श्री गंगानगर द्वारा श्री जगदीश प्रसाद लीला ट्रस्टी उक्त ट्रस्ट सुपुत्न स्व०श्री लक्ष्मी चन्द निवामी श्री गंगानगर, राजस्थान । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रवल सम्पत्ति 1/4 भाग एक मकान राजभवन पिष्वम मुहाना जो भीम गोडा रोड़, हरीद्वार में स्थित है, 17500 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-12-1975

# प्रकप• म्राई• टी• एन० एस०—

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-ज(1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, तारीख 22 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 220/म्रर्जन/हरोद्वार/75-76/2299—म्प्रतः, मुझे, विजय भागेन,

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जनत श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हरीद्वार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रभीतः— 8—406GI/75

- (1) श्री गिरीण कुमार पुल श्री सुन्दर लाल मुख्तार ग्राम श्री राज कुमार पुल श्री सुन्दर लाल निवासी **चौ**कसा गाहजहापुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री लीला सन्स चैरिटेबल ट्रस्ट श्री गगानगर द्वारा श्री जगदीश प्रसाद लीला ट्रस्टी उक्त ट्रस्ट सुपुन्न श्री लक्ष्मी चन्द, निवासी श्री गगानगर राजस्थान । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई की ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी खारें 45 दिन की श्रवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिशाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्रजल सम्पत्ति 1/4 भाग एक मकान राज भवन पश्चिम मुहाना जो भीम गोडा रोड़, हरीद्वार में स्थित है, 17,500 रू० मुल्य में इस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भागंव ृैनक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, कानपुर

नारीख: 22-12-1975

प्ररूप श्रार्थ० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 6-12-1975

निदेश सं० 101 एस/प्रर्जन---प्रतः, मझे, बिशम्भर नाथ, श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०से भ्रधिक है श्रीर जिस की स० मकान नं० 34 है तथा जो नजरबाग, लखनऊ में स्थित है ( श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-1975/17-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर श्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

- (1) श्रीमती पुष्पा वती सहगल
- (2) श्रीमती रोना रानी जैन (श्रन्तरिनी)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रथे होगा, जो उम शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किया मकान नं० 34 जो कि नजर बाग, लखनऊ में स्थित हैं।

> विशम्भर नाय, सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 6-12-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 100-एस/ग्रर्जन--ग्रतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, ग्रधिनियम 1961 (1961 का श्रायकर इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी स० 709 एम है तथा जो ग्राम बरीराय जि० नैनीताल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय काशीपुर रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-6-75 सम्पत्ति के उचित बाजार कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री कृष्ण लाल

(भ्रंतरक)

(2) श्री सूरज प्रकाश ग्रौर ग्रन्थ

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभः जित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 709-एम जिसका क्षेत्रफल 25 बीघा 4 बिस्वा हैं। जो कि ग्राम बरीराय तह० गदर पुर जिला नैनीताल में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 4-12-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रंज, लखनऊ

सबनऊ, दिनाक 12 दिसम्बर 1975

निदेश न० 43—पी/प्रजंन—पत, मुझे, बिशम्भर नाथ, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की स० 782 है तथा जो ग्राम महोला जिला मुरादाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकर्रा प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है औं मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और मन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः असे उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अज्ञीन निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) श्री मन्

(ग्रंतरक)

(2) श्री पूरन सिह व ग्रन्य

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि नं० 782 जिसका क्षेत्रफल 5.57 एकड़ है जो ग्राम मझोला जिला मुरादाबाद में स्थित है।

> विणम्भर नाथ सक्षम म्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

तारी**ख** 12-12-1975 मोहर: प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

निवेश सं० 101 एस/स्रार्जन—स्रतः मुझे, बिशम्बर नाथ, स्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से श्रधिक है स्रोर जिस की सं० खसरा नं० 16 व भ्रन्य है तथा जो ग्राम हसनपुर रेनी जिला बिजनौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणे रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय धामपुर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 4-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अग्निक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: भवं उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त मिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :— (1) श्री शिवराज सिंह व अन्य

(ग्रंतरक)

(2) श्री गौनिहाल सिंह

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 16, 19, व 20 जो ग्राम हसतपुर रैनी तह० धामपुर जिला बिजनौर में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रश्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 11-12-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 11 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 67-एम०/एक्यू०--प्रतः, मुझे, विशम्भर नाथ, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रीर जिम की स० खसरा न० 17 व श्रन्य है तथा जो ग्राम हसनपुर रैनी जिला बिजनौर में स्थित है (ग्रीर इमसे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धामपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, तारीख 4-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) ग्रीर अन्तरिती
(श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिबक
रूप से कथित नही किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

पतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रर्थात् :—

() श्री शिव राज सिह व ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सरदार मेहर सिह

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्हाकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

क्कृषि भूमि खमरा न० 17, 19 व 20 जो ग्राम हमलपुर रैनी तहसील ——धामपुर जिला——बिजनौर मे स्थित हैं।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज, लखनऊ

तारीख: 11-12-1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 66—एम०/ग्रर्जन—श्रतः, मुझे, विशम्भर नाथ, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 711 एम है तथा जो ग्राम बरीराय जि० नैनीताल में स्थित है (भ्रौर दिससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशिपुर में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से ग्रिधक है और यह कि धन्तरक (ध्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम', के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रमीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:-

(1) श्री कृष्ण लाल

(अन्तरक)

(2) श्री मुंशी राम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिये एतव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसंसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 711-एम जिसका क्षत्रफल 25 बीधा 1 बिस्वा है। जो कि ग्राम वरीराय तह० गदरपुर जि० ननीताल में स्थित है।

> विगम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4-12-1975

प्रकप आई॰ टी० एन० एस०-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन, रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 4 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 66—एम/ग्रर्जन—ग्रतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से शिक्षक है

श्रौर जिस की सं० 711—एम हैं तथा जो ग्राम बरीराय बि० नैनीताल में स्थित हैं (श्रौर इस से उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाजित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय काशीपुर में राजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीतः —— (1) श्री कृष्ण लाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुन्गी राम

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उश्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी **ब** से 45 दिन के भीतर, उक्त स्भावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पध्दीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भ्र**नुसूची**

कृषि भूमि जिस का रकबा 25 बीघा 1 बिस्वा है। खसरा नं० 711--एम जो कि मोगा बरीराय तह्० गदरपुर जि० नैनीताल में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु<del>क्</del>त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4-12-75

प्ररूप आई० टी० एन● एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 30सी--जे/एक्यू०--प्रतः मुझे , बिशम्भर नाथ, म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्ष्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से श्रधिक है और जिसकी सं० 1194 व श्रन्य है तथा जो भदाजिकजा जिला पीलीभीत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीस्लुपूर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-6-1975 पूर्वोक्त सम्पति का उचित काजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास सम्पत्ति करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) **धौ**र भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्ः— 9—406GI/75 (1) श्रीमती गुरुदीप कौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जिसतेन्द्र सिंह व प्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध मे कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम,' के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्दाजकजा पोस्ट बिलमन्डा जिला पीली भीत में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 30 बी-जे/एक्यू०--ग्रतः मुझे बिम्शभर नाथ आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी स० 1194 व ग्रन्य है तथा जो ग्राम भवजिकजा जिला पीलीभीत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बीसकपुर में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या प्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उम्त भ्रिधिनियम', या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: म्रज उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:— (1) श्री रेशम सिह

(श्रन्तरक)

(2) श्री जिसतेन्द्र सिंह व धन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अन् सूची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्दाजकजा पोस्ट विलसन्डा जिला पीली-भीत में स्थित हैं।

> विशम्भर नाथ मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, लखनऊ

तारीख: 3-12-1975

प्ररूप० माई० टी० एत० एस०----

भायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 दिसम्बर 1975

निदेश न० 30 ए--जे/एक्४०---श्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पत्रचात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० से मधिक है भौर जिसकी स० 1194 व श्रन्य है तथा जो ग्राम भर्दाजकजा जिला पीलीभीत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में राजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27-6-1975 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरको) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया हैः---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय के बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के धायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मै, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत :--- (1) श्री सरजीत सिंह

(मन्तरक)

(2) श्री जिसतेन्द्र सिंह व ग्रन्य

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता शुरू हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोह्स्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्दाजकजा पोस्ट विलसन्डा जिला पीली-भीत में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 3-12-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 12 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 18--एच/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, विशम्भर नाथ म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह बिश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिस की सं० एम-8 है तथा जो गोल मार्केट, महानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-7-75 को पूर्वोद्यत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई 🖁 और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पृथोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने- में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, 'उन्त अधिनियम', की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत:— (1) श्री पीतम्बर लाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हुसैन ग्रहमद ग्रब्बासी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमे प्रयुक्त भाव्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 545/480 जो प्लाट नं० एम-8 पर बना हुन्ना है, जो गोल मार्केट महानगर, लखनऊ में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-12-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 4 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 17-एच/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/- रुपए से अधिक हैं श्रौर जिस की सं० 709-एम हैं जो ग्राम बरीराय जिं० नैनीताल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-6-1975 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अहेश्य से उक्त अग्रारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रामीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) श्री कृष्ण लाल

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री हन्स राज भीर भन्य
- (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता शुरु हुं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 709-एम जिसका क्षेत्रफल 25 बीघा 4 बिस्या है। जो कि ग्राम बरीराय तह० गदर पुर जि० नैनीताल में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4-12-1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 6 दिसम्बर 1975

निर्वेश सं० 25-जी/ग्रर्जन--- ग्रतः, मुझे बिशम्भर नाथ ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिस की सं० 6-डी है तथा जो पीलीभीत रोड़ जि० बरेली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10-6-1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित खाजार मूल्य से कम के

- दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे
  यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
  उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
  प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों)
  शौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए
  तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
  लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त भिक्षितयम, के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
  - (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: ग्रब उमत श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :— (1) श्री पी० कृष्णमृति

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राज्जु राम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक किता मकान नं० 6-की जो पीलीभीत रोंड़ जि० बरेली में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 6-12-1975

(भ्रन्तरिती)

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 4 विसम्बर 1975

निर्देश नं० 54-बी/प्रर्जन--प्रतः मुझे, विशम्भर नाथ म्रायकर मधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-२० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 47 है तथा जो टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 13-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (भ्रम्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया आनाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रतः मन 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं 'उन्त ग्रिधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :---

- (1) श्री प्राण नाथ कौल व श्रन्य (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कु० भूपेन्द्र सिंह व ग्रन्य

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्वत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 🖁 ।

### अनुसूची

एक किता मकान नं० 47 जिसका क्षेत्रफल 1612 वर्ग गज है। जो कि टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4-12-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस० ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के सम्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 53 सी-की एक्यू०--श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भीर जिस की सं० 1194 व अन्य है तथा जो ग्राम भर्वगकजा जिला पीलीभीत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, तारीख 20-6-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) मीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः— (1) श्री मुखजेन्दर कौर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलविन्दर सिंह व ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करक्षा हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्वगकजा पोस्ट बिलसन्द्रा जिला पीलीभीत में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3-12-1975

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 53 बी-बी/एक्यू०---ध्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ प्रायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- ६० से श्रिधिक है तथा तथा जो ग्राम भवंगकजा

म्रार जिसका स० 1194 व म्रन्य ह तथा तथा जा ग्राम भवगकजा जिला पीलीभीत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता म्रिधकारी के कार्यालय बीसलपुर में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन तारीख 27-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त प्रिमित्यम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

10---406GI/75

(1) श्री मुरजीत सिंह

(श्रम्तरक)

(2) श्री बलविन्दर सिंह व श्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किमी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम भर्वेगकजा पोस्ट बिलसन्डा जिला पीली-भीत में स्थित है।

> बिश्वम्भर नाथ सक्षम **ग्रीधका**री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3-12-1975

**भायकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की **धा**रा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्षेश नं० 5 3ए-बी/एक्यू०—-ग्रनः मुझे बिशम्भर नाथ ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है भीर जिसकी सं० 1194 व ग्रन्थ है तथा जो ग्राम भवंगकजा जिला पीलीभीत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 27-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः थ्रव, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मैं, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन मैं निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :--- (1) थी रौनक सिंह

ॄं(श्रन्तरक)

(2) श्री बलविन्दर मिह व प्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राअपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में विया गया है।

## अनुसुची

कृषिभूमि जो ग्राम भर्वगकजा पोस्ट बिलसन्डा जिला पीलीभीत में स्थित है ।

बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख :, 3~12-1975

WKI 111--010. 1]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०~~

भ्रायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 12 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 56 ए/एक्यू०—श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिष्ठिक है

भ्रौर जिसकी सं० डी-31/81 ए व भ्रन्य है तथा जो मदनपुरा, वाराणसी में स्थित है (भ्रौर इससे उपावड भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 11-6-1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों श्रथीत्:--

- (1) श्री हाजी ग्रब्दुल गफ्फार व ग्रन्थ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हाफिज ग्रब्सुल कबीर व ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० डी-31/81 ए तथा 31/81 की जो मदनपुरा, वाराणसी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायु**क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, लखनऊ

तारोख: 12-12-1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घाषीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 55ए/ग्रर्जन--- प्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ भ्रायकर भ्रम्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सिक्षम ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूरुय 25,000/- रु० से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० बी-8/14 है तथा जो बारागम्भीर सिंह भेलूपुर वार्ड वाराणसी में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 सितम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्सरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इत्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य ग्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाचा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए।

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

(1) श्रीमती ग्राशा रानी सूर ग्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मञ्जूल रशीद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक किता मकान मय भूमि न० बी-8/14 जो कि मोहल्ला बारा गम्भीर सिंह, भेलूपुर वार्ड जिला बाराणसी में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 11 दिसम्बर 1975

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० -

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 72-एम/म्रर्जन--ग्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, भ्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 191 है तथा जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मोहम्मदी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 16-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमाम प्रतिकल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है भ्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

₹ :---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :-- (1) श्री जगीर सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती महेन्द्र कौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग जो कि ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20-12-1975

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारस सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 1-एफ/प्रर्जन--प्रत मुझे विशम्भर नाथ, ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), धारा 269-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है न्नीर जिसकी स० 191 है तथा जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित हैं (भ्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोहम्मदी में राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 17-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव उक्तं ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :— (1) श्री जगीर सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री फतेह सिह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबग्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग जो कि ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 20-12-1975

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 57-ए/प्रार्जन--- प्रत मुझे, बिशम्भर नाथ ब्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्राधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से मधिक है भ्रौर जिसकी स० 191 है तथा जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपूर खीरी में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबब ग्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोहम्मदी मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 17 जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्सरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय<sup>्</sup>की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधाके लिए ; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें मारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए।

म्रधिनियम की धारा 269-ग श्रब उक्त के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:-

(1) भी जगीर सिंह

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजीत सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

दिनाक № 20 दिसम्बर 1975 मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 103 एस/प्रजंन—श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है और जिसकी सं० 191 है तथा जो ग्राम इटरोरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मोहम्मदी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 17 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रितिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः— (1) थी जगीर मिह

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सोवरन कौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्यं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड़ का 1/5 भाग जो कि ग्राम इटरोरा तहुं मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम श्रविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक: 20 दिसम्बर 1975

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 8-म्राई/म्रर्जन--म्रतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से म्रिधिक है भीर जिसकी सं० 191 है तथा जो ग्राम इटौरा तह० मोहम्मदी जि० लखीमपुरखीरी में स्थित है (और इससे उपाबद भ्रमुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारों के कार्यालय मोहम्मदी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 17 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरम के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रयति :---

(1) श्रीमती भ्रजीत कौर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमशी इन्दर कौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनयम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.50 एकड का 1/5 भाग जो कि ग्राम इटौरा तह० मोहम्मदी जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

थ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाव 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 102-एस/ग्रर्जन—श्रतः मृझे बिश्राम्भर नाथ ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रधिक है

स्रोर जिस की सं० डी-48/141 ए हैं तथा जो मिशिर पोखर वाराणसी में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विजित्हों), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 25 मई 1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269—ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269—थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, श्रर्णात;—र (1) श्रीमती रत्मा नम्दी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मीताराम चैरटी दुस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता मकान नं० 48/141 ए जो मिशिर पोखर, जि० वाराणसी में स्थित हैं।

बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **ग्राथुक्त (निरीक्षण)** ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनोक: 17 दिमम्बर 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर श्रधिनियम, 19€1 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

PART TIT-SEC. 1]

कार्यालय, सहायक स्नायकर म्ना**यु**क्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 45-के/अर्जन—स्प्रतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से श्रिधिक है और जिस की स० है तथा जो ग्राम श्रष्ठवर नह० झानपुर जिला बिजनौर में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, झानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्राधिक है भ्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (अ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः भव उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण म. मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिक्षत व्यक्तियों, प्रथीन :--- (1) श्री राम रुचि पाठक

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुल बुल व ग्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दा श्रीर पदा का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृषी

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीधा 19 बिस्वा और 5 बिस्वान्सी हैं जो कि ग्राम श्रष्ठवर तह० ज्ञानपुर जि० वाराणसी में स्थित हैं।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, लखनऊ

दिनाकः : 19 दिसम्बर 1975

मोहर .

[PART III-Sec. 1

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्णन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 71-एफ/ग्रर्जन—ग्रतः मुझे बिशम्भर नाथ, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० 7-सी है तथा जो ग्राम ग्रमौसी, प० बिजनौर जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मोटन लाल गंज लखनऊ मे रिलस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11 जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रौर मक्षे यह विश्वास करने

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से श्रिधक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उभत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धारीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फुजैल-उर रहमान हिलाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुजक्फर हुसैन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता मकान जो प्लाट संख्या 7-सी पर बना हुमा है जो कि ग्राम ग्रमौसी, परगना बिजनौर, जिला लखनऊ में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनाक : 1975 मोहर:

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 102-एस/ग्रर्जन—श्रतः मुझे विशम्भर नाथ, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० डी-48/141ए हैं तथा जो मिसिर पोखर, वाराणसी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 3 जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनद्वह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

भत: भव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसीं, श्रर्थात:— (1) श्रीमती रत्ना नन्दी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सीता राम चैरटी ट्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (खं) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

रिक्त स्थान (भूमि) नं० डी 48/141 ए जिसका क्षेत्रफल 6 कोट्टा 15 छटांक 22 वर्गफीट हैं । जो मिशिर पोखर, जि० वाराणसी में स्थित है ।

बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाक : 17 दिसम्बर 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

भौर जिस की सं० डी-48/141ए हैं तथा जो मिणिर पोखर, वाराणसी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत :— (1) श्रीमती रत्ना नन्दी

(ब्रन्तरक)

(2) श्री सीता राम चैरटी ट्रस्ट

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसृषी

रिक्त भूमि नं० डी 48/141 ए जिसका क्षेत्रफल 3 कोट्टा, 15 छटांक, 35 वर्ग फीट हैं जो मिशिर पोखर, वाराणसी में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक : 17 विसम्बर 1975 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

निदेश नं ० 55-की/प्रर्जन---ग्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ **आयकर अधिनियम, 19**61 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा सक्षम प्राधिकारी 269-खा के अधीन विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है है तथा जो ग्राम सिमरॉव जि० लखीमपूर भौर जिस की सं० खीरी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मौमदी में रिजस्ट्री-करण अधिनिग्रम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक 26 जून 1975 को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के भीच ऐसे अन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, **निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रू**प से क्षिस नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अिंघ नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रौद्ध/या
- (बा) ऐसी किसी प्राय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्ल अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उन्त ग्रिधिनियम' की घारा 269-म के श्रनुसरण में, में, 'उन्त ग्रिधिनियम', की घारा 269-म की उपन्नारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, ग्रथीत :--- (1) श्री प्रताप राज सिंह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलविन्दर सिंह व श्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 40 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिस का क्षेत्र फल 18 एकड़ 25 डिस्मिल है जो ग्राम सिमरौष पोस्ट मधोली तह० मौमदी, जिला लखीमपुर खीरी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

दिनाक: 18-12-1975

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

- भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखन्ड, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 68-एम/अर्जेन—-श्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिस की सं० --- है तथा जो ग्राम सैंदपुर जय राम मुराक्षाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5 जून 1975 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रद्यीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रव उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण, में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों ग्रधीत :— (1) श्रीमती राज वती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मंगल सेन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि जो सैदपुर जय राम सम्भल मुरावाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर **श्रायुक्त (निरीक्षण**) श्र**र्जन रेंज, लखन**ऊ

**दिनाक** । 18-12-1975

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 18 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 69-एम/प्रार्जन—प्रतः मुझे बिशम्भर नाथ प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से श्रिधिक है

श्रीर जिस की सं० 104 व अन्य है तथा जो ग्राम चिन्तापुर पीली भीत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 5 जुन 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिर की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुस्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

म्रतः म्रव उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथित :---- (1) श्री सन्त कुमार व अन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मलकीत सिह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों को, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

कृषि भृमि खसरा नं० 104, 105, 108, व 103, जिसका क्षेत्रफल 10 एकड 52 डिस्मिल हैं। जो ग्राम चिन्तपुर तह० बीसल पुर, जिला पीलीभीत में स्थित १।

> विषम्भर नाय सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

दिनाक: 18-12-1975

(1) श्री राम स्वरूप

(म्रन्तरक)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

(2) श्री मुक्ट बिहारी लाल

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 70-एम/श्रर्जन—श्रतः मुझे, बिशम्भर गाय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन (सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है श्रीर जिस की सं० ———है तथग जो पुरनपुर जि० पीलीभीत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 4 जुन 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ∫उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भ्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

एक दो मंजिला मकान जो पुरनपुर मोहल्ला चौक, तह० खास, जिला पीलीभीत में स्थित हैं।

> िषशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सखनऊ

दिनांक: 18-12-1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक, 18 दिसम्बर 1975

निदेश न० 14-एन/ग्रर्जन--श्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, थह विश्वास करने का कार्ण 8 कि सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिस की सं० --- है तथा जो पूरनपुर जि० पीलीभीत में स्थित है (ग्रॉर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत मे रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक 4 जुन 975 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त शिक्षितियम के भ्रधीन कर देन के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (न्द्र) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) श्री राम स्वरूप

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र प्रकाश

(म्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीखा से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रोर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसृचो

एक दो मंजिला मकान जो पूरनपुर मोहल्ला चौक तहसील खास, जिला पीलीभीत में स्थित हैं।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 18 दिसम्बर 1975

मोहर ३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 18 दिसम्बर 1975

निदेश न० 75-ग्रार/ग्रर्जन—ग्रतः मुझे, बिशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं ग्रीर जिस की सं०——हैं तथा जो ग्राम सैंदपुर जयराम मुरादाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इमसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सम्भल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक 5 जून 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने नें सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

(1) श्रीमती श्रोमवती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार व ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त मञ्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम सैदपुर जयराम, सम्भल, जि० मुरादाबाद मे स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख । 18-12-1975 मोहर: प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०——

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 दिसम्बर 1975

निदेश नं० 23-वी/म्रर्जन—म्ब्रतः मुझे, विशम्भर नाथ म्रायकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है और जिस की मं० बी-3/3 है तथा जो निराला नगर लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब 'उषत ग्रिविनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण, में, मैं, 'उक्त ग्रिविनियम', की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:- (1) श्री विषवनाथ चौधरी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० जी० मेहरोत्रा व अन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, यबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसुचो

मकान नं॰ बी-3/3 जो निराला नगर लखनऊ में स्थित है।

बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 17 दिसम्बर 1975

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक, 23 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एस आर एस/21/75-76~-अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिस की सं० भूमि 154 कनाल 18 मरले हैं तथा जो गाव नागोके, तहसील मरसा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सरसा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

(1) श्रीमती काकी बाई पत्नी श्री चन्द्र भान, निवासी भिवानी

(अन्तरक)

(2) (i)श्री सुदागर चन्द  $\}$  पुत्र श्री जोरा सिंह (ii)श्री जागर सिंह  $\}$  निवासी गांव नागोंके. तहसील सरमा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्रर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जक्ता श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि गांव नागोक, तह्सील सरसा में स्थित है 88/5/7-4 6/7-12 7/1-0 14/6-16 15/7-12 16/7-12 17/6-16 104/5-मिन/4-0 6-15/16-0 105/10/2/6-0 107/17-18/16-0 19-सिन/1-0 107/20-सिन/1-01 24/8-0, 13-14/16-0, 6/16-18, 7/7-7, 8/7-7, 15/7-8, 23/8-0 108/ 1/2/1-16, 10/2/1-16, 11/2/1-16-भूमि क्षेत्रफल 154 कनाल 18 मरसे

(जैसे कि 'रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 717 मई 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सरसा के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 23 दिसम्बर 1975

प्रसप प्रार्थे टी० एस० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 23-12-1975

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मह्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी स० बाईनस्टन हाउस नाम की सम्पत्ति हैं तथा जो स्टेशन वार्ड शिमला-1, में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपायद्व अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालख, शिमला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनाक जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमान अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान:—

- (1) श्रीमती सरला देवी, पत्नी श्री जीवन बल. श्राजकल निवासी 21, दी माल. शिपला (श्रन्तरक)
- (2) (i) श्री वजीर सिंह } पुत्र श्री सेवा सिंह
  - (ii) श्री  $\,$ रमेशवर लाल $\,\int$
  - (iii) श्रीमती तीरथ कौर
  - (iv) श्रीमती हरबंस कौर निवासी बाईनस्टन हाऊस. नजदीह रिवौली सिनेमा शिमला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो उकत स्रिधिनियम के स्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बाईनस्टन हाऊस नाम की सम्पत्ति स्टेशन वार्ड शिमला-1 खसरा नं ० 837/189, बी/189, 189/1, 189/5, 180/6 (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 312 जुलाई 1975 को रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में लिखा है )

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक: 23-12-1975

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निदेण नं० 1417---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार **भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें ६सके पश्चात 'उन्त अधिनियम' गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रूपए से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रिजिस्टीकृत विलेख नं० 265 भ्रप्नैल 1975 में हैं तथा जो इन्द्रा मारिकट जलन्धर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड भ्रनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जि त में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में भृविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के छनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री रामजी दास कापूर मृपुत्र रूप लाल कापूर वासी 396 लाजपत नगर जालन्धर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनमोहन कृष्ण कापूर पुत्र कृष्ण कापूर 6 वेला वस्ता वाली हिल रोड बन्डारा बम्बई

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति, जो इस संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबद्ध किसी! अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 265 अप्रैल 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम भ्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23 दिसम्बर 1975

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश सं० केपीएल/218/75-76---यतः मुझे, बी० श्रार० श्रायकर अधिनियम, सगर 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25.000/- २० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति है जो कपुरथला मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
13—406GI/75

(1) श्री कर्म सिंह, पुत्र श्री बतन सिंह, मनजीत सिंह कुलदेव मिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, श्रीमती सुरिंदर कौर बोलिना विधवा श्री गुरवीप सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, जालंधर।

(भ्रन्तरक)

(2) कपूरथला स्टील एण्ड रबड़ इन्डस्ट्रीज, कपूरथला (ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है श्रीर किरायदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति , जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित. में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—श्समें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 161 अप्रैल 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> वी० आर० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन र्रेज, श्रमृतसर

दिनांक : 20 दिसम्बर, 1975

न्नायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 299-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, द्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निवेश नं केपीएल/219/75-76---यतः मुझे बी० ग्रार० सगर धायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्रिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है श्रीर जिसकी सं ० सम्पत्ति है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनूसुची मे श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक भ्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अक्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत:—— (1) श्री करम सिंह सुपुत्र श्री बतन सिंह, मनजीत सिंह, कुसदेव सिंह सुपुत्रान श्री करम सिंह, श्रीमती सुरिन्द्र कौर बोलीना विधवा श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र श्री करम सिंह वासी जालन्धर।

(भ्रन्सरक)

- (2) मैसर्ज कपूरथला स्टील एण्ड रबर इन्टस्ट्रीज, कपूरयला (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हों। (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अवधि, जी भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों, का जो उन्श प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिथा गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 162 **भग्नै**ल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में हैं।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

दिनांक: 20 दिसम्बर 1975

# प्ररूप ग्राई •टी •एन •एस •--

भ्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के भ्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुससर

श्रमृतसर, दिनां क 20 दिसम्बर 1975

निवेश नं० केपीएल/220/75-76—-यतः मुझे, बी० स्रार० सगर

श्रायकर श्रिश्विनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति हैं तथा जो कपूरथला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक श्रप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत 'उक्त मधि-नियम' के मधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौर / या
- (छ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रवः श्रव उक्तं ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269 की उपकारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :— (1) श्री करम सिंह संपुत्न श्री बतन सिंह, मनजीत सिंह कुलदेव सिंह सुपुत्नान श्री करम सिंह, श्रीमती सुरिन्द कौर बोलीना विधवा श्री गुरदीप सिंह सुपुत्न श्री करम सिंह वासी जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैं सर्ज कपूरथला स्टील एण्ड रबर इन्डस्ट्रीज, कपूरथला (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उसत श्रिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रष्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 163 श्रप्रैल 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में है।

> वी० म्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, जालन्धर

विनाक: 20 दिसम्बर 1975।

# प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ध्रमुप्तसर, दिनांक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० केपीएल/221/75-76---यतः मुझे वी० श्रार० सगर

श्चायकर ग्रिश्चित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रीर जिस की सं० सम्पत्ति है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रतः, म्रब, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-भ की उप-धारा (1) के भ्रधीन निभ्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः (1) श्री करम सिंह सुपुत्र श्री वतन सिंह, भनजीत सिंह, कुलदेव सिंह सुपुत्रान श्री करम सिंह, श्रीमती सुरिन्द्र कौर बोलीना विधवा श्री गुरदीप सिंह सुपुत्र श्री करम सिंह वासी जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

- (2) मैसर्ज कपूरथला स्टील एण्ड रबड़ इन्डस्ट्रीज कपूरथला। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त श्रिधिनियम', के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

## अमुसुची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 164 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरथला में है।

> वी० श्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, स्नमृतसर

दिनांक: 20 दिसम्बर 1975

## प्ररूप आई० धी० एन० एस०-

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 20 दिसम्बर 1975

निदेश नं० केपीएल/222/75-76---यत. मुझे वी० म्रार० सगर

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है और जिस की स० सम्पत्ति है तथा जो क्षूरयला में स्थित है (ग्रीर

श्रोर जिस की स॰ सम्पत्ति है तथा जो कपूरयला में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से ष्ट्रई किसी भाय की बाबत 'उक्स ग्रिधिनियम' के अधीन कर वेने के श्रन्तर के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनयम' या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- (1) श्री कर्म सिंह पुत्र श्री वतन सिंह, मनजीत सिंह, कुलदेव सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, श्रीमती सुरिन्द्र कौर बोलिना विधवा श्री गुरदी। सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह, वामी जालंधर (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज कपूरथला स्टील एण्ड रबड़ इण्डस्ट्रीज कपूरथला (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई हो (यह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रीधिनयम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 165, ग्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरश्वना में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं श्रार ए० सी० 208/75-76--यतः मुझे के० एस० बेंकट रामन प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रु० से मस्य भौर जिस की सं० 12-10-399 सीताफल मंडी है, जो सिकन्दरा बाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15 मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे युग्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ए की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, ग्रधीन:—

(1) श्री सतपाल **भंडारी पुत्र सेलूमल भंडारी** 12-10-399, सीताफल मंडी, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कालीक्षंकर शुक्ला तिवोली सिनेमा कम्पाउंड, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नं० 12-10-399, सीतम्फलमंडी, स्क्रिकन्दराबाद !

कें० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 22-12-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० भार० ए० सी० 209/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिमित्यम,' कहा गया है), की धारा 269-ध के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक हैं और जिस की सं० 4-1-633 तुरूप बाजार हैं, जो हैंदराबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 15 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्रायकी बाबत 'उक्त ग्रिध-नियम,' के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अत: श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:-- 1. (1) सय्यद जाफर हुसैन (2) सय्यद मोहम्मद हुसैन, पुत्र सय्यद प्रली मुरतुजा हुसैन 16-5-53, दबीरपुरा हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बुधराम गुप्ता पुत्र लाल चन्द 5-1-600, तुरुप बाजार, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्तिद्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

4-1-633, हिन्दुस्तानी गली, सुरूप बाजार, हैंदराबाद क्षेत्रफल 827.26 वर्गगज।

> के० एस० वेकट रामन स्थम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 22 विसम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदरबााद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ऋार० ए० सी० 210/75-76---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त भ्रधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिस की सठ० 4-1-938/श्रार-6 तिलक रोड़ है, जो हैं बरबााद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैं दबरााद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई फिसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के श्रमु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथितः——

- (1) मैसर्स श्री एसेस, भागीदार श्री बन्सीलाल पुत्र हरदास निंग द्वारा तथा श्रन्य भागीदार एविड रोड, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री राज कुमार, पुत्र केदार नाथ 3-2-350, चप्पल बाजार, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, को उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

नं० 4-1-938/फ्रार-6 का भाग, ातलकरोड़, हैदराबाद

कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 22 दिसम्बर, 1975

मोहर ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैंदरबााद

हैदराबाद, दिनाक 22 दिसम्बर 1975 स॰ ग्रार॰ ए० सी॰ 211/75-76—यत मुझे के॰ गस० वेक्ट रामन, ग्रायक्र ग्रिधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की स० 4-1 938/आर-7 तिलव रोड है, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 18 मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम, की घारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:——
14—406GI/75

(1) मैसर्स श्री एसेम, भागीदार श्री भीशन लाल श्रहुजा द्वारा एविंद रोड, हैंदराबाद

(ग्रन्तरक)

(27 श्रीमती शोभाबाई पन्ती हरीराम 3-2-350 चपल बाजार, हैदराबाद

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमे प्रयुक्त शक्दो और पदो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

न० ४-1-938/ग्रार-7, तिलक रोड, हैदराबाद

के० एस० वेक्ट सक्षम प्राधि॰ सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष स्रर्जन रेज, हैंदरा

दिनाक: 22 दिसम्बर 1975

मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 22 दिसम्बर 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 212/75-76---यतः मुझे,के० एस० वेंकट रामन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिस की सं० 4-1-938/श्रार-8 एविड रोड हैं, जो हैंदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्य, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 18-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्बह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

भतः भव उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

(1) मैंसर्स थ्यी एसेस् श्री भागीदार भीणनलाल ऋहुजा एविड रोड़, हैंदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बसन्ती बाई पत्नी, केदारनाथ 3-2-350, चप्पल बाजार, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नं० 4-1-938/ग्रार-8, एविष्ठ रोड़, हैदराबाद ।

कें० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहरः

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, हैदराबाद

हदरााद, दिनाक 22 दिसम्बर 1975

स० म्रार० ए० सी० 213/75-76--यतः मुझे के० एस० वेकट रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

- भीर जिसकी स० 4-1-938/ग्रार-9-एबिड रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक 18 मई 1975
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी माय था किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या घन-कर मिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: मन उक्त भिधिनियम की धारा 269-म के भनु-सरण मे, मैं, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मातु:— (1) मैसर्स श्री एसेस्, भीशनलाल श्रहुजा भागीदार, एविड रोड़, हैदराबाद

(भन्तरक)

(2) श्रीमती रकामनी बाई पत्नी महाबीर प्रशाद 3-2-350, चप्पल बाजार, हैंदराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में. कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य, जो भी अविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नं० 4-1-938/म्रार-9, तिलक रोड़, हैवराबाद

के० एस० बेकटरा सक्षम प्राधिक सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष श्रर्जन रेज, हैंदराः

विनाक: 22 दिसम्बर 1975

प्ररूप भ्राई०टी०एन०एस०—

ष्ट्रायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० प्रार० ए० सी० 214/75-76—यतः मुझे के० एम० वेंकट रामन,

भायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिधिक है

श्रीर जिस की सं० 4-1-938/श्रार-10 तिलकरोड़ है, जो हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 18 मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किंसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
  - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :-- (1) मैसर्म थ्री एसेस, भागीदार श्री भीशन लाल ग्रहुजा द्वारा एबिड रोड़, हैंदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शोभा बाई पत्नी गिरी राज चारकमान, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उनत ग्रक्षिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

नं० 4-1-938/ग्रार-10 तिलकरोड़, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) . ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

विनांक: 22 दिसम्बर 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मासकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 215/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है ग्रीर जिस की म० 6-1-3 एम० जी० रोड़ कोत्तागूडम् हैं, जो कोत्तागूडम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोत्तागूडम् में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम,' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के 'लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री बी० राघवया तथा श्रन्य दो र्घ्याक्त, एम० जी० रोड, कोत्तागृक्षम्

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० एम० सकरंच्या प्रोपराइटर कास मास होटल, एम० जी० रोड, कोत्तागुडम्,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अअधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जौ 'उक्त' ग्राधिनियम,' के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नं० 6-1-3, एम० जी० रोड, कोसागूर्डम्,

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैंदराबाद

दिनांक : 22 दिसम्बर 1975

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 दिसम्बर 1975

निदेश सं XVII/13/35/75-76—यतः, मुक्ते, जी रामनाथन,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उन्तर मिधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 46, 46 ए, 46 बी, 47 और 48 है, जो सेलम मैन रोड कोमा-रपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम पल सं० 782/75) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अम्तरित

की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इत्प से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की वावत 'उक्त प्रधिनियम', के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रष्ठिनियम,' या भ्रम-कर भ्रष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात:— (1) श्री जे० के० ए० राजप चट्टीयार श्रीर भार० शन्मुग सुन्दरम, कोमारपालयम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० वेंकटेसन, कोमारपालयम

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी ग्रस्य क्यक्ति द्वारा, भघोइस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रीधनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

तिरुचेंगोडु तालुक, कोमारपालयम, सेंलम मैन रोड़ सरवे सं 624/2, डोर सं० 46, 46 ए, 46बी, 47 मीर 48 में 2080 स्कुयर फीट की भूमि (मकान नं० के साथ)

> जी० रामानातन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, I मद्रास

विनांक: 24 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 दिसम्बर 1975

निदेश मं० 21 डी/ग्रर्जन—श्रतः मुझे बिशम्भर नाथ श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है और जिस की सं० 487 है तथा जो कर्नल गंज इलाहाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबढ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 18 जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर गन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1). के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:— (1) श्रीमती शिव पति

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती द्रौपदी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितें- बद्ध किसी भ्रन्थ क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पवीं का, जो उक्त ग्राधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## भनुसूची

एक किता मकान नं० 487 जो कि मोहल्ला कर्नेल गंज जिला इलाहाबाद में स्थित हैं।

> बिशम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 23 दिसम्बर 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 16 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 305/ग्रर्जन/कानपुर/75-76/2301---यतः मुझे, विजय भार्गवा

द्यायकर धिविषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-कृत से घश्चिक है

धौर जिसकी सं श्रनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, सिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 अगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए इंबा, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिबत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) शिवप्यारी पत्नी प्यारेलाल व (2) राम दुलारी बेवा महादेव प्रसाद साकिनान, प्रचल गंज, डाकखाना खास, तहसील व जिला उन्नाव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम चन्त (2) वासदेव (3) श्रोम प्रकाण श्रात्मज जोहरी लाल साकिनान 31/126 लाठी मोहाल कानपुर व (4) ठाकुर राम लक्षमण जानकी जी व हनुमान जी महाराज व सरवाहकारी धासदेव व राम चन्द सा० 31/126, लाठी मोहाल, कानपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति मकान नं० 76/164 वाके बादशाहीना का कानपुर जो 1,00,000 ६० मुल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भागेव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-12-1975

मोहर:

प्रक्रम आई० टी० एन० एस० -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा ' 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)
व्यर्जन रेंज, दिल्ली-1
4/14-ए, प्राप्तफ ग्रली रोड मई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनोक 17 दिसम्बर 1975

निवेंग सं० धाई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० घार०-II/अप्रैल/835/(24)/75-76— यतः, मुझे एस० सी० परीजा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० बी-72 है, जो रोशो नगर, शाकुरबस्ती, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख
के धमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के (लए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था डिग्पाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, उश्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 15—406G1/75

(1) श्री राम शर्मा, सुपुत्र पं॰ घरमा राम, निवासी धार 278, ग्रेटर के लाश, नई दिल्ली इनके जनरल एटारनी श्री देस राज, सुपुत्र श्री चरण दास ग्ररोड़ा के द्वारा, निवासर 1096/345 (पुराना) रानी बाग, शाकुर-बस्ती, दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री जगवीम लाल, सुपुत्त श्री वेस राज घरोड़ा, मकान नं० -बी 72 रोगो नगर, भाकुरवस्ती, विल्ली-34 (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका नं ० बी-72 है तथा जोकि रोशो नगर कालोनी, शाकुरबस्ती, दिल्ली में, सालीमपुर माजरा भावोपुर के गाव के क्षेत्र में फ्रीहोत्ड प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 160 वर्ष गज है तथा जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं:---

पूर्व: खाली जमीन

पश्चिम : गली 10 फुट

उत्तर: 140 वर्ग गज जोकि राज कुमार को बेची गई है

काधन्य भाग

दक्षिण: गली

एस० सी० परीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज Ш, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीच: 17 विसम्बर 1975

मोक्ट:

## संघ लोक सेवा आयोग

#### नोटिस

#### स्पेशल बलास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1976

सं० एफ० 5/2/75-ई०-Ĭ (बी०)—भारत के राजपक्ष, दिनांक 10 जनवरी, 1976 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास अप्रेंटिमेज के पदों पर नियुक्त हेतु जयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद, भोपास, बम्बई, कलकत्ता, कटक, बिल्ली, बिसपुर (गोहाटी) हेदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिमला तथा विषेध्यम में 15 जुलाई, 1976 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यवि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्मीबवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थाम अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (बेखिए उपाबंध II, पैरा 10)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 15 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निक्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को प्रावेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर या मचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरस डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी आनी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपन्न आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। वो स्थये की राशि किसी भी हास में वापस नहीं की आएगी।

4. भरा हुम्रा श्रावेदन-पत म्रावश्यक प्रमाण-पत्नों के साथ सचित्र, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई ल्लिन-110011 के पास 8 मार्च, 1976 को या उससे पहले (8 मार्च, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा ग्रंडमान एवं निकोबार तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 22 मार्च, 1976 तक) ग्रवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी मी आवेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए ब्रावेदन-पत्न के साथ ब्रायोग को उपाबन्ध I में निर्धारित परीक्षा शुरूक का भुगतान उसमे निर्दिष्ट रीति से ब्रवक्य करें।

जिन आवेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मोदवारों पर लागू नहीं होगा जो उपाबंध I के पैराप्राफ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुक्क से छूट चाहते हैं।

6. उम्मीबबार द्वारा अपना आवेबन-पश्च प्रस्तुत कर बेने के बाब उम्मीबवारी बापस लेने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

> एम० एस० प्रथी, उप-संचिव संघ लोक सेवा श्रोयीग

#### उपावन्स I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाल उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में कु 36.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए ६० 9.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईरों अथवा स्टेट बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली मे देय केंक कुपटों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

श्रायोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो श्रावेदन-पत्न भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, श्रन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐस उम्मीदवार निर्घारित मुल्क की राशि मंबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

- 2. श्रायोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि श्रावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 में पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) से भारत श्राया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक खप में प्रत्यावितित मूलत: भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को, या उसके बाद भारत श्राया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक खप में प्रत्यावितित मूलत: भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद प्रयुजन कर भारत श्राया है, श्रीर निर्धारित शुक्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।
- 3. जिस उम्मीबवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे रु० 21.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 5.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट II की शतों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश नाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हेक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपवन्धों की शतों की अपेकाओं का अन्यापा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुरूक वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपनिधित व्यवस्था को छोड़कर श्रन्य किसी स्थिति में श्रायोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया गाएगा श्रीर न ही शुल्क को किसी श्रन्य परीक्षा या चयम के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

## उपाबन्ध-II उम्मीदबारों को अनुदेश

1 इस नोटिस के पैरा 3 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, श्रावेदन-प्रपन्न तथा अन्य विवरण सच लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा संकते हैं। उम्मीववारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपन्न भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पड़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात मी है या नहीं। निर्धारित शतों में छूट नहीं दो जा सकती है।

आवेदन-पन्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैराग्राफ 1 में बिए गए केन्त्रों में से किसी एक की, जहां वह परीक्षा बेने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विधार नहीं किया जाएगा।

- 2 (i) उम्मीदवारों को श्रावेदन-प्रपन्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। श्रमूरा या गलत भरा हुआ श्रावेदन-पन्न श्रस्वीकार किया जा सकता है।
- (ii) भरा हुआ आवेदन-पत्त तथा पावती कार्ड सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्सी-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या श्रष्टमान एव निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से श्रायोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 8 मार्च, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या श्रष्टमान एव निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहाथा।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्यायी हैंसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर कार्य प्रभारित कर्मचारी की हैंसियत से कार्य कर रहे हो उन्हें अपने आबेदन-पत्न संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्न के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को स्वय अपने हित में आवेदन पत्नों की अग्रिम प्रतिया आयोग को सीधे भेजनी चाहिए। यदि वे आवेदन-पत्न निर्धारित शुक्क के साथ भेजे गए होंगे तो उन पर अनंतिम रूप से विचार कर सिया जाएगा किन्तु मूल आबेदन-पत्न साधारणस्या अतिम तारीख के बाद पद्मह दिन

के अन्दर आयोग में पहुंच जाने चाहिए यदि सरकारी सेवा में पहले में ही कार्यरत कोई व्यक्ति अपने आवेदन-पत्र की अप्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के साथ नहीं भेजता है अथवा इसके द्वारा भेजा गया आवेदन-पत्र आयोग के कार्यालय में अतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होता है, तो उसके द्वारा अपने विभाग या कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले श्रीद्योगिक उद्यमों या उस प्रकार के श्रन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के श्रावेदन-पन्न सीधे लिए जा सकते हैं। यदि नोई ऐसा उम्मीदवार अपना श्रावेदन-पन्न श्रपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है श्रौर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुचता है तो उस पर बिचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को श्रातम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

- 3 उम्मीदवार को श्रपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए।
  - (i) निर्धारित शुन्क के लिए **रेखांकित किए हुए** भारतीय पोस्टल ग्रार्डर या वैक ड्राफ्ट (देखिए उपाबन्ध I)।
  - (ii) म्रायु के प्रमाणपत्र की म्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (iii) शैक्षिक योग्यता कं प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 से०मी० × 7 से०मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतिया।
  - (v) स्कूल ख्रीर कालेज मे उम्मीदवार के शिक्षण काल का सक्षिप्त विवरण जिसमे उसकी शैक्षिक तथा खेलकूद से सबद्ध सफलताम्रो का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं ग्रापने हाथ से लिखे ख्रीर उस पर हस्ताक्षर करे।
  - (vi) जहा लागू हो वहा श्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन मे प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे परा 4)।
  - (vii) जहा लागू हो बहा भ्रायु मे छूट/शुल्क मे छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की ग्रामि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

नोट:—उम्मीववारों को अपने आवेवन पत्नो के साथ उपर्युक्त मव (ii), (iii), (iv) तथा (vii) पर उहिलेखित प्रमाण पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राजपितत अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीववार द्वारा सही कप में सत्यापित हो। जो उम्मीववार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर क्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षारकार के लिए काईता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाव उपर्युक्त प्रमान-पत्नों को मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1975 के नवस्वर महीने में घोषित किए जाने की संभावता है। उन्तीदवारों को इन प्रमाण-पत्नों को उस समय मांगे जाने पर आयोग को प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखमा चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाव उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर बेना चाहिए। जो उन्नीववार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्नों को मूल क्य में प्रस्तुत महीं करेंगे उनकी उन्मीववारी रह् कर वी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का वावा स्वीकार महीं होगा।

- मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं भीर मद (vi) भीर (vii) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4 भीर 5 में दिया गया है।
  - (i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखाकित किए हुए भारतीय पोस्टल ग्रार्डर :--

प्रत्येक पोस्टल ग्रार्डर ग्रनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:---



तथा इस प्रकार भरा जाए :-- Pay to the Secretary, ] Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाकचर पर देय पोस्टल श्रार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल श्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर भीर जारी करने वाले डाक घर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह भ्रवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल भ्रार्डर न तो रेखांकित किए गए हों भौर न ही सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

## (ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित वैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिष, संघ लोक सेवा श्रायोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हों तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी भ्रन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट: — जो उम्मीदवार भावेदन-पत्न भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (६० 36.00 के बराबर और भनुसूचित जातियों तथा भनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 9.00 के बरावर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा कि कर सकते हैं, गौर उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051 Public Service Commission Fees" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर ग्रावेदन-पक्ष के साथ भेजे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्न :---प्रायोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करती है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्न या मध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्न या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के र्राजस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक प्रयवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न प्रयवा समकक्ष प्रमाण-पत्न प्रयवा समकक्ष प्रमाण-पत्न प्रयवा समकक्ष प्रमाण-पत्न प्रवितिषि प्रस्तुत कर सकता है।

धनुदेशों के इस भाग में धाए मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न के धन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती मा ध्रायु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न की श्रिभिप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिपि के ध्रितिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की ग्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ण की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि म्रावेदन-पत्न के साथ इन म्रनुदेशों में निर्धारित म्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो म्रावेदन-पत्न मस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि म्रावेदन-पत्न में लिखी जन्म की तारीख मैद्रिकुलेशन प्रमाण-पत्न उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो तो इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो म्रावेदन-पत्न म्रस्वीकार किया जा सकता है।

नोढ 1:-- जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हो, उसे उस प्रमाण-पत्न की केवल प्रायुंसे सम्बद्ध प्रविद्यि वाले पृष्ठ की ग्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

मोट 2:---उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) गंकिक योग्यता का प्रमाण-पद्य:—-उमीद वार को किसी प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (प्रर्थात् विश्व-विद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यवि ऐसे प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए भौर अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई मन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। भायोग इस प्रमाण के भौचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यि उम्मीदवार द्वारा भ्राप्ती शैक्षिक योग्यताभ्रों के समर्थन में प्रस्तुत 'किए गए विश्वविद्यालय के इंटरमीडिएट या कोई भ्रत्य भ्रह्म परीक्षा पास करने के प्रमाण पत्न में सभी उतीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिंसिपल के इस भ्राप्य के प्रमाण-पत्न की भ्रिभिपाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने भ्रहेंक परीक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकी भौर रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदनार पर नियम 6 (ख) या नियम 6 (ङ) लागू होता हो तो उसे प्रपनी शैक्षिक योग्यताग्रों के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विश्वविद्यालय के रिजस्ट्रार/कालेज के प्रिसिपल/ संस्था के श्रध्यक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में लिए गए प्रमाण-पन्न की प्रतिलिपि श्रवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए।

## उम्मीदवार द्वार। प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म

उम्माववार क्षारा अस्तुत किए जान वाल अमाणन्यव का काम
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
सुपुत्र/सुपुत्री/श्री*
इस विश्वविद्यालय/
कालेज/संस्था* के/की* वास्तविक छात्न/छात्ना* है/थे/धीं*।
<ol> <li>उन्होंने त्रि-वर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/</li> </ol>
पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/
ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद की ग्रामीण
सेवाम्रों में वि-वर्षीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा* जो
को समाप्त हुई,
उसीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित
विषयों में से किसी मे भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना
है।

	उन्होंने						विश्व	विद्य	ालय	द्वार	संचा-
लित	वि-व	र्धिय	डिग्री	कोर्स	की	प्रय	म/द्वि	तीय'	व	ों की	परीक्षा/
पंच	वर्षीय	इंजी	नियरी	डिर्ग	<b>†*</b> :	होर्स	की	प्रथम	<b>वर्ष</b>	की	परीक्षा
	<del></del>			भेणी	में	उर्त	ोर्ण	कर	ली	हैं।	

(W) J: (3) 14: 1 X [4] [ [ 4] 4 4 [ 1] 4 1] [ 1] [ 1] [ 1]	@3.	उनके	परीक्षा-बिषय	निम्नलिखित	में:-
--	-----	------	--------------	------------	-------

1.

2.

3.

@पंच-वर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स के विद्वार्थियों पर लागू नहीं होगा।

> (रजिस्ट्रार/प्रिसिपल\* के हस्ताक्षर) विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था\* का नाम

तारीख------

\*जो शब्द लागु न हों उन्हें कृपया काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे दिया गया नोट । लागू होता हो उसे जिस संस्था से उसने परीक्षा उत्तीर्ण की हो उसके प्रिसिपल/हैडमास्टर से लिए गए इस भागम के प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके कुल भंक विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी को भंक सोमाभ्रों के भ्रन्तर्गत श्राते हैं।

नोट:--यदि कोई उम्मीदवार ऐसी प्रहंक परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पास हो जाता है पर प्रभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए श्रावेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी श्रावेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में सम्बद्ध कालेज/संस्था के प्रिसिपल से एक प्रमाण-पत्न को प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे अन्य शर्ते पूरी करते हों तो उनको पर्रक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमित अनन्तिम मानी जाएगी भौर यदि वे प्रहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी भीर हर हालत में 30 सितम्बर, 1976 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमितप्राप्त उम्मीद-वार को, चाहे वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीणं हो अथवा नहीं, उपर्युक्त अवधि के भीतर अहंक परीक्षा उत्तीणं करने का प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करना होगा। इस अनुदेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी धौर वह अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

	उम्मीदवा	रद्वाराः	पस्तुत वि	ह्यू प	जाने :	बाले प्रम	ाण-पद	काप	ार्मः
	प्रमाणित	किया	जाता	ŧ	कि	श्री/श्री	मती/कुः	गरी'	k
						_			
<b></b> -		<del></del>				• नि	म्नालाः	1त	विषय
लेकर	ξ					<del></del>	द्वार	ि सं	चालित
								परीक	⊓ ∕में

	- मास, 19 - <del></del> -,
में बैठने वाले/वाली*है बैठ चुके/	चुकी* है —
(i)	
(ii)	
(iii)	
•	
(iv)	
(v)	
	प्रिसिपल के हस्ताक्षर
	(कालेज/संस्था* का नाम)
तारीख	
स्थान	

भौ शब्द लागुन हो उन्हे काट दें।

(iv) फोटो की वो प्रतियां :—उम्मीदवार को प्रपने हाल ही के पासपोर्ट प्राकार (लगभग 5 सें० मी० 7 से० मी०) के फौटो की दो एक जैसी प्रतियां ग्रवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति ग्रावेदन-प्रपत्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए घौर दूसरी प्रति ग्रावेदन-पत्न के साथ ग्रच्छी तरह नत्थी कर देना चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान वें:— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाशी है कि यदि कोई प्रावेदन-पत्न उपर्युक्त पैरा 3(ii), 3(iii), 3(iv) तथा 3 (v) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पन्नो में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसे न भेजने के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो भ्रावेदन-पत्न अस्वीकृत किया जा सकता है तथा इसकी अस्वीकृति के लिए किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्न आवेदन पक्ष के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पत्न प्रस्तुत करने के तुरन्त बाद भेज दिए जाने चाहिएं और वे हर हालत में भ्रायोग के कार्यालय में [उपर्युक्त पैरा 3(ni) के नोट में दी गई व्यवस्था के भ्रतिरिक्त] भ्रावेदन-पत्न स्वीकार करने की श्रतिम तारीख के एक महीने के भीतर श्रवस्थ पहुच जाने चाहिएं। ग्रन्थथा भ्रावेदन-पत्न स्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी श्रनुसूचित जाति या श्रनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे श्रपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) श्रामतौर से रहते हो, जिला श्रिष्ठकारी या उप-मण्डल श्रिष्ठकारी या निम्नलिखित किसी श्रन्य ऐसे श्रिष्ठकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम श्रिष्ठकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्न की श्रिष्ठप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता श्रीर पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्न उस जिले के श्रिष्ठकारी से लिया क्रांचा चाहिए अहां उम्मीदवार श्रपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजक से श्रामतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदी पर नियुक्ति के लिए झावेदन करने वाले झनुसूचित जाति भौर झनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्मं
्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) भादेश, 1950*।
संनिधान (अनुसूचित जातिया) (संघ राज्य क्षेत्र) म्रादेश, 1951*।
संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) श्रादेश, 1951*।
[ग्रनुसूचित जातिया श्रौर श्रनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) श्रादेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन श्रधिनियम, 1960 पजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य श्रधिनियम, 1970 श्रौर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) श्रधि- नियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित]।
संविधान (जम्मू ग्रीर कश्मीर) ग्रनुसूचित जातिया श्रादेश, 1956*।
सविधान (श्रंडमान और निकोबार-द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959 ।
सविधान (दादरा श्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1962*।
संविधान (दादरा भौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जन जातिया श्रादेश, 1962*।
सविधान (पाडिचेरी) ग्रनुसूचित जातियां ग्रादेश, 1964*।
संविधान (प्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) श्रादेश,

संविधान (गोब्रा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां बादेश,

1967\* I

1968 I

संविधान (गोवा, दमन श्रौर दियु) श्रनुसूचित जन जातिय श्रादेश, 1968*।
संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां श्रादेश 1970*।
2. श्री/श्रीमती/कुमारी*
हस्ता <b>क्षर</b>
**पदनाम
(कार्यालय की मोहर)
स्थान
ता <b>रीख</b>
राज्य
संघ राज्य क्षेत्र*

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:---यहां "ग्राम तौर से रहते /रहती हैं" का ग्रर्थ वही होगा जो "रिप्रेंजेन्टेशन ग्राफ दि पीपुल ऐक्ट. 1950" की घारा 20 में है।

\*\*भ्रनुसूचित आति/जन जाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम ग्रिधिकारी।

- (i) जिला मैं जिस्ट्रेट/म्रितिरिक्त जिला मैं जिस्ट्रेट/
  कलैक्टर/डिप्टी किम्बर्गर/ऐडिश्वनल डिप्टी
  किम्बर्गर/डिप्टी कलैक्टर/प्रमम श्रेणी का स्टाइ-पेंडरी मैं जिस्ट्रेट/सिटी मैं जिस्ट्रेट/†सब-डिवीजनल मैं जिस्ट्रेट/तास्लुका मैं जिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैं जि-स्ट्रेट/एक्स्ट्रा श्रसिस्टेंट किम्बर्गर।
  - †प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्टेट से कम मोहदे का नहीं।
- (ii) श्रीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसि-डेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रैवेन्यू अप्रक्षर जिनका अमेहदा तहसीलदार भे कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल प्रिफसर जहां उम्मीदवार ग्रीर/या उसका परिवार ग्रामतौर से रहता हो।
- (v) ऐडिमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलप-मट श्रफसर, लक्षद्वीप।
- ा. (i) नियम 5 (ख) (ii) श्रथवा 5 (ख) (iii) के मन्तात भ्रायु-सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्न-

लिखित प्राधिकारियों में से किसी एक मे लिए गए प्रमाण-पंत की प्राधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्मुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अव बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को प्रथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन कर मारत ग्रामा है:—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों प्रथवा विभिन्न राज्य में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांब्रेंटे।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस संमय निवास कर रहा है।
- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के श्रतिरिक्त प्रभारी जिला मजिस्ट्रेट।
- (4) श्रपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिबीजन का सब-डिबीजनल श्रफसर।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास ग्रायुक्त, पश्चिमी बंगाल/ निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरागाफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में खूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपतित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंद्रस के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 5 (ख) (iv) मथवा 5 (ख) (v) के मन्त-गंत श्रायु-सीमा में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्चमायुक्त के कार्यालय से लिए गए इस भागय के प्रमाण-पत्र की ग्रीभ-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964, को भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत श्राया है।

यदि वह उपाबन्ध 1 के पैरामाफ 2 के अन्तर्गत मुक्क म छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारों से अथवा सरकार के किसी राजपतित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विद्यान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत की अभिन्नमाणित/प्रमाणित : प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित मुक्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 5 (ख) (vi) अथवा 5 (ख) (vii) के अस्तर्गत आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्या-वितित मूलतः भारतीय ध्यक्ति को भारतीय राजदूताबास, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैंजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न को एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा में आया हुआ बास्तिबक प्रत्यावित्त ब्यक्ति है भी है व जून; 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैराग्राफ 2 के ग्रन्सगैत शुस्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला ग्राधकारी से ग्रथमा सरकार के किसी राजपितत ग्राधकारी से ग्रयमा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पन्न की ग्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुरूक दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 5 (ख) (viii) प्रथम 5 (ख) (ix) के प्रस्तर्गंत भाय सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुन-विस्तन, रक्षा मंद्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं म कार्य करते हुए विदेशी सासु देश के साथ संचर्ष में प्रथम प्रमातिग्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ भीर परिणामस्वरूप नियुक्त हुआ।

# 

हस्ताक्षर -

तारीख ----

**"जो शब्द लागू न हो उसे कृ**पया काट दें।

(v) नियम 5 (ख) (x) म्रथवा 5 (ख) (xi) के मन्तर्गत स्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुमा है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्घारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पक्ष की भिम्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शन्तुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुमा भौर परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुमा।

## उम्मीश्वार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्मः----

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट	~ · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
के रैंक न०	की सीमा
सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक व	
के दौरान विकलांग हुए भौर उस विकलांगता के परि	रणामस्वरूप
निर्मुक्त हुए।	

हस्ताक्षर ————
पदनाम
तारीख

6. यदि किसी ध्यक्ति के लिए पान्नता-प्रमाण पन्न (एलिजि-किलिटी सर्टिफिकेट) भावश्यक हो तो उसे भ्रभीष्ट पान्नता प्रमाण- पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतायनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्न भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न में अथवा किसी सही सूचना को न छिपायें।

उम्मीववारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पन्न प्रथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रविध्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें भीर न उसमें कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए झ्ठे प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या ग्रधिक प्रमाण-पन्नों या उनकी प्रतियों में कोई प्रमुद्धि प्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 8. ग्रावेदन-पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के खप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि ग्रावेदन-प्रपत्न ही प्रमुक तारीख को मेजा गया था। ग्रावेदन-प्रपत्न का मेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान्न हो। गया है।
- 9. यदि परीक्षा से संबद्ध भावेदन-पन्नों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने भावेदन-पन्न की पावती (एक्नालेंजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।
- 10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशी घ दे दी आएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया आएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को प्रपने भावेदन-पक्ष के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा भायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानवारी के लिए उसे भायोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह भ्रपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो आएगा।
- 11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पक्षों से संबद्ध पुस्तिकाओं की बिकी प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिस्ली-110006 के द्वारा की जाती है भीर उन्हें वहां से मेल आईर भ्रथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, सी क्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिरली-110001 (ii) प्रकाशन बाखा का बिकी काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा संघ लोक सेवा श्रायोग का कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 श्रीर (iii) गवर्नमट भ्राफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीवा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफरिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेटो से भी प्राप्त की जा, सकती हैं।

- 12. अधिवन-पक्ष में संबद्ध पक्ष-ग्यवहार:---आवेषम-पत में संबद्ध सभी पत आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजें जाएं सथा उनमें नीचे लिखा क्योंशा अनिवार्य रूप से दिया जाए:---
  - 1. पर्राक्षा का नाम
  - 2. परीक्षा का महोना और वर्ष
  - रोल नंबर अथवा उम्मीववार की जन्म तिथि यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
  - 4. उम्मीदवार का माम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
  - 5. आवेदन-पन्न में दिया गया पन्न-ध्यवहार का पता

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th December 1975

No. A.32014/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Khurana, an officiating Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) in the cadro of the Union Public Service Commission, to officiate as Private Secretary (Selection Grade of CSSS), in the same cadre on a temporary and ad hoc basis for a period of 46 days from 1st December 1975 to 15th January 1976 or until further orders, whichever is earlier.

R. S. AHLUWALIA, Under Secy. Union Public Service Commission.

#### CABINET SECRETARIAT

# DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th December 1975

No. T-/269-V.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Vardarajan, an I.P.S. Officer of Maharashtra Cadre (1957) to officiate as Deputy Inspector General of Police, C.B.I./S.P.E. with effect from the forenoon of 2nd December 1975 in a temporary capacity, until further orders.

K. K. PURI, Deputy Director (Admn.) C.B.I.

#### New Delhi, the 5th December 1975

No. A-19036/14/75-AD-V.—In supersession of Notification of even number dated 26th November 1975 the D/CBI and I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri R. S. Shukla, a deputationist Inspector of Police of Madhya, Pradesh Police Department as officiating Deputy Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 15th November 1975 until further orders.

#### The 11th December 1975

No. A,20023/5/75-AD-V.—Dy. Director (Admn), C.B.I. and Dy. I.G. of Police, SPE hereby appoints, Shri S. V. Palnitkar, a deputationist from Maharashtra State Police, as P.P. in the CBI with effect from the forenoon of 10th November, 1975 until further orders

#### The 15th December 1975

No. A.35018/15/75-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Amal Kumar Bhattacharjee Inspector of Police, West Bengal State Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment. Division of the Central, Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 25th November 1975 untill further orders.

No. PF/M-68/66-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri M. D. Agharkar, Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation GOW, Bombay on promotion. 20 officials as Sundt of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, GOW, Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st December 1975 until further orders.

16-406GT/75

13. पते में परिवर्तनः उम्मीविधार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके अनिवन-पद्म में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित स्यौरे के साथ यथा-शीझ वी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान वेने का पूरा-पूरा प्रयस्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

2. Shri M. D. Agharkar relinquished charge of office of Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation GOW, Bombay on the forenoon of 1st December 1975.

G. L. AGARWAL, Administrative Officer (E) C.B.l.

#### New Delhi, the 11th December 1975

No. M-11/74-AD-V.—Shri Madan Lal Kalra, Executive Engineer, C.B.I. relinquished charge of the office of Executive Engineer in the C.B.I. on the afternoon of 26th November 1975. His services have been placed back at the disposal of the Engineer-in-Chief, C.P.W.D., New Delhi with effect from the afternoon of 26th November 1975.

V. P. PANDEY, Administrative Officer (E) C.B.I.

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL CRP (FORCF)

New Delhi-110001, the 5th December 1975

No. F.2/33/75-Estl(CRPF).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gairola, Dy. SP (Coy. Comdr/Quarter Master) on promotion as Assistant Commandant on ad-hoc basis in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Consequent on his promotion on ad-hoc basis, Shri S. P. Gairola took over charge of the post of Assistant Commandant 56th Bn CRP Force on the afternoon of 30th October 1975.

No O.II-1013/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Manoranjan Das, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 30th June 1975.

2. Dr. Manoranjan Das, has been poted to 2nd Bn, CRPF.

#### The 6th December 1975

No. O.II-1245/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Rakesh Mohan Sharma Dy. SP, 22nd Bn.. CRPF. with effect from the forenoon of 27th October 1975.

#### The 10th December 1975

No. O.II-38/71-Estt.—Consequent on his repatriation to the Army, Lt. Col V. K. Raj handed over the charge of the nost of Commandant, Group Centre, CRPF, Avadi (Madras) on the afternoon of 18th November 1975

#### The 12th December 1975

No. O II-429/69-Estt.—Consequent on attaining the age of superannuation. Shri Dayal Singh, Dy. SP 12th Rn CRP Force has relinquished charge of his post on the afternoon of 5th November 1975.

A K BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm)

# OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 5th December 1975

No. E-32015(2)/7/74-Ad I -The President is pleased to appoint the following personnel (direct entry) to officiate as Deputy Superintendent of Police in the Central Industrial Security Force with Hors at Fraining College, Hyderabad with effect from the date (s) noted against each, until further orders :

- (a) Sh. Harsha Vardhan Chaturvedi-1.10.75 (FN).
- (b) Sh. Narinder Kumar Khajuria— do-(c) Sh. Shri Ranbir Rattan Bhardwaj— do--do-(d) Sh. Harwinderjit Singh-
- 14-10-75(FN) (c) Sh. Diwan Singh Badwal-

L. S. BISHT, Inspector General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th December 1975

11/13/75-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri H. P. Rymbai, an officer of the Assam Civil Service I as Assistant Director of Census Operations, Meghalaya in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th October 1975 until further orders.

The headquarters of Shri Rymbai will be at Shillong.

BADRI NATH, Deputy Registrar General, India & ex-officio Deputy Secretary

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi-110001, the 9th December 1975

No. Admn. I/0.0692/PF/G.S Joneja/3138—In persuance and on the expiry of the notice served by Sh. G. S. Joneja on this. office, under F.R. 56(R) for retiring from Govt. Service often attaining the new of 50 years the Assertation County after attaining the age of 50 years, the Accountant General, Central Revenues, has permitted Sh. Joneja to retire from Gove Service with effect from 30th November 1975 (A.N.)

The date of birth of Sh. Joneja is 13th April 1925.

#### The 12th December 1975

Admn. 1/O.O. 705/5-8/70-76/3153.—The Accountant General has ordered proforma promotion under 2nd proviso to F. R. 30(i) in the Accounts officers' Grade in the time scale of Rs. 840-1200 of the following Section officers of this office/Asstt. Supdts. of the C. A. G's. office (allotted proforms to this office), retrospectively from the dates shown against their names, until further orders :-

S. No,	Name	_	Date of proforma promotion as A. O.	Remarks
	S/Shri			
1.	J. N. Behl, S. O		26-6-73 (F.N.)	
2.	G. S. Joneja, S. O.		1-1-74 (F.N)	
3.	Brij Bhushan, S. O.	٠	17-1-74 (F.N.)	In respect of Sh. Brij Bhushan this notification is in Supersession of notification No. Admu 1/5-8/70-74/2846 dated 15-2-74.
4.	S. R. Chawla, Asstt. Supdt. (CAG's Office)	•	17-1-74 (F.N.)	
5.	P. C. Gupta, S. O.		25-1-74 (F.N.)	
6.	Amar Nath I. S. O.		31-1-74 (F.N.)	
7.	Amar Nath II, S. O.		2-5-74 (F.N.)	
8.	K. N. Bali, S. O		24-6-74 (F.N.)	

H. S. DUGGAL, Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 27th November 1975

No. 1-18 1/8-312/9/4-75/341.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. Durga Prasada Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhara Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 26th November 1975 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

#### December 1975

No. E.B.I/8-312/74-76/344.—The Accountant Andhia Pradesh-I, has been pleased to promote Sri G. R. Vidyasagar a Section Officer in the Office of the Accounts General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 22nd November 1975 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEF

Sr Deputy Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS & MISC

New Delhi, the 5th December 1975

No. Admn.I/2(4)/V/9007-15.—The Accountant General, Commerce, Works & Misc. New Delhi is pleased to promote on provisional basis Shri H N. Kaulaskar Section Officer as Accounts Officer in the office of the Sr. Dy. Accountant General, Commerce, Works & Misc., Bombay w.e.f. 24th November 1975 (F.N.) until further orders.

#### The 16th December 1975

No. Admn 1/2(4)/V/9117-27.—The Accountant General, Commerce, Works & Misc.. New Delhi has been pleased to promote on temporary and provisional basis Miss Suiata Gupta, Section Officer as an Accounts Officer in the Office of the Sr Dy. Accountant General, Commerce Works and Misc., Calcutta w e.f. 24th November 1975 (F.N.) until further orders.

B. B. DEB ROY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

## DEFENCE ACCOUNT DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLL FR GENERAL OF **DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 29th November 1975

No. 23012 (1)/75/AN-A (Vol.II).- The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Perminent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each :--

Ì

Sl. 70.	Na mo	Organisation in which serving	Date of effect
	Sarvashri		
1.	M. Krishnamurthy , .	CDA (Fys) Cal-	1-2-1975
2.	B. G. Krishnamurthy .	CDA (Fys) Calcutte.	1-2-1975
3.	Bhagat Ram Bhala .	CDA (Fys) Cal-	1-2-1975
4.	R. B. Balasundram .	CDA (Fys) Cal- cutta	1-2-1975
5.	Harbans Lal Anand	CDA Patno	1-2-1975
6.	R. Subramaniam .	CDA (ORs) North Meerut	1-2-1975
7.	Satya Prakash Behl .	CDA (AF) Deh- ra Dun	1-2-1975
8.	Gulab Singh Vorma .	CDA CC Mee-	27-2-1975
9.	Diotallia Maria	South Madras	28-2-1975
10.	Purushotham Dass Makke	r CDA (Pensicns) Allahabad	1-3-1975
11.		CDA WC Mceru	t 1-3-1975
12.	A. V. Prakasam	CDA SC Poona	1-3-1975

i. K. SUNDARAM Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin.)

# MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 2nd January 1976
No. 23/3/75-CPI.—The All India Consumer Price Index
Number for Industrial Workers on base: 1960=100 decreased by he point to reach 315 (Three hundred and fifteen) during the month of November, 1975. Converted to base, 1949=100 the Index for the month of November, 1975 works out to 383 (Three hundred and eighty three).

K. K. BHATIA, Director.

#### COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION Jagjivannagar, the December 1975

No. P.8(9)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby nominate the Sub-Area Manager, Ib Valley Sub-Area, Orient Colliery, P. O. Brajrajnagar, Dist. Sambalpur, Orissa as Employers' representative on the Orissa Coalfield Sub-Committee constituted in Notification No. P.8 (9)67 dated 12th January 1973 and subsequent amendment vide Notification of even number dated 7th February 1974 vice Shri S. K. Mukherjee, Sub-Area Manager, Sambalpur, Orissa and makes the following amendments in the said noti-Orissa and makes the following amendments in the said noti-

For the entry "Sl.No. 4—Shri S K. Mukherjee, Sub-Area Manager, Sambalpur, Orissa"—an entry "Sl.No.4—The Sub-Area Manager, Ib Valley Sub-Area, Orient Colliery, P.O. Brajrajnagar, Disc. Sambalpur, Orissa" shall be substituted.

R P. SINHA, Coal Mines Welfare Commissioner,

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER Bombay-400020, the 9th December 1975

No. CER/6/75.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) order 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T. C. (4)/58, dated the 7th March, 1958. namely:

In the Table appended to the said Notification in column 2 againsts. No.4, after item (xxviii) the following entries shall be added, namely :--

Joint Director of Handlooms, Powerlooms & "(xxix) Co-operative textiles (ADM), Nagpur.

(xxx) Joint Director of Handlooms Powerlooms & Co-operative Textiles, (Tech.), Nagpur.

The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Powerlooms & Co-operative Tex-(XXXI) tiles, Nagpur.

The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Powerlooms and Co-operative (iixxx) Textiles, Bombay.

The Regional Deputy Director, Directorate of Handlooms, Powerlooms and Co-opearative Textiles, Sholapur" (xxxiii)

## G. S. BHARGAVA, Joint Textile Commissioner.

#### Bombay-400020, the 11th December 1975

No. EST I-2(635).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 21st November 1975 and until further orders Shri William Pereira. Superintendent in the Weavers' Service Centre, Bombay as Assistant Director, Grade. II (NT) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay.

VIRENDRA B. VERMA, Director

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. Br. A-6)

## New Delhi, the 11th December 1975

No. A6/247(580)/67.—Consequent on his reversion from Metallurgical Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Class I to Grade III of the Service, Shri S. K. Pandey relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspec-tion (Metallurgical) in the Metallurgical Inspectorate, Jamshedpur in the atternoon of the 31st October 1975 and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Metallurgical) at Rourkela in the same Inspectorate in the forenoon of 1st November 1975.

#### The 12th December 1975

No. A-17011(94)/75-A-6.--The Director General Supplies and Disposals has appointed Shri Sabalendu Das Assit. Director of Supplies (Grade II) in the Headquarters office of the Directorate General of Supplies and Disposals to officiate as Assit. Inspecting Officer (Met. Chem.) in the Bumpur Inspection Circle w.e.l. the forenous of the 21st November 1975 until further orders November 1975 until further orders.

Shri Das relinquished the charge of the post of Asst. Director of Supplies (Grade II) in the Hqrs. office of DGS &D, New Delhi on the after noon of 10th November 1975 and assumed charge of the post of Asstr. Inspecing Officer (Met. Chem.) in the Bumpur Inspection Circle on 21st November 1975 (F.N.).

No. A6/247(220).—Shri B. P. Sengupta, a permanent Dy. Director of Inspection in Textile Branch of Grade II of the Indian Inspection Service Class I and officiating Director of Inspection in Grade I of the Indian Inspection Service Class I in the N.I. Circle, New Delhi under the Directorate General of Supplies & Disposals actived from Govt, service on the alternoon of 30th November 1975 on attaining the age of superannuation.

> SURYA PRAKASH, Dy Director (Administration) for Director General of Supplies and Disposals

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 11th December 1975

No. 760U/B/12/72(SLD)/19A.—Shri Sokan Lal Dugar, Assistant Cost Accounts Officer, Geological Survey of India, relinquished charge of his duties on the afternoon of the 16th November 1973 on resignation.

V. K. S. VARADAN, Director General

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th November 1975

No. A19012(44)/71-Estt.A.-Shri M.V.V. Peri Sastry, his reversion back from the Ministry of Energy, Department of Coal, has taken over charge of the post of Mineral Officer (Statistics) in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 8th July 1975.

#### The 10th December 1975

No. A19011(68)/75-Eset.A.—Shri S. L. Rai, Deputy Mineral Economist (Intelligence), on his reversion back from the United Nations Technical Assistance Recruitment Service has taken over charge of the post of Deputy Mineral Economist (Intelligence) with effect from the forenoon of 23rd October 1975.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Administrative Officer for Controller

# SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehradun, the 9th December 1975

1200 with effect from 14th November 1975 (FN)

No. C-5030/718-A.-Shri S. D. Kararia, officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Fstablishment and Accounts Officer (GCS Class II) Map Record and Issue Office. Survey of India, Dehra Dun on an ad-hoc basis on pay of Rs. 840/- pm. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st December 1975 (FN) vice Shri B. R. Pant. Establishment & Accounts Officer retired on superannuation.

No. C-3031/718-A.—Shri R. N. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment & Accounts Officer (GCS Class II), Map Publication Office, Survey of India, Debra Dun on an ad-hoc basis in a short term leave vacancy on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st December 1975 (FN) vice Shri H. Banerjee, Establishment & Accounts Officer proceeded on leave.

HARI NARAIN, Surveyor General of India (Appointing Authority)

# DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-700019, the 12th December 1975

No. 35-2/75/Estt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Sudarshan Mukherjee, permanent Field Officer, is promoted to officiate in the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation w.e.f. 10th December 1975 until further orders.

S. P. DAS GUPTA, Director

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 6th December 1975

No. A,19012/7/75-Est.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri M. S. Shantaram, Field Exhibition Officer, B. G. Coach Unit, Madras, to officiate as Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in this Directorate with effect from the forenoon of the 29th October 1975 on a purely ad-hoc basis until further orders.

R. L. JAIN, Deputy Director (Admn) for Director of Advertising & Visual Publicity

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th December 1975

No. 4(9)/75-SI.—The Director General, All India Radio here by appoints Shri G. S. Hiranyappa as Programme Executive, All India Radio, Bangalore in a temporary capacity with effect from the 30th October 1975 and until further orders.

SHANTI LAI, Deputy Director of Administration, for Director General.

#### New Delhi, the 5th December 1975

No. 2/12/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. Subhindra Rao, SEA, All India Radio, Parbhani to officiate in the grade of Assistant Engineer on ad-hoc basis with effect from 15th November 1975 at TV Centre, All India Radio, Bombay until further orders.

#### The 12th December 1975

No. 4(115)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. C. Kachari as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from the 15th October 1975 and until further orders.

P. K. SINHA, Deputy Director of Administration for Director General.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd December 1975

No. 20/6(2)/75-CGHSI.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. Vinod Kumar, Junior Medical Officer (Adhoc), relinquished charge of post of G.D.O. Grade II Junior Medical Officer on 29th October 1975. (After Noon).

K. VFNUGOPAL, Deputy Director (Admn.) for Director General of Health Services.

#### New Delhi, the 5th December 1975

No. F9-33/75-CGHSI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Sma.) A.M. Joshi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health

Scheme, Bombay under this Directorate, on a purely ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 27th October, 1975 and until further orders.

K. VENUGOPAL, Deputy Director Administration (CGHS)

#### New Delhi, the 10th December 1975

No. 11-3/74-Admn.-I.(Vol.III).—The President is pleased to appoint Shi G. Pandhapakesan, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. to officiate in Grade I of the C.S.S. for the further periods mentioned below:—

- From 13th September 1975 (FN) to 20 the September 1975 (A.N.).
- From 25th September 1975 (FN) to 12th November 1975 (F.N.).
- 2. The President is also pleased to appoint Shri G. Panchapakesan as Deputy Director (Admn.) in this Directorate for the above periods.

A. SURIN, Deputy Director Administration

#### New Delhi, the 11th December 1975

No. 17-8/75-SI.—On retirement from Government Service, Shri S. Rajasekharan, an Assistant Depot Manager of the Medical Store Organisation relinquished charge of the said post in the Medical Store Depot, Bombay on 30th November 1975 (A.N.).

SANGAT SINGH, Deputy Director Administration (Stores)

# MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 11th December 1975

No. F/4-6(20)/74-A.I.—Consequent on his joining as Controller of Imports and Exports at Panaji, under the Ministry of Commerce, Shri R. P. Dhaundiyal, is deemed to have resigned his post of Assistant Marketing Officer in this Directorate, with effect from 4th May 1975 (A.N.).

E. S. PARTHASARTHY, Agricultural Marketing Adviser

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra-401504, the 19th November 1975

No. TAPS/ADM/634-III.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Engergy, appoint, S/Shri Hari Nath Singh Gau and P. K. Chopra as Sciencific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 19, 1975 until further orders.

#### The 27th November 1975

No. TAPS/ADM/735-A.—On his posting by the Cadre Authority, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri S. Thriambaknath, a temporary Senior Stenographer of Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in the Tarapur, Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of November 20, 1975 until further orders.

K. V. SETHUMADHAVAN, Chief Administrative Officer

# POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION (NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-400005, the 31st October 1975

No. NAPP/1(26)/75-Adm,3806.—On his repatriation from Bharat Pumps & Compressors Limited, Allahabad to Narora Atomic Power Project, Shri R. K. Bali, Senior Personnel Officer relinquished charge of his post in Bharat Pumps & Compressors Limited, Allahabad on the afternoon of July 8 1975 and assumed the charge of the post of Administrative Officer-II in the Narora Atomic Power Project at Narora on the forenoon of July 15, 1975.

2. Shii Bali shall continue to hold the post of Administrative Officer-II in NAPP until Turther orders

#### The 5th December 1975

No. PPLD/3(236)/75-Adm.13223—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay, hereby appoints Sari R. R. Save, a temporary Scientific Assistant 'B' of this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

No. PPED/3(236)/75-Adm.13224.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. Rajagopala Rao, a temporary Scientific Assistant 'C' in this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of November 1, 1975 until further orders.

N. G. PARULEKAR, Administrative Officer for Director

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 11th December 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Shubhanker Dutta as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 19th September 1975 Forenoon until further orders.

No. AMD/1/1875-Adm.—The Director. Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Dilip Haripant Joshi as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 11th December 1975 Forenoon until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer.

#### REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 21st November 1975

No. RRC-II-1(26)/72-24381.—Project Director, Reactor Research Centre appoints Shri Porunchapukkain Venugopulachary Sundararajan an officiating Assistant of this Centre as an Assistant Administrative Officer in the same Centre in an officiating capacity on an adhoc basis for the period from 4th October 1975 to 15th November 1975 vice Shii S. R. Sambasivan, Assistant Administrative Officer reverted as Schior Stenographer.

K. SANKARANARAYANAN, Senior Administrative Officer.

# MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 9th December 1975

No. E(1)05853.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. V. Vaidyanathan, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fourtyeight days with effect from the forenoon of 28th October 1975 to 14th December 1975.

Shri Vaidayanathan, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. F(1)05131.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. R. Seshadri, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of thirtythree days with effect from the forenoon of 27th November 1975 to 29th December 1975.

Shri Seshadri, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

#### The 15th December 1975

No. E(1)04267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. K. E. Raja, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixtytwo days with effect from the forenoon of 17th November 1975 to 17th January 1976.

Shii Raja, Offg. Assistant Meteorologist has been transferred to the office of the Director, Instruments, Poona with effect from the forenoon of 17th November 1975.

M. R. N. MANIAN, Meteorologist, for Director General of Observatories

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th December 1975

No A.31014/1/75-FC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S Sarkar in a substantive capacity in the grade of Assistant Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from 1st January 1975.

Deputy Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 11th December 1975

No. A.32013/5/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. P. Samuel, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay as Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the 8th September 1975 (FN) until further orders and to post him at Aeronautical Communication Station, Calcutta.

V. V. JOHRI,
Asstt Director (Admn.)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 9th December 1975

No A.32013/2/74EA.—The President has been pleased to appoint Shri K. V. P. Iyenger, Aerodrome Officer to the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 24th November 1975 (A.N.) and until further orders. Shri Iyenger is posted at Madras Airport, Madras.

V. V. JOHRI, Asstt. Director (Admn.)

#### New Delhi, the 9th December 1975

No. A-31013/4/75-EH.—The President has been pleased to appoint Shri B. S. Rao, Officiating Deputy Director, Flight, Crew Standards, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same grade with effect from 27th August, 1975

T. S. SRINIVASAN, Assistant Director of Administration

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th December 1975

No. 1/394/75-EST.—Shri Kapoor Singh Guliani, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 14th November 1975, and until further orders.

No. 1/395/75-EST.—Shi Jasbir Singh Sadana, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Bombay Branch, with effect from the forenoon of the 15th November 1975, and until further orders.

#### The 10th December 1975

No. 1/396/75-EST.—Shri A. R. Subramonia Iyer, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Bombay Branch, with effect from the forenoon of the 24th November 1975, and until further orders.

No. 1/381/75-EST.—Shri Y. P. Sarabhai, Permanent Inspector, Directorate General of CRPF, New Delhi, is appointed as Security Officer in an officiating capacity in Headquarters Office, Bombay, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 1st December 1975 and until further orders.

P. G. DAMLE, Director General.

#### Bombay, the 10th December 1975

No. 1/246/75-EST.—The Director General OCS has accepted the resignation from Government Service, of Shri G. B. Tewari, Quasi-permanent Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay, with effect from the afternoon of the 24th November 1975.

P. K. G. NAYAR, Dy. Director (Admn.) for Director General.

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Calcutta, the 12th November 1975

#### CUSTOMS ESTABLISHMENT

No. 1/75.—Shri Ranjit Sen, Office Superintendent, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Administrative Officer, Calcutta Customs House, w.e.f. 21-12-73 (F.N.)

No. 2/75.—Shri A. V. Mudalier, P.O. Gr. I, Calcutta Customs House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.)

No. 3/75.—Shri G. R. Sinha, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.c.f. 8-11-74 (F.N.)

No. 4/75.—Shri A. G. Xavier, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.)

No. 5/75.—Shri C. V. Stephens, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.)

No. 6/75.—Shri J. T. Cranenburgh, P.O. Gr. 1, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.)

No. 7/75.—Shri N. C. Dutta, officiating Appraiser, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.)

No. 8/75.—Shri B. C. Saha, P.O. Gr. I, Calculta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.c.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 9/75.--Shri F. Toppo, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 10/75.—Shii P. K. Roy Laskar, P.O. Gr. 1, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 11/75.—Shri D. C. Roy, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector. Custom House Calcutta, w.c.f. 8-11-74 (P.N.).

No. 12/75.—Shri N. N. Mondal, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 8-11-74 (F N.).

No. 13/75.—Shii H. C. Majumdar, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.c.f. 8-11-74 (F.N.).

No. 14/75.—Shri D. R. Banerjee, P.O. Gr. J, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.e.f. 23-12-74 (F.N.).

No. 15/75.—Shri S. K. Sen, P.O. Gr. I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House, w.c.f. 28-1-75 (F.N.).

D. N. LAL, Collector of Customs

#### Bangalore, the 10th September 1975

No. 14/75.—The following permanent and officiating (S.G.) Inspectors of Central Excise have been promoted to officiate as Superintendents of Central Excise Class II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-E. B.-35-880-40-1000 E. B.-40-1200 and posted to the formations noted against their names:—

SI. No.	Name of the Officer	Formations to which posted	Date of joining
	S/Shri N. D. Thakur P. N. Dandi	MOR Shimoga MOR IX Banga- lore I Division.	4-8-1975 8-8-1975

#### The 15th October 1975

No. 16/75.—The following officiating office Superintendents of Contral Excise have been promoted to officiate as Administrative officer Assistant Chief Accounts officer of Central Excise Class II in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-E. B.-35-880-40-1000-E. B. 40-1200, and assumed charge as Administrative Officers/Assistant Chief Accounts Officer in the formations noted against their names.

Sl. No.	Name of the Officer	Formations to which posted	Date of joining
	S/Shrı		<del></del>
١.	M. K. Rumachandra	Administrative Officer I. D. O., Nipani.	15-9-1975
2.	C. L. Ajjegowda	Administrative Officer, I. D. O., Bangalore II Division	1 <b>4-8-1</b> 975 А.N.
3.	K. S. Suşaimaniçkam	Assistant Chief Accounts Officer Headquarters Office, Bangalore	13-8-1975
4.	B. R. Phatate	Administrative Officer, I. D. O, Mangalore Cus- toms Division	11-9-1975
5,	B. K. Bagalwadı	Administrative Officer, I. D. O. Mangalore Central Excise Division	12-9-1975

S. VENKATARAMA IYER, Collector

#### NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 15th December 1975

No. 36.—Shri M. S. Bansal, Intelligence Officer, Narcotics Intelligence Bureau, Narcotics Commissioner's Office, Gwalior is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st October 1974.

No. 37.—Shii Gorakh Nath, Superintendent (Ex.), Ghazipur is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st May 1975.

No. 38.—Shri S. K. Ghoshal, District Opium Officer, Neemuch-V, Division is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—f'B—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st February 1974.

A. \$HANKER, Narcotics Commissioner of India

#### CFNTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 11th December 1975

No. A-19012/217/75-Adm.V.—Consequent on his reversion back to his parent Department i.e. India Meteorological Department, Lodi Road, New Delhi, Shri J. K. Khanna, relinquished charge of the post of Extra Assistant Director (Hydro-Met.) in the Central Water Commission, with effect from the forenoon of the 10th November 1975.

No. A-19012/471/74-Adm, V.—In continuation of this Commission's notification of even number dated 26th August 1975 the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. L. Ahluwalia to officiate in the post of Special Officer (Documentation) in the Central Water and Power Research Station, Poona, on a purely temporary and ad-hoc basis, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, for a further period upto 29.2.76 or till the post is filled, on a reguar basis, whichever is earrier.

#### CORRIGENDUM

The 12th December 1975

No. A-19012/514/74-Adm.V.—The date 14th December 1974 appearing in this Commission's Notification No. A-19012/514/74-Adm.V. dated 23rd July 75 may be substituted by the date 10th December 1974."

No A-19012/544/75-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Ulhas Viswanath Purandare to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Civil) in the Central Water and Power Research Station, Poona, Central Water Commission in the pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB -40-1200 with effect from the forenoon of 15th November 1975

Shri U. V. Purandare will be on probation for a period of two years with effect from the above date and time.

K.P.B. MENON, Under Secy. for Chairman, C.W. Commission

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 6th December 1975

No. 3-374/75-C.H.(Estt.).—Consequent on his selection by U.P.S.C. Shii K.V.S. Sastry is hereby appointed to the post of Asstt Hydrogeologist G.C.S. Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in the C.G.W.B. with his headquarter at Bhopal (M.P.), w.e.f. 10th November 1975 (F.N.) till further orders.

No. 3-412/75\_C.H. (Estt.).—Shri J. N. Rai is hereby appointed to the post of Asstt. Hydrogeologist G.C.S. Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30\_740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in the C.G.W.B. with his headquarter at Nagpur w.c.f. 14th November 1975 (F.N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH, Chief Hydrogeologist & Member

#### Faridabad-121001, the 12th December 1975

No.3-424/75-Estt.II.—Shri M. M. S. Dhillon is deemed to have been appointed to officiate as Store Officer (CGS Class II Gazetted) on ad-hoc and temporary basis we f. 7th May 1973 in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 with his headquarters at Central Ground Water Board, Narmada Project, Bhopal.

Shri Dhillon will however, get his pay in the capacity of Stores Officer w.e.f. 1st September 1975 i.e. the date from which he actually took over charge of the post.

D. PANDEY, Superintending Engineer

# OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 6th December 1975

No. 5/6/75-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the results of the Engineering Services Examination 1974 on probation in the CES Class I/CEES Class I in the C.P.W.D. against temporary posts of Assit, Executive Engineer (Civil)/Assit, Fx, Engineer (Elect.) with effect from the dates mentioned against their names:—

CES Class I S/Shri

1. Jagdish Chander Wason	19-11-75
2 Sushant Baliga	20-11-75
3 Lekhrai Singh	24-11-75

CEFS Class T 1. Anil Kumar Jain

20-11-75

S S. P. RAU, Dy. Director of Administration

# DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Messes
MAKSUDPUR REFRIGERATION INDUSTRIES
PRIVATE LIMITED [Section 445(2)]

Patna-1, the 4th December 1975

No. (425)-Liq/4613.—By an order dated the 31st October 1975 of the High Court of Iudicature at Patna in Company

Position No. 2 of 1975 it has been ordered to wind up Messis MAKSUDPUR REURIGITATION INDUSTRIES PRIVATE

S. P. VAYAL, Registrar of Companies, Bihar.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s.
The Eastern Zalawad Motor Transport Company
Private Limited

Ahmedabad, the 6th December 1975

No. 648/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s The Eastern Zalawad Motor Transport Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA. Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act 1956 and of Raipur Metal Products Private Limited

Gwalior-474001, the 9th December 1975

No. 906/Liqn/1863.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Raipur Metal Products Private Limited, Raipur has been ordered to be wound up by an order dated 3rd October 1975 passed by the High Court of Madhya Pradesh, Jabalpur and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the liquidator of the company.

MAHESH PRASAD. Registrar of Companies, Madhya Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of JAISWAL TOURIST PRIVATE LIMITED

Hyderabad, the 9th December 1975

No. 1281/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jaiswal Tourist Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> O. P. JAIN, Registrar of Companies, Andhra Pradesh

Notice Under Section 247(4) of the Indian Companies Act, 1913, in the matter of National Steel Corporation Ltd., (in Lign.)

Calcutta-700001, the 10th December 1975

No. L/10898/D-738.—Whereas under section 247(4) of the Indian Companies Act. 1913, I have reasonable cause to believe that the affairs of the Company are fully wound up and the returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six(6) consecutive months.

I. therefore, hereby notify that at the expiration of three(3) months from the date of this notice, the name of the Company will. unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies, West Bengal

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 4th December 1975

No F. 48-Ad(AT)/75-P.II.—Shi M M. Prasad Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate on ad hoc basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal. Cuttack Bench, Cuttack upto 30-9-1975 (Afternoon) vide this office Notification of even number dated 31st July 1975, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack on ad-hoc basis for a further period of six months from 1-10-1975 to 31-3-1976 or till the post is filed up on regular basis, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR
. President.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 'NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. III/June/314 (10)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 share of Property No. XV/2358 situated at Chuna Mandi Pahargani, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 9-6-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'sald Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

- Shri Ram Nath Anand s/o Shri Thaker I Anand 1/o No. 17, Babat Road, New Delhi. (1) Shri Thakar Das (Transferor)
- (2) Shri Surinder Singh s/o Shri Ghcra Singh, r/o 2657/8, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi. (Transferee)
- (3) (i) M/s. Prem Nath Suraj Bhan (ii) Shri Hari Krishan of M/s. Wadhwa Medical
  - Stores,
    (iii) M/s. Polson Dry Cleaners, all r/o XV/2358,
    Delhi Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One half share of property No. XV/2358, built on lease hold of land measuring total area 417 sq. yds. situated Mandi, Paharaganj, New Delhi and bounded as plot

East: House of Shri Paras Ram and Shri Sukha. West: Road known as Rajguru Road, Chuna Mandi. North: House of Shri Ram Nath and Shri Bhola. South: Remaining half portion of property No. XV/

S. C. PARIJA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 17-12-1975

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. 1/2039(971)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

3 shops at No. 1853

situated at Bissmal Colony, Bhagirath Place, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-5-1975.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—406 GI/75

Smt. Gindo Bai w/o
 L. Sh. Bishamber Nath
 r/o, 1808, Bissmal Colony, Bhagirath Place,
 Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satyapal Bansal, s/o Shri Jagdish Rai Advocate r/o B-15. Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three shops measuring 28'.10"×25'×15' constructed on ground floor of the property bearing No. 1853 Bissamal Colony, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi and bounded as under:....

North: Passage

South: Wall and owners property.

East: Wall and other portion of the property.

West. Wall and other portion of the property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOMERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSII. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II. 4-A/14, ASAF ALI ROND. NEW DEI HI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref No. IAC/Acq. II/1962/972/75 76 - Whereas. S. N. L. Agarwala,

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property.

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 3 shops at No. 1853

situated at Bissmal Colony, Bhugirath Place, Ch. Chowk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 9-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated,

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act.' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :--

(1) Smt. Gindo Bai w/o L. Sh Bishember Nath 7/0, 1808, Bissmal Colony, Bhaglrath Place, Chandni Chowk, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Satyapal Bansal, 5/0 Shri Jagdish Rai Advocate, r/0 B-15. Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three shops measuring 29'.9"×25'×15' constructed ground floor of the property bearing No. 1853 Bissamal Three Colony, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi and bound-

ed as under:

North: Passage
South: Wall and owners property.

Wall and other portion of the property.
Wall and other portion of the property. East: West

> S N. L. AGARWALA, Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date · 17-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.11/1915(973)/75-76,—Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 27

situated a Ghokle Market, Opp. Its Hazari Court, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afotesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Harbans Lal s/o Shri Lachman Dass, r/o C-3/17, Green Park, New Delhi.

(Iransferor)

(2) Smt. Gurdevi w/o S. Jagat Singh Kohli, r/o 5293, Basant Road, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 27 situated in Gokhale Market, Opposite New Courts, Tis Hazari, Delhi constructed on a land measuring 563 sq. ft. charged 2/3rd to Ground floor and 1/3rd to first floor.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date 1/-12-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1920 (974)/75-76.—Whereas, I. S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6161 (Ground floor)

situated at Pakki Gali, Bara Hindu Rao, Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 18-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transferor; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said \ct', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Shri Harnam Singh, s/o
 Inder Singh
 r/o D-13-A/9 Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Dhare Agarwal, s/o Shri Jai Lal Agarwala, r/o 3613, Bara Hindu Roa, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor of the property house No. 6668-69 (old) and 6161 (New) Ward No. XIII situated in Pakki Gali, Bara Hindu Rao, Delhi on a free-hold plot of land measuring 91 sq. yds. and bounded as under;

East: Property No. 6160. West: Property 6162 South: Bahadurgarh Road. North: Gali and thorough fare.

S. N. L. AGARWALA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 19-12-1975

#### FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shii Harnam Singh s/o Inder Singh, D-13A/19, Model Town, Delhi.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Vishnu Bhagwan, 9/0 Shii Ram Dhare Agarwal, 3613, Bara Hindu Rao, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1921(\$75)/75-76.--Whereas. I. S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(here nafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 6161 (First floor)

situated at Pakki Gali, Bara Hindu Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18-4-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfetor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

larst floor of the property house No 6668-69 (old) and 6161 (New) Ward No. XIII situated at Pakki Gali, Bara Hindu Rao, Delhi on a free-hold plot of land measuring about sq. yds. and bounded as under.

East: Property No. 6160. West: Property 6162 South: Bahadurgarh Road. North: Gali and thorough fare.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date . 19-12-1975

#### , FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/316(976)/75-76.—Whereas, J S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-7/54 situated at Krishan Nagar, Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-4-1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Devkl Devi Manga w/o Shri Devi Dass Manga,
 r/o A-7/54, Lal Quarter, Main Road,
 Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Rani w/o Shri Amar Nagh, 1/o 160. Teliwara, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPIANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A built up property bearing Municipal No. XI/284/(old) and A-7/54 (New) built upon the portion of the plot No. A-7/51 constructed on land measuring 661 sq. yds situated at Krishan Nagar, Delhi-51 & Bounded as under:—

East : Mail Lal Quarter

West . Road

North: Remaining portion of the property. South: Remaining portion of the property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Date . 17-12-1975

Scal:

#### FORM LINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14. ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.Π/350/977/75-76.—Whereas. 1 S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/~ and bearing No.

G-40 situated at Radhey Puri, Illaqa Shahdara, Delhi-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following person's, namely:—

(!) Shri Gian Singh s/o
 Shri Khushia Singh. r/o
 H-5/22, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

1. Shri Kewal Krishan s/o Shri Harbans Lal
 2. Shri H. A. Meghji s/o Shri A. M. Meghji,
 r/o A-7/22, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1½ storeyed house constructed on plot of land measuring 100 sq. yds (being Southern portion of the entire plot measuring 200 sq. yds.) situated at No. G-40, Radhey Puri, Village Khureji Khas, Shahdara, Delhi and bounded as under —

North: Portion of plot No. G-40.

South: Plot No. G-39
East: Others land
West: Road 20 ft.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1975

Scal:

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. JAC/Acq. II/1953/978/75-76.—Whereas, S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

31 situated at Gandhi Gali, Fatehpuri, Delhi-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the registering officer at Delhi on 30-4-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to following persons, namely:---

- (1) Shri Pucaray Lal Kapoor, s/o Shii Ram Saroop Kapur, r/o 58, Vaidwara Street, Meerut City (U.P.). (Transferor)
- (2) Shri Naraindera Kumar Khurana and Shri Chander Mohan Khurana, s/o Shri Des Raj r/o 51, Gandhi Gali, Fathey Puri, Delhi-6

(Transferce)

- (3) 1. Shri Sadano Mohan, 2. Shri Dau Dayal,

  - 3. Shri Narinder Khurana, 4 Shanti Saroop Baljal,

r/o 51 Gandhi Gali, Fatcheypuri, Delhi-6.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storeyed house bearing Municipal No. 51 Ward No. III situated at Gandhi Gall, Fatheypuri, Delhi with land underneath measuring 252 sq. yds, and bounded as under:

East: House of I ala Har Saroop West: House of Lala Kure Mal North . House of Lala Chand Saroop. South: House of Lala Munni Lal.

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II. 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. 11/2053/979/75-76 - Whereas I, S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 159

situated at Village Dhirpur, Sant Nirankari Colony, Delhi-9 (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-5-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparrent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the Said Act', I hereby initiate proceeding for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice (under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely

18 - 406GI 75

(1) Smt. Avtar Kaur w/o S Anand Singh, r/o Village Defort, P.O. Madnokev, Disti Amritsar (PUNJAB)

(Transferor)

Shri Gurbaksh Singh, House No. 99, Sant Nirankari Colony, Delhi-9. (2) Shri Bishan Singh s/o

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The ierms bus expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 300 sq. yds. part of Khasra No. 159 situated in the colony known as Sant Nirankari Colony Delhi-9 area of Village Dhirpur, Delhi state, Delhi and bounded as under :...

North: Land of Amar Singh

South: Gali 10' East: Road 40' West: Road 10'

> S. N. L. AGARWALA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date 19-12-1975

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR

NEW DELHI

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1904(980)/75-76.--Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

B-181, situated at Majlish Park, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons namely:

 Shri Om Parkash Sethi s/o Shri Lal Chand Sethi, r/o B-206, Majlish Park, Delhi-33.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Anand, s/o Shri Makhan Lal, r/o B-181, Majlis Park, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11 storeyed house constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds. situated at plot No. 181 in Block B out of Khasra No. 6, in the village Bharola, in abadi of Majlish Park, on G. T. Road, Delhi State and bounded as under —

North: Road

South: Property No. B-101 East: Property No. B-180 West: Property No. B-182

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date . 19-12-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 19th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1946/981/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1322, 23 Ward No. XIII.

situated at Faiz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

Shri Koddu Mal s/o
 Shri Sunder Dass, r/o
 1321, Faiz Ganj, Bahadurgarh, Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o S. Tirath Singh, r/o 1322-23, Faiz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi.

(Transferee)

(3) Smt. Dadan Bai, 1322, 23, Faiz Ganj, Delhi-6. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of measuring 108 sq. yds. situated at No. 1322, 23 Ward No. XIII Gali No. 3 Faiz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi and bounded as under:—

East: Property of others West: House No. 1324 North: House No. 756

South: Door,

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 19-12-1975

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. 1AC/Acq.II/1882(997)/75-76.--Whereas, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 38 Block 65 situated at W.E.A. New Rohtak Road, New Delhi

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April, 1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act.' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :-

(1) Shri Sat Pal Kaur, w/o Shri Sunder Singh, r/o 2382/12, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Rani Sehgal, w/o Shri K. K. Sehgal, r/o 5-C/73, Rohtak Road, New Delhi-5.

(Transferec)

(3) 1. Shri S. M. Singh Shri P. V. Raman
 Shri V. Ramachandran 4. Shri Kaushal Rai All r/o 38/65, W.E.A. Rohtak Road. New Delhi. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

21 storeyed house constructed on a corner plot of land measuring 273 sq. yds, at plot No. 38 Block 65, W.E.A. Rohtak Road, New Delhi and bounded as under:

North: Road

East: Road South: Property No. 37 West: Service Inne

S. N. L. AOARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, . Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

FORM ITNS----

#### -===

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

New Delhi, the 23rd December 1975

NEW DELHI

Ret. No. [AC/Acq.II/1995(996)/75-76,---Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2187 Ward No. IX situated at Gali Nalwali, Pahari Bhojia. Chitle Qabar, Delhi

(and more fully described in

the Schedule annexed heleto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi on 7-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the tain market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the tair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the bollowing persons, namely:—

S/Shti

- (1) J. Mohammad Irafai
  - 2. Mohammed Ahsan
  - 3. Mohammad Rizwan
  - Mohammad Iqbal Sons of Haji Mohammad Usman All residents of House No. IX/2186, Gali Nalwali, Pahari Bhojla, Chitle Qabar, Jamamasjid. Delhi

(Transferor)

- (2) 1 Mst. Aziz Fatma w/o Mohammad Ashfaq r/o IX/1608, Andheri Gali, Pahari Bhojla, Chitle Qabar, Delhi.
  - Mohammad Yousuf
     s/o Shri Mohammad Yagoob
     r/o IX/2187 Gali Nalwali Pahari Bhojla,
     Jamamasjid, Delhi.
  - Mohd, Rafiq s/o Mohammad Munii r/o IX/1608, Andheri Gali, Pahari Bhojala, Chitli Qabar, Jamamasjid, Delhi.
  - Ahmad Din Qureshi s/o Mohammad Din Qureshi IX/2801 Pahari Bhojla. Chith Qabat, Jamamasjid, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act'. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a free-hold plot of land, bearing Municipal No. 1321 (old) 2187 (New) situated in Ward No. IX in Gali Nalwali, Pahari Bhojla, Chitli Qabar, Jama Masjid, Delhi measuring 180 sq. yds. and bounded as under:—

North: Wall of others house

South : Wall

West: Wall of others property East: Wall of others property

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 23rd December, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE II, 4-Λ/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 23rd December 1975

Rof. No. IAC/AcqJI/1943/995/75-76/.—Whereas, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 of C-5/20 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 28-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incmoe-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

- (1) Shri Tarlok Singh s/o Sardar Ishar Singh r/o A-1, Vishal Enclave Opposite Rajouri Garden New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shri Devinder Singh Kohli. s/o Shri Surai Singh Kohli. 2. Smt. Sampooran Kaur w/o & Bhag Singh, r/o D-10/5. Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share of a free-hold plot of land measuring 306 sq. yds. situated at Plot No. 20 in Block C-5, Model Town, Delhi and bounded as under:

East: Property No. C-5/21 North: Property Nos. C-6/19 and C-6/20 West: Property No. C-5/19

South Road

S. N. L. AGARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 23rd December, 1975

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II. 4-A/14, ASAF ALI ROAD 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1942/994/75-76.--Whereas, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/2 of C-5/20 situated at Model Town, Delhi-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 28-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

- Shri Ishar Singh r/o A-1, Vishal Enclave, Opposite Rajouri Garden, Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Shiri Devinder Singh Kohli. 5/o Shri Surai Singh Kohli. Smt. Sampooran Kaur w/o Shri Bhag Singh, r/o D-10/5, Model Town, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share of a free-hold plot of land measuring 306 sq. yds. situated at Plot No. 20 in Block C-5, Modle Town, Delhi and bounded as under:

East: Property No. C-5/21
West: Property No. C-5/19
North: Building Nos B-6/19 and C-6/20
South Road

S. N. L. AGARWALA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II. Delhi/New Delhi.

Date: 23rd December, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. 1AC/Acq.II/1974(993)/75-76.—Whereas, 1, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/12th of 4899 to 4904 situated at Hauz Quazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 30-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath, 2, Shri Kishore Kumar, 3, Shri Ashok Kumar, 4, Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath, r/o 19/2-B Shakti Nagar Delhi

(Fransferor)

(2) Smt. Prabha Devi w/o Shri Kishan Chand Somani. r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delbi-6. (Trnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4909 (New/2881 2884 and 2885) in Main Bazar. Hauz Quazi, Delhi and bounded as under :--

East: Main Road Ajmere Gate

West: Others property North: Others property South Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Defhi/New Delhi.

Date: 23-12 1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Dolhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1973/992/75-76,--Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

19-406GI/75

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath, 2. Shri Kishore Kumar, 3. Shri Anoop Kumar and 4. Shri Ashok Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Somani, s/o Shri Madan Lal Somani, 3274, Lal Darawaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.
(Trnsferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New 2881 2884 and 2885) in Main Bazar, Hauz Qazi, Delhi and bounded as under:—

East: Main Road Ajmere Gate West: Others property.

West: Others property. North: Others property South: Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,

NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1955/991/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 30-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely;—

(1) Shri Vinod Kumar 8/0 Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Siri Kishan Somani r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Rain, Delhi-6.

(Trusteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds, bearing Muniicpal No. 4899, to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar, Hauz Quazi, Delhi and bounded as under:—

East: Main Road Ajmere Gate

West: Other property. North: Others property. South: Phatak Namak.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1954/990/75-76.—Whereas, 1, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on 30-4-1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar alias Chhotey Lal son of Shri Siri Kishan Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Dehli-6.

(Trnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Quazi, Delhi and bounded as under:—

East: Main Road Ajmere Gate West: Other property North: Others Property. South: Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

Now Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1950/989/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar and 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Hem Lata w/o Shri Ram Autar Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6, (Trusferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar, Hauz Quazi, Delhi and bounded as under:—

East: Main Road Ajmere Gate West: Others property North: Others property. South: Phatak Namak

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1949(988)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 30-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :---

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B Shakti Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Avtar Somani, s/o Shri Madan Lal Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Quazi, Delhi and bounded as under:-

East: Main Road Ajmere Gate.

West: Others property. North: Others Property. South: Phatak Namak.

> S, N. L. AGARWALA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1917(987)/75-76.---Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'Said Act' have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

 Shri Om Parkash Somani, s/o Shri Madan Lal Somani r/o 3274, Lal Darawza, Bazar Sita Ram, Delhi-6.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Quazi, Delhi and bounded as under:—

East: Main Road Ajmere Gate.

West: Others property North: Others property. South: Phtak Namak.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1916/(986)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Delhi on 16-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 Cof the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinod Kumar son of Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. 5hri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through their father Shri Amar Nath r/o 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tara Devi w/o Shri Om Parkash Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Quazi, Delhi and bounded as under:—

East: Main Road Ajmere Gate,

West: Others property, North: Others property, South: Phatak Namak.

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 23-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II 4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1911(985)/75-76.--Whereas, I. S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on .14-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumens of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act of the following persons, namely :--

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath, 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor sons of Shri Amar Nath through Shri Amar Nath their father r/o 19/2-B Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam Dass Somani, s/o Shri Madan Lal Somani r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Dolhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New 2991 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Qazi, Delhi and bounded as under :--

East: Main Road Ajmere Gate West: Others property. North: Others property.

South: Phatak Namak.

S. N. L. AGARWALA. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

Scal;

### FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF-II

4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NFW DELHI

New Delhi, the 231d December 1975

Ref No IAC/Acq II/1910/984/75-76 — Whereas, 1, S. N L AGARWALA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 1/12 of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 14-4-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely —

20-406GI/75

- (1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2 Shri Kishore Kumai 3 Shii Ashok Kumar 4 Shii Anoop Kumai minoi sons of Shri Amai Nath through their father r/o 19/2-B, Shakti Nagai, Delhi (Transferor)
- (2) Smt Kumud Ranı w/o Shrı Purshotam Dava Somanı r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sıta Ram, Delhi.

  (Tıansfeiee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds bearing Mumicipal No 4899 to 4904 (New/2881 2884 and 2885) in Main Bazar Hauz Qauzi, Delhi and bounded as under —

Fast Mani Road Ajmere Gate West Others Property North Others Property South Phatak Namak

S N. L AGARWALA,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date . 23-12-1975

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1894(983)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/12th of 4899 to 4904 situated at Hauz Khas, Delhi-6, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 7-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar, 4. Shri Anoop Kumar minors sons of Shri Amar Nath through their father r/o 19-2/B Shakti Nagar, Delbi. (Transferor)
- (2) Shri Gopal Krishan Sumani, s/o Shri Madan Lal Sumani, 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. being Municipal No. 4899 to 4904 (New/2881 2884 and 2885) in Main Bazar, Haus Qauzi, Delhi and bounded as under:—

East: Main Road Ajmere Gate, West: Others property. North: Others property. South: Phatak Namak.

> S. N. L. AGGARWALA, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4-A/14 ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1893/982/75-76,—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 'bearing

No. 1/12 share of 4899 to 4904 situated at Hauz Qazi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-4-1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar minor s/o Shri Amar Nath through Shri Amar Nath 19-2/B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Lilawati Somani, w/o Shri Madan Lal Somani, r/o 3274, Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi-6. (Trnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/12th share in a double storeyed house constructed on a plot of land measuring 627 sq. yds. bearing Municipal No. 4899 to 4904 (New/2881 2884 and 2885) in Main Bazar, Hauz Qauzi, Delhi and bounded as under:—

East: Main Road Ajmere Gate. West: Others property. North: Others property. South: Phatak Namak.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-12-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM

MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAH ALI ROAD
NEW DFLHI

New Delhi, the 22nd December 1975

Ref No JAC ACQ III/SR III/Junc/308(4)/75-76 —Whereas I, 9 C PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Land mg 7 bighus 12 biswas situated at Village Chhattarpui, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 4 6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Lability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 169C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely —

(1) Brig R R Suri s/o late Shri M D Suri and Smt Radha Suii w/o Brig R R Suri and d/o Shri Trilochan Dass Bedi Both 1/o B-81, Defence Colony New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Nahar Theatres Pvt Ltd 9, Cuizon Road New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All Bhumidari and ownership rights of agricultural land comprising the following khasras Nos 1339/2, (3 bigha 18 biswas) and 1338/1/2 and 1333/2/2 )3 bighas 14 biswas total area 7 bighas 12 biswas along with the said land a small built room and barbed wife fancing and the well fitted with electric motor of power (5 HP) with a pumping set in working condition in village Chhattarpur, New Delhi

S C PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquistion Range-III, New Dolhi

Date 22nd December 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, III,

4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 22nd December 1975

Ref. No. IAC.ACQ.JII/SR.III/July/348(11)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 24 situated at Sri Fort Road, Masjid Moth Area, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-7-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shu D. R. Gupta 5/0 Shri Balwant Rai 1/0 N-155, Panchshila Park New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Singal Diwan Properties (P.) Ltd. 11, Community Centre, East of Kailash. New Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A lease-hold plot of land measuring 400 sq. yds. situated in the colony known as plot No. 24, Masjid Moth Area (Sii Fort Road) New Delhi and bounded as under:—

East: Main Road West: Plot No. 25

North: DDA flats and service lane

South Shahpur Village

S. C. PARIJA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date: 22nd December 1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri J. J. Singh s/o Shri Javand Singh Through his General Attorney Smt. Geeta Jasbir Singh r/o B-85, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd December 1975

Ref. No. 1AC/Acq.fII/SR.HI/June/309(5)/75-76.—Whereas, 1, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Snid Act'), has rason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Land mg. 7 bighas 12 biswas situated at Village Chattarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(2) M/s. Nahar Theatres Pvt. Ltd. 9, Curzon Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All the Bhumidari and ownership rights of the agricultural land comprising the following Khasras Nos. 1332/2, 1602/1, 1602/2/2, 1603/3/2, 1602/4/2, and out of Khasras Nos. 1338/J and 1338/2, total area of 7 bighas 12 biswas situated in the revenue area of the village Chhattarpur, New Delhi.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisiton Range-III, New Delhi.

Date: 22nd December 1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE DHARWAR,

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No. 91/75-76/Acq.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar

bing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 249/1 situated at Madabhavi, Atham Taluka (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officers at

Athani under Document No 76 on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Keshav Bikrishana Kulkarni

2 Shii Shashikant Balkrishna Kulkaini

3. Shi Balkrishna Keshavrao Kulkarni (Transferor)

 Shii Satteppa Rayappa Magadum, Madabhavi Athani Taluk, Belgaum District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 acres 16 gunthas land out of RS. No. 249/1, situated at Madabhavi Village, Athani Taluka.

P. SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Dharwar,

Date : 19-12-1975 Seal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR.

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No. 92/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. Salyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. R. S. No 249/1 situated at Madabhavi Athani Taluka (and more

fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Athani under Document No. 77 on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiative proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Keshav Balkrishna Kulkarni
  - Shiri Shashikant Balkrishna Kulkatur
     Shiri Balkrishna Keshavarao Kulkatur

(Transferor)

(2) Shri Kedati Alias Tammanna Rayappa Magudum, Madabhavi Athani Taluk, Belgaum District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 acres of land out of R. S. No. 249/1 situated at Madabhavi Village, Athani Taluka.

P SATYANARAYANA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date: 19-12-1975

Seal -

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) 1. Shri Keshav Blkishan Kulkarni Shri Shashikant Balkrishna Kulkarni 3. Shri Balkrishna Keshavrao Kulkarni

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR.

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No. 93/75-76/ACQ.—Whereas, I. P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. R. S. No. 24941 situated at Madabhavi Athani Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Athani under Document No. 78 on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--21-406GI/75

(2) Shri Ratnappa Rayappa Magadum, Madabhuvi, Athani Taluk, Belgaum District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 acres of land out of R.S. No. 249/1 situated at Madabhavi Village, Athani Taluka.

> P. SATYANARAYANA RAO Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Dharwar,

Date: 19-12-1975

### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ΑC Γ, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME IAX, ACQUISITION RANGE DHARWAR,

Dharwar, the 19th December 1975

Notice No 94/75-76/ACQ -Whereas, 1, P vana Rao Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

C S. No 1083-B situated at Walvekar Galli, Hubli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Hubli under Document No 303 on 29-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1 Shii Prabhudyal Kaluram Shaima
  - Shri Mahesh Prabhudayat Sharma,
  - 3. Shii Vijaya Prabhudayal Sharma

Shri Ajay Shri Sanjaya P. Sharma No. 4 and 5 M/G No. 1 Keshwapur,

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Strappa Khodangur, Hattikal Sal, Hubli

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION.-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Storeyed old building bearing C.S. No. 1083-B with open space situated at Ward No. 2, Walvekar Galli, Hubli.

### BOUNDRIFS

Fast: C.S. No. 1084 | 85

West . C S. No 1083A

North Road

South C. S. No. 1083A.

P. SATYANARAYANA RAO Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

Date: 19-12-1975

Scal ·

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwat, the 19th December 1975

Notice No. 95/75-76/ACQ.—Whereas, I P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Act, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 2404, 2405, 2406 and 2403 $\Lambda$  situated at Station Rd. Hubb

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubbi under Document No. 296 on 23-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govindnaik Gurunathnaik Kalaghatgi, Land-lord, Durgadbail, Hubli.

(Transferor)

(2) Kainataka Agricultural Foundation Society, Hubli Through its Secretary, Shii Balakrishna N. Rathare Vishweswar Nagar, Hubli-22

(Transferce)

(3) M/s West Patent Press Co. Ltd Hubli.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

18740 square yards area out of the following .-

Ward No.	C.S. No.	sq. yards
1	2404	144
1	2405	32
1	2406	39
1	2403 A	19485 779

situated at Station Road, Hubli.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 19-12 1975

 Smt Anima Guha Mazumdar & Sri Bajdyanath Guha Mazumdar 41E, Shyama Prasad Mukherjee Rd. Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALLCUTTA

Calcutta, the 22nd December 1975

No. 303/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Bala-subramanian

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41E situated at Shyama Prasad Mukherjee Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipore on 13.5 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shii Shyamal Kr Guha Mazumdar 41F, Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 1 cottah 12 chittacks together with two-storied building at 41E, Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta, which was registered under deed No. 3972 of 1975 before the District Registrar, Alipore, 24-Parganus.

J. K BAI ASUBRAMANIAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 22-12-1975

- (1) II II Sultan Awad Bin Saleh Alkaity Sultan of Shehi and Mukalla & Hamidulnia Begum & Sacodunnisa Begum (Transferor)
- (2) Shri Abdul Rashid Suleman Jomei & Riaz Suleman Oomei

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- said (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The used terms and expicasions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land of the Quit and Ground Rent I chure situace lying and being it Hornby Road in the City of Bomb ty together with the messuage tenement, or dwelling House standing thereon containing by admeasurement three hundred and forty nine square yirds and five math, of a quare yard or thereabouts and situated within the Registra tion sub-district of Bombay and registered by the Collector of Lind Revenue under New No. 5115 New Survey No. 8929, Cadastral Survey No 695 of Fort Division, and assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates and Taxes under the Assessor & Collector of Municipal Rates and Taxes and del A Ward No \$1369(2) and 1429, Street Nos 323 325 and bounded as follows that is to say on or towards the North by the property of H F Bode, on or towards the South by the property of Sulem in Haji Ahmed Oomer on or towards the West by Hornby Road, and on or towards the East by the property of Sorabji Master

> V R AMIN, Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-1, Bombay

Date 9th December 1975 Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI - I AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE F BOMBAY

Bombay, the 9th December 1975

No AR-I/1160-1/April 75 -- Whereas I V R AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No ( S 695 of Lort Division situated as Hornby Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1/4/1975

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have it ison to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fouly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now theretore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd December 1975

No. 304/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proyerty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/1A situated at Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27.5.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) M/s. Prime Products Ltd., 87/8, Kalpi Road, Kanpur, Uttar Pradesh.

  (Transferor)
- (2) 1. Gayatri Devi Jhunjhunwalla
   2. Savitri Devi Jhunjhunwalla 7/1A, Mandeville Gardens, Cal-19.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2 cottahs 9 chittacks and 25 sq. ft. together with a three storied building thereon at 7/IA Mandeville Gardens, Calcutta which was registered under deed No. 3084 of 1975 from the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III, Calcuttu

Date 22.12.1975. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

60/61, FRANDAWANA, KARVF ROAD, POONA-411004

Poon y-411004 the 20th December 1975

Ref. No. CA 5/April'75/Haveh-II/258/75.76 — Whereas. I. H. S. Aulakh.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and benting

S No 84/2 Ketku Road, Poona 4 situated at Ketku Road, Poona 4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hayeli II, Poona on 5-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration if srefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pulsuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons namely —

(1) 1 Shu A V Patkar, 2 Shu S V Patkar, 4 Gulistan Cleave Land Road Worlt, Bombay-25

(Transferor)

(2) Shii Tiidal Co operative Housing Society I to Chairman Shri A V Patwaidhan, 118/2/A Katkar Road Poona 4

(Transferce)

(3) 1 Shii A V Patkai,
 2 Shri S V Patkai
 4 Gulistan, Clare Land Road,
 Worli Bombay-25

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Freehold, Bungalow with plot RS No 118/2/A S No 84/2, Katkai Road, Poona 4

Area of the plot 9177 sq ft Ground floor 1200 sq ft Ground floor 1200 sq ft Built in 1957

(Property as mentioned in the Registered deed 597 of April 75 of the Registering authority Haveli II, Poona)

H S AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range Poona

Date 20 12-1975

Seal,

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanput, the 22nd December 1975

Ref No 217/Acq/Haridwai/75-76/2296—Whereas, I, VIIAY ΒΗΛRGAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at As per schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Handwar on 7-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shu Gurish Kumar s/o Shu Sundar Lal, Authorised Representative Shu Vijai Kumai s/o Shri Sundar I al R/o Chauksa, Disti Shajahanpur (Transfero)
- (2) Isla s/o Charitable Trust, Shii Granga nagar, Through Sii Jagdish Piasad Lila, Tiustee, s/o Shii Iakshmi Chand, R/o Shri Ganganagar (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of house 'Raj Bhawan' Western side (as per details given in form No 37-G bearing No 398) situated at Bheem Goda Road, Baridwar, transsferred for an apparent consideration of R<sub>3</sub> 17,500/-

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date 22nd December 1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1975

Ref. No. 218/Acq./Haridwar/75-76/2297.—Whereas, 1, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at Handwar on 7-4-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

22--406 GI/75

(1) Shri Girish Kumar s/o Shri Sundar Lal, Authorised Representative Smt. Vidyawati, Widow of Sri Sundar Lul R/o Chauksa, Distt, Shajahanpur.

(Transferor)

(2) I ila Sons Charitable Trust, Shri Ganganagar, Through Sri Jagdish Prasad Lila, Trustee, 5/0 Shri Lakshmi Chand, R/o Shri Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovoble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of house 'Raj Bhawan' Western side (as per details given in form No. 37-G bearing No. 396) situated at Bheem Goda Road, Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs 17,500/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 22nd December 1975

(1) Shri G rish Kumar s/o Shri Sundar Lat Agrawal, R/o Moh. Chauksa, Distt. Shahjahanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shree Lila s/o Charitable Trust, Shri Ganganagar, Through Sri Jagdish Prasad Lila, Trustee, s/o Late Sri Lakshmi Chand, R/o Shri Ganganagar, Rajastban.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1975

Ref. No. 219/Acq./Haridwar/75-76/2298.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haridwar on 7-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a), facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of house 'Raj Bhawan' Western side. (As per details given in form No. 37-G bearing No. 397) situated at Bheem Goda Road, Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,500/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

·Date: 22nd December 1975

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd December 1975

Ref. No. 220/Acq./Haridwar/75-76/2299.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 7-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1958).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

(1) Shri Girish Kumar s/o Shri Sundar Lal, Authorised Representative Shri Raj Kumar s/o Shri Sundar Lal R/o Moh. Chauksa, Distt. Shahjahanpur.

(Transferor)

(2) M/s Lila Sons Charitable Trust, Shri Ganganagar, Through Sti Jagdish Prasad Lila, Trustee, s/o Shri Lakshmi Chand, R/o Shri Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/4th portion of house 'Raj Bhawan' Western side (as per details given in form No. 37-G bearing No. 399) situated at Bheem Goda Road, Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 17,500/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22nd December 1975

### FORM ITNS-----

(1) Smt. Pushapwati Sehgal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sona Rani Jain.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th December 1975

Ref. No. 101-S/Acq.-Whereas, I BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Inoceme-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 34, situated at Nazar Bagh, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-5-1975/17-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officila Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A house No. 34, situated at Nazar Bagh, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-ax, Acquisition Range,
Lucknow

Date: 6-12-1975

### FORM ITNS----

(1) Shri Krishna Lal,

(Transferor)

(2) Shri Suraj Prakash and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1975

Ref. No. 100-5/Acq —Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 709M situated at Village Barirai Distt. Nainital, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kashipui on 4/6/1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 709-M measuring 25 Bigha 4 Biswa situated in village Baritai, Teh. Gadaspur Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Lucknow

Date: 4-12-1975

(1) Shri Mangu,

(Transferor)

(2) Shri Pooran Singh and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th December 1075

Ref. No. 43-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 782, situated at Village Majhola Distt. Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 18-6-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5.57 acres situated in Village Majbola Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-12-1975

FORM ITNS----

(1) Shri Shiv Raj Singh and others.

(Transferor)

(2) Shri Naunihal Singh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1975

Ref No. 13-N/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 17, 19, 20 situated at Villago Hasanpur Raini Distt, Bijnore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhampur on 4-6-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 17, 19, 20, situated in village Hasanpur Raini Teh, Dhampur Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Lucknow

Date: 11-12-1975

(1) Shri Shiv Raj Singh and others.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Mehar Singh,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1975

Ref. No. 67-M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 17, 19, 20 situated at Village Hasanpur Raini Distt. Bijnore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhampur on 4-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'baid Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 17, 19, 20, situated in village Hasanpur Raini Tch. Dhampur Distt. Bijnore,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date . 11-12-1975

(1) Shri Kiishna Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Munshi Ram.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME, TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1975

Ref. No 66-M/Acq -- Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 711-M, situated at village Baritai Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 3/6/75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

in the said instrument of transfer with the object of-

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of Section 269-C of the 'aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '—

23-406 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 711-M measuring 25 Bigha 1 Biswa situated in village Barnai, Teh. Gadaspur Distt. Namital.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Incknow

Date 4-12-1975

### FORM ITNS-----

### (1) Shri Krishna Lal

(Transferor)

(2) Munshi Ram

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1975

Ref No 66-M/Acq—Whereas I, BISHAMBHAR NA1H being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the sud Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/ and bearing

No 711-M situated at village Barrai Distt Nainital, fand more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 3/6/75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Lix Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 Bigha 1 iBswa Khasia No 711 M situated in village Barirai, Teh Gadaspur D stt Nainital

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,

Acquisition Range
Lucknow

Date 4-12-1975 Seal.

(1) Smt. Gurdeep Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Jistendra Singh and others,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Rcf. No. 30/C-J/Acq.—Whereas, J. BISHAMBHAR NATH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1194 etc. situated at village Bhardaj Kaja Distt. Pilibhit, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bisalpur on 27/6/75.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Kaja P.O. Bilsanda Distt. Pılibhit.

> BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-12-1975

### FORM ITNS ...

(1) Resam Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jistendra Singh and others.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 30/B-J/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1194 ctc. situated at village Bhardaj Kaja Distt. Pılibhit, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bisalpur on 27/6/75,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely'.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Kaja P.O. Bilsanda Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 31-12-1975

FORM ITNS———

(1) Shri Sarject Singh.

(Transferor)

(2) Shri Jistendra Singh and others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref No 30/A-J/Acq—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH

being the Competent Authority under Sect on 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo vable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No 1194 etc. situated at village Bhaidaj Kaja PO Bilsanda Distt Pilibhit,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Bisalpur on 27/6075

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural 1 ind situated in village Bhardaj Kaja PO Bilsanada Disti Pulibhit

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisi ion Range,
Lucknow

Date 3-12-1975 Seal. -- --<u>--</u>---

FORM ITNS---

(1) Shri Pitamber Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Husain Ahmad Abbasi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th December 1975

Ref. No. 18-H/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. M-8, situated at Gole Market, Mahanagar Lucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 7-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storied building constructed on plot No. M-8, Gole Market, Mahanagar Lucknow bearing house No. 545/480.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 12-12-1975

Scal:

----

(1) Shri Krishna Lal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hansh Raj and others,

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1975

Ref. No. 17-H/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceed ng Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 709—M. situated at village Barirai Distt. Nainital, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Kashipur on 4/6/75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 709-M, measuring 25 Bigha 4 Biswa satuated in village Bari rai Teh. Gadarpur. Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-ax, Acquisition Range,
Lucknow

Date: 4-12-1975

FORM ITNS----

(1) Shri P. Krishan Murti,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gajju Ram.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th December 1975

Ref No. 25-G/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 6-D, situated at Pilibhit Road, Dist. Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 10-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house No. 6-D situated at Pilibhit Road Distt, Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-ax, Acquisition Range,
Lucknow

Date: 6-12-1975

Scal:

(1) Pran Nath Kaul and others.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF 1HI INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kr Bhupendra Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1975

Ref. No. 54-BAcq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 47, situated at Tagore Town, Allahabad,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 13/6/75,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth- Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

2 4—406GI<sup>1</sup>75

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 47 measuring 1612 sq. vds. situated at Tagore Town, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-ax, Acquisition Range,
Lucknow

Date 4-12-1975 Seal

(1) Smt. Sukh Jender Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balbinder Singh and others

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 53/C—B/Acq.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH.

being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1194 etc., situated at village Bhardaj Kaja Distt. Pilibhit, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered

under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bisalpur on 27/6/75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating for concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Koja P.O. Bilsanda Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Income-ax, Acquisition Range,
Lucknow

Date : 3-12-1975

(1) Surject Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balbinder Singh and others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 53/-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 1194 etc., situated at village Bhardaj Kaja Distt. Pilibhit, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bisalpur on 27/6/75,

for an apparent consi-

ing persons, namely ;---

deration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property, by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated in village Bhardaj Koja P.O. Rilsanda Distt, Pillbhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 3-12-1975

Scal :

(1) Shri Raunak Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balbinder Singh and others,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 53/A-B/Acq.--Whereas I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No 1194 etc., situated at village Bhardaj Koja Distt. Pilibhit, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Bisalpur on 27/6/75,

for an apparent consideration which is

less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

may be made in writing to the undersigned:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULL

Agricultural land situated in village Bhardaj Koja P.O Bilsanda Dists. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

Date - 3-12-1975

FORM ITNS-

(1) Shi i Haji Abdul Gaffar and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hafiz Abdul Kabeer and others

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW,

Lucknow, the 12th December 1975

Ref. No. 56A/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-31/81A and 31/81-B situated a Madanpura Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 11-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULL

House Nos. D-31/81A and 31/81-B situated at Madanpura Dist. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 12-12-1975

(1) Smt. Asha Rani Sur and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Rashid and others.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1975

Ref. No. 55A/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-8/14 situated at Bara Gambhir Singh Bhelupur ward Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 1-9-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Sald Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house along with land No. B-8/14 situated in Mohalla Bara Gambhir Singh Bhelupur ward Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 11-12-1975 Scal:

(1) Shri Jagir Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Smt. Mahendra Kaur,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 72-M/ACQUISTTION.—Whereas, I. BISHAM-BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. 191, situated at Village Itarora Tehsil Mohammadi Disti. Lakhimpur-kheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadi on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULT

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in Village Itarora Tebsil Mohammadi Distt, Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 20-12-1975

(1) Shri Jagir Singh

(Transferor)

(2) Shri Fatch Smgh

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 1-F/ACQUISITION.-Whereas, f. BISHAM-BHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 191 situated at Village Itarora Tehsil Mohammadi Disit

Lakhimpur-kheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadl on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act iv respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I here-

by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri

> BISHAMBHAR NATH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date . 20-12-1975

Sent

(1) Shri Jagir Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajit Singh

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 57-A/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-BHAR NATH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 191, situated at Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt Lakhimpur-kheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadi on 17-6-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-406 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt, Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 20-12-1975

Seal.

(1) Shri Jagir Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sobran Kaur,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 103-S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 191, situated at Village Itatora Tehsil Mohammadi Distt. Lakbimpur-kheri

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mohammadi on 17-6-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper y within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'aid Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt, Lakhimpur-Kheri,

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 20-12-1975

Seal ',

(1) Smt. Ant Kaur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Inder Kaur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th December 1975

Ref. No. 8-I/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-BHAR NATH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sand Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 191, situated a Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadi on 17-6-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5 Portion of 12.50 acres of agricultural land situated in Village Itarora Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-Kheri.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date: 20\_12-1975

(1) Smt, Ratna Nandy,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram Charity Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1975

Ref. No. 102S/ACQUISITION.—Whereas, I. BISHAM-

BHAR NATH,

Calcutta on 26-5-1975

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-48/141 A situated at Misirpokhra Distt. Varanasl. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'sald Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house No. D-48/141 A situated in Misirpokhra Distt. . Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 17-12-1975

(1) Shri Ram Ruchi Pathack.

(Transferor)

(2) Shri Kulbul and others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1975

Ref. No. 45-K/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Village Achchwar Tehsil Gyanpur Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gyanpur on 12-6-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Γax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 19 Biswa and 5 Biswansi situated in Village Achchwar Tehsil Gyanpur Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-12-1975

(1) Shri Fuzailur Rahman Hilal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Muzaffer Hussain.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1975

Ref. No. 71-F/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-C situated at Village Amausi Pargana Bijnore Distt. Lucknow (Saronjini Nagar Co-op, Housing Society Lucknow) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanlal Ganj Lko. on 11-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house standing on Plot No. 7-C situated in Village Amausi Pargana Bijnore Distt. Lucknow (Sarojni Nagar Co-op. Housing Society Lucknow).

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-12-1975

(1) Smt. Ratna Nandy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram Charity Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE. LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1975

Ref No. 102-S/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-A

BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-48/141 situated at Misirpokhra Distt. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant plot of land No. D-48/141 A measuring 6 Cottahs 15 Chittak twenty two Sqr. fts, situated in Misirpokhra Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 17-12-1975

(1) Smt. Ratna Nandy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram Charity Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1975

Ref. No. 102-S/ACQUISITION.—Whereas I, BISHAM-

#### BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D-48/141 A situated at Misirpokhra Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-6-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant plot of land No. D-48/141 A measuring 3 Cottahs 15 Chittak thirty five Sqr. fts. situated in Misirpokhra Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 17-12-1975

(1) Shri Pratap Raj Singh.

(Transferor)

(2) Shri Balwender Singh & others,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 55-B/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM-BHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Village Samrava P.O. Matoli Distt, Lakhimpur-kheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohammadı on 26-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for 'he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

26-406GI/75

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 acres 25 Dc. situated in Village Samrava P.O. Matoli-Tehsil Mohammadi Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-12-1975

Seal ;

(1) Smt. Rajwati.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mangal Sen

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 68-M/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAM. BHAR NATH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Village Sedpur, Jai Ram, Teh. Sambhal Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sambhal (MORADABAD) on 5-6-1975

for an appa-

Š

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Sedpur Jai Ram Tehsil Sambhal, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-12-1975

(1) Shri Sant Kumar and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malkeet Singh.

(Transfree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref No. 69-M/ACQUISITION —Whereas, I, BISHAM-BHAR NATH,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 104 and others situated at Village Chintapur—Distt. Pilibhit

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bisalpur on 5-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'sald Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra Nos. 104, 105, 108, and 103, measuring 10 Acres 52 Decimals situated in Village Chintapur Tehsil Bisalpur Dist. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-12-1975

[PART III-Sec. 1

#### FORM ITNS-

(1) Shri Ram Swaroop.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukut Beharl Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 70-M/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Puranpur Distt. Pilibhit

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pilibhit on 4-6-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house double storeyed situated in Puranpur Mohalla Chowk Tehsil Khas, Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-12-1975

Scal:

(1) Shii Ram Swaroop.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Prakash,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OE 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 14-N/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. situated at Puranpur Distt. Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pilibhit on 4-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', 'o the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house situated in Puranpur Mohalla Chowak Tehsil Khas Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-12-1975

FORM ITNS ----

(1) Smt. Omwati.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumaı & others.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1975

Ref. No. 75-R/Acquisition.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing

No. situated at Village Sedpur, Jai Ram Teh. Sambhal Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sambhal (MORADABAD) on 5-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Scdpur Jai Ram Tehsil Sambhal, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-12-1975

FORM ITNS ----

(1) Shri Vishwa Nath Choudhary

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V G Mehrotra and others

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1975

Ref No 23-V/Acquisition —Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No B 3/3 situated at Nirala Nagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 16-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following bersons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

A house No B-3/3 situated at Nirala Nagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date 17-12 1975 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 23rd December 1975

Ref. No. SRS/21/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Land, 154 K and 18 M situated at Village Nagoke, Tehsil Sirsa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1975

consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act.' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kaki Bai, w/o Shri Chander Bhan, R/o Bhiwant.
  (Transferor)
- (2) (i) Shri Saudagar Chand (ii) Shri Jagar Singh, sons of Shri Jora Singh, Residents of Village Nagoke, Tehsil Sirsa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

88

Land situated in Village Nagoke, Tehsil Sirsa.

,5	6	7	14	15	16	17	10	)4	
7-4	7-12	1-0	6-167	-12	 7−12	6-1	6 5 <b>-1</b>	– – ∕Iin 6-	-15
							4-	0 1	6 <b></b> 0
105	5	107	7					,	
10/2	1	7-18	19	Min				,	
6	1	6-0	1-	0					
				10	7				
<b>2</b> 0-	Min	24	13-1	4 6		7	8	15	23
			10				~		
1,	-0	8-0	16-0	) 6–	18	7-7	7-7	7-8	8-0
	10	8							
1/2	10	2 11	$\sqrt{2}$						
1-1	6 1-	16 1-	16						

Land measuring 154 kanal and 18 marlas, (Property as mentioned in the Registered Deed No. 717 of May, 1975 of the Registering Authority, Sirsa.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigath

Date: 23-12-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 23rd December 1975

Ref. No. SML/217/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property known as Byenston House, Station Ward, Simla. I, situated at Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Simla in July, 1975

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-406GI/75

 Smt. Sarla Devi, w/o Shri Jiwan Bal, Presently residing at 21, The Mall, Simla.

(Transferor)

(2) (i) Shri Wazir Singh (ii) Shri Romeshwar Lall, Sons of Shri Sewa Singh (iii) Smt. Tirath Kaur, (iv) Smt. Harbans Kaur, Residents of Byenston House, Near Rivoli Cinema, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property known as Byenston House, Station Ward, Simla-I. Khasra No. 837/189, B/189, 189/1, 189/5, 189/6.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 312 of July, 1975 of the Registering Authority, Simla.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 23-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 23rd December 1975

Ref. No. AP 1417.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Indira Market Julundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Juliundur in April, 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramsii Das Kapoor s/o Roop Lal Kapoor r/o 396 Laipat Nagar, Jullundur,

(Transferor)

- (2) Shri Manmohan Kishan Kapoor s/o Krishan Kapoor 6, Bela Vista, Bally Hill Road Bandara, Bombay.

  (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 265 of April, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Rance Jullundur.

Date: 23-12-75.

Seal,

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsai, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/218/75-76.—Whereas, I, V, R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Kapurthala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kapurthala in April on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabllity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh, Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Boling Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur.
  (Transferor)
- (2) Kapurthala Steel and Rubber Industry Kapurthala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in he property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Property as mentioned in the Registered Deed No. 161 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar.

Dato 25-12-75

(1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh Manjit Singh Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Bolina Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION ANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/219/75-76.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/-and bearing

No. Property, situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s Kapurthala Steel and Rubber Industries, Kapurthala.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 162 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date: 20-12-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/220/75-76.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that, the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908)

- in the office of the Registering Officer
- at Kapurthala in April on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Bolina Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur.

  (Transferor)
- (2) M/s Kapurthala Steel and Rubber Industries, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property,
  (Person whom the undersigned knows to be
  interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 163 of April, 1975, of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar

Date: 20-12-75

Scat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/221/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Kapurthala

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kapurthala in April on 1975.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt. Surinder Kaur Boling Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur.

  (Transferor)
- (2) M/s Kapurthala Steel and Rubber Industries, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As as S No. 2 above and tenant(s) if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation ·— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the registered Deed No. 164 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Amritsur.

Date: 20-12-75

object of :-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th December 1975

Ref. No. KPL/222/75-76.-Whereas, I. V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April on 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—

(1) Shri Karam Singh s/o Shri Watan Singh, Manjit Singh Kuldev Singh ss/o Shri Karam Singh Smt, Surinder Kaur Boling Wd/o Shri Gurdip Singh s/o Shri Karam Singh r/o Jullundur (Transferor) (2) M/s Kapurthala Steel and Rubber Industries, Kapurthala.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant (s), if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 165 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range Amritsar.

Date: 20-12-75

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Shri Satpal Bandari, S/o Rolu Mull Bandari, R/o H. No 12-10-399 at Sithapal Mandi, Secunderabad.

#### (Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

(2) Shri Kalishanker Shukla. R/o Tivoli Cinema Compound Secunderabad.

may be made in writing to the undersigned-

later:

(Transferee)

Hvderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC, No. 208/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-10-399 situated at Seethapalmandi Secunderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesa.d property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication

of this notice in the Official Gazette or a

period of 30 days from the service of notice on

the respective persons, whichever period expires

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: House No. 12-10-399 at Seethapalmandi, Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-12-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### (1) Shri Syed Jaffar Hussain and Sri Syed Mohammood Hussain, S/o Syed Ali Mustaza Hussain, H, No. 16-5-53 Outside Dabirpura, Hyderabad.

(Fransferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC No. 209/75-76.—Whereas, I. K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4-1-633 situated at Troop Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

28--406GI/75

(2) Shri Buchram Gupta,
 S/o Lalchand,
 H. No. 5-1-600 at Troop Bazar,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property: House No. 4-1-633 at Hindusthanigalli, Troop Bazar, Hyderabad. Area 827.26 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 22-12-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC. No. 210/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN. being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 4-1-938/R-6 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 18-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 M/s. Three Aces, Hyderabad, Partner Sri Bishanlal, S/o Hadas Singh and other, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Raj Kumar S/o Kedarnath, 3-2-350 Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: Portion of premises No. 4-1-938/R-6 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 22-12-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Three Aces, Partner Sri Bishanlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Shobha Bai W/o Hari Ram. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC No. 211/75-76.—Whereas, I, K. . VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of 4-1-938/R-7 situated at Tilak Road Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-5-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that tee consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property: Portion of Premises No. 4-1-938/R-7 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-12-1975

 M/s Three Aces, Partner Sr. Bishanlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Smt, Basanthi Bai W/o Kedarnath, 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref No. RAC. No. 212/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of No. 4-1-938/R-8 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 18-5-75,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property: Portion of premises H. No. 4-1-938/R-8 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKARTARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 22-12-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC. No. 213/75-76.-Whereas, I, K. S. VFNKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding R<sub>5</sub>, 25.00/- and bearing No. Portion of No. 4-1-938/R-9 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 18-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) M/s Three Aces, Partner Sri Bishanlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmini Bai W/o Mahabeer Parshad, 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used EXPLANATION :--The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property: Portion of Premises No. 41-938/R-9 at Tilak Road, Hyderahad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 22-12-1975

(1) M/s Three Aces, Partner Sri Bishanlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Shobha Bai W/o Srl Giriraj, R/o Charkaman, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,
' ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC. No. 214/75-76.—Whereas, 1, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Portion No. 4-1-938/R-10 situated at Tılak Road, Hyderabad (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 18-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act to the following ing persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property: Portion of premises No. 4-1-938/R-10 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 22-12-1975

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd December 1975

Ref. No. RAC. No. 215/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Portion No. 6-1-3 situated at M. G Road Kothamgudam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kothagudam on 25-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

1. Sri Vemula Raghavarah
 2. Sri Laxminarayana,
 3. Sri Balaramiah,
 R/o M. G. Road, Kothagudem,
 Khammam Dist.

(Transferor)

(2) Shri Cholavaram Mohd Zakrayya, R/o M.G. Road, Kothagudem, Khammam Dist,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property: M. No. 6-1-3 at M. G. Road, Kothagudem, Khammam-Dist. Area · 248 35 Sq. Mets.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 22-12-1975

Scal ·

(1) M/s. J. K. A. Rajappa Chettiar & R. Shanmughasundaram, Kullappa Illam, Salem Main Road Komarapalayam (Agraharam), Tiruchengode Tq., (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Venkatesan, S/o. N. E. Siddappa Chettiar, Old Pet, 439, Salem Main Road, Komarapalayam (Agraharam). Tiruchengode Tq.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Madras-6, the 24th December 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. XVII/13/35/1975-76,—Whereas, I, G. RAM-ANATHAN.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 46, 46A, 46B, 47 & 48 situated at Salem Main Road, Komarapalayam,

(and more fully des-

and/or

cribèd in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Komarapalayam (DOC. No. 782/75) on 5-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

Land measuring 2080 sq. ft. in Survey No. 624/2 with buildings at door No. 46, 46A, 46B, 47 & 48, Salem Main Road, Komarapalayam, Tiruchengode Tq.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957). G. RAMANATHAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1975.

# FORM ITNS----

(1) Smt. Shiv Pati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2. Smt. Dropadi.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd December 1975

Ref. No. 21—D/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 487, situated at Cornel Canj Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 18-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—
29—406GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A house No. 487 situated in Mohalla Cornel Ganj Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date · 23-12-1975.

Seal ;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th December 1975

Ref. No. 395/Acq./Kanpur/75-76/2301.—Whereas I, BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25 000/- and bearing No.

As per schedule cituated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 11-8-1975.

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer—as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) (4) Smt. Shivpyari w/o Pyare Lal, and
 (2) Smt. Ram Dulari, widow Mahadev Prasad,
 R/o Achalganj, Post-Khas, Distt. Unnao,
 (Transferor)

(2) Ram Chand, 2. Vasdev, 3. Om Prakash ss/o Jauhani Lal R/o 31/126, Lathi Mohal, Kanpur, and 4. Thakur Ram Laxman Jankiji and Hanumanji Maharaj, Through Authorised Representative Vasdeo and Ram Chand R/o 31, 126, Lathi Mohal, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the Said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 76-164, situated at Baisakhi Naka, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

# VIJAY BHARGAVA,

Competent Authority,\*
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date: [6-12-1975,

1 1

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. III/SR. II/April/835 (24)/75-76,—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-72, Rishi Nagar situated at Shakurbasti, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 25-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
  respect of any Income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

(1) Shri Sai Ram Sharma 5/0 Pt Atma Ram, r/o R-278 Greater Kailash, New Delhi through his General Attorney Shri Des Raj 5/0 Shri Charan Das Arota, r/o No. 1096/345 (old), Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

\_ (Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal s/o Shri Des Raj Arora H. No. B-72, Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi-34, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A single stoleyed house No. B-72, situated in the colony known as Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi area of Village Salimpur Mazra Madipur, Delhi on a free-hold plot of land measuring 160 sq. yds. and bounded as under :—

North: Other portion of 140 sq. yds. sold to Raj Kumar,

Kumar.
South: Gali about.
East: Vacant Land.
Weat: Gali 10'

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-III,
New Delhi

Date: 17-12-1975

Seal ·

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

# SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES EXAMINATION, 1976

New Delhi, the 10th January 1976

No. F5/2/75-E1(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at ALLAHABAD, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELIII, DISPUR (GAUHAII), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SIMLA AND TRIVANDRUM commencing on the 15th July, 1976 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 10th January, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 15. This number is liable to alteration,

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

- 3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhoipur House, new Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.
- NOTE:—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1976. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1976, WILL NOT BE ENTERTAINED.
- 4. The completed application form must reach the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 8th March, 1976 (22nd March, 1976, in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 8th March, 1976) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.
- 5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WITH, BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SELKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

6. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTER-FAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI, Dy. Secy. Union Public Service Commission

# ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application forms a fee of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

- 2. The Commission may at their discussion remit the presscribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 3. A refund of Rs. 21.00 (Rs. 5.00 in the case of candicates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesald Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

# ANNEXURE II

# INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 3 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

- 2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is hable to be rejected.
- (11) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011) so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad  $o_r$  in the Andaman & Nicobat Islands or in Lakshadweep from a date prior to 8th March, 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department of Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest,

submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. It a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head or his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date, will not be considered.

Applications from all other candidates whether in private employment or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (1) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure 1).
  - (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
  - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm.  $\times$  7 cm. approx.) photograph of the candidate.
  - (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
  - (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
  - (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (see para 5 below).

cable (see para 5 below).

Note.—Candidates are required to submit along with their applications only copies of certificates mentioned at items (ii), (iii), (vi) and (vii) above, attested by a gazetted officer of government or certified by candidates themselves as correct. Candidates who qualify for interview for the personality test on the results of the written examination will be required to submit the originals of the certificates mentioned above soon after the declaration of the results of the written examination. The results are likely to be declared in the month of november 1976. Candidates should keep these certificates in readiness and submit them to the commission soon after the declaration of the declaration of the result of the written examination. The candidature of candidates who fail to submit them to the commission soon after the examination. The candidature of candidates who fail to submit the ki quired cirtificates in original at that time will be cancelled and the candidates will have no claim for further consideration

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below:



and completed as follows:---

"Pay to the Societary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

# (b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee -

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 36.00, Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that Office with the application,

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Mariculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application in meanistent with that shown in the Matriculation Certificate/High: Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

Non-1.—A candidate who holds a completed Secondary Schrot Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUB LOUENT EXAMINATION.

(in) Certificate of Educational qualification.—A candidate must about an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a

certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examinaon passing the intermediate or any other quantying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Ma hematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(b) or Rule 6(c) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

The form of certificate to be produced by the candidate— This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari".... son/daughter of Shri is/was\* a bona-fide student of this University/College/Institution\*.

2. He/she\* has passed the first year examination under the three year degree course/first year examination of the five year Engineering Degree Course/first Examination of the three year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education, and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

Hc/she" has passed in......division the first/second" year examination of the three year degree course/first year examination under the five year Engineering Degree Course\* conducted by the University of ......

- 3. @He/she\* was examined in the following subjects:
- 1
- 2.
- 3. 4.
- @Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering,

(Signature of the Registrar/Principal) (Name of the University/College/Institution\*)

Date..... Place, ..., .......

"Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note I below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/ Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks to first or second division as prescribed by the University/Board.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may at to apply. Such candidates must, however, submit an artested/certified copy of a certificate in the forth prescribed below, from the Principal of the College/In titudon concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise cligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th September, 1976.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time unit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate—
The form of certificate to be produced by the curations
This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*son/daughter* of
expected to appear/has appeared* at
in the month of
(1)
(i)
(ii)
(iii)
(iv),
(v)
• •
(Signature of Principal)
(Name of the College/Institution*)
Date,
Place
"Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(11), 3(111) 3(111) and 3(11) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3(1ii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected,

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India-

This is to cert of village/town" of the State/Uni the	son,	daughter* in Distr	of — ict/Divisi	on*
as a Scheduled Constitution (	aste/Tibe* (Scheduled (	under :— Castes) Or	der, 1950	
the Constitution the Constitution Order, 1951*		<del> </del>		
the Constitution Ocoes, 1951**	(Schedule	Tribes)	(Union	Territories)
titpes user (Moc	, the enclinication) O	luicil ca Ider, 1956	ites and	Scheduled Bombay Re-

organization Act, 1900, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachai Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes ∪.der, 1956"

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled arabes Order, 1959\*

the Constitution (Dudra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadia and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962"
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970"
2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of
Signature
Place
Date
State*

Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)", used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

1 \*Officers competent to issue Caste | Tribe certificates-

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
  - (ini) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5(b) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971:—
  - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
  - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
  - Additional District Magistrate in charge of Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure 1, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament of State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(1v) or 5(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee,

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma Claiming age concession under Rule 5(b) (vi) or 5(b) (vii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure 1, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(b) (vii) or 5(b) (ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate—

Certified that Rank	No. ———	— Shτi ——	— of
Unit	was disable	ed while in the	Defence
Services in operations	during hostiliti	es with a fore	ign coun-
try/in a disturbed are			
such disability.			

Signature							
Designation							
Date							

\*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof

The form of certificate to be	e produced by the candidate—
Certified that Rank No	
of Unitwas di	isabled while in the Borde
Security Force in operations of	during Indo-Pak hostilities of
1971 and was released as a rest	ult of such disability.

Signature								
Designation				,		,		
Date	,					,	,	

- 6 A person in whose case a certificate of elimbility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) for issue of the required certificate of eligibility in his favour
- 7 Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in lilling in the application form

Candidates are also warned that they should in no case correct or after or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any in accuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 8 The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application torm does not lpso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 9 If a candidate does not acceive an acknowledgement of his application within a month from the last date of secept of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement
- at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 11 Copies of paniphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications Civil Lines Delhi-(110006), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash pay

- ment from (1) the Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building (C. Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-(110001) (n) Sale Counters of the Publications Branch Udvoj Bhrvan, New Delhi-(110001) and Office of the Union Public Service Commission Dholpui House, New Delhi 110011 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are ilso obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.
- 12 Communications Regarding Applications—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPICT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARI-ABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS—
  - (1) NAME OF EXAMINATION
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
  - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION
  - N B COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO
- 15 Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRFCTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY FFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER